पारा आपडेट
मैक्सिमम 28.00 | मिनीमम 14.00
सूर्यास्त (आज) ▸ 17.28
सूर्योदय (कल) ▸ 06.32
बोकारो से प्रकाशित

सेंसेक्स 75,838.36 ● निफ्टी 23,045.30 ● डॉलर 86.59 ₹ ● सोना 80,120 ₹ ● चांदी 1,04,000 ₹
पेज 06 नेताजी सुभाष चन्द्र बोस : एक...
पेज 08 हमारा संविधान हमारे प्राचीन...

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
हर खबर पर नजर
माघ कृष्ण पक्ष अष्टमी संवत 2082

पेज 12

RNI No. : JHAHIN/2018/76658 | बोकारो, बुधवार 22 जनवरी 2025 ● पृष्ठ : 12 मूल्य : 3/- रुपया ● वर्ष : 07 अंक : 200 | Email : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

मोदी ने ट्रम्प को राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने पद दी बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने पर रिपब्लिकन पार्टी के नेता डोनाल्ड ट्रंप को बधाई दी और कहा कि मैं (नरेन्द्र मोदी) एक बार फिर दोनों देशों के लाभ के लिए और दुनिया के लिए एक बेहतर भविष्य बनाने के लिए मिलकर काम करने को उत्सुक हूं। श्री मोदी ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'प्रिय मित्र डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में ऐतिहासिक शपथ ग्रहण पर बधाई। मैं एक बार फिर हमारे दोनों देशों के लाभ के लिए और दुनिया के लिए एक बेहतर भविष्य बनाने के लिए मिलकर काम करने को उत्सुक हूं। आपके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं।'

गुवाहाटी में मिला पहला एचएमपीवी पीड़ित मरीज

गुवाहाटी। ह्यूमन मेटाप्न्यूमोवायरस (एचएमपीवी) का गुवाहाटी में पहल मरीज मिला है। उसे एक निजी अस्पताल में भर्तीकराया गया है। उसके पति में भी समान लक्षण दिखने के बाद उसका सैंपल भी लेकर परीक्षण के लिए भेजा गया है। बताया गया कि गुवाहाटी के अपोलो अस्पताल में उपचाराधीन एक 75 वर्षीय महिला के एचएमपीवी पीड़ित होने की पुष्टि हुई है। मरीज के पति को भी बुखार और खांसी की शिकायत है। महिला के 81 वर्षीय पति का भी एचएमपीवी का परीक्षण के लिए सैंपल भेजा गया है और परीक्षण रिपोर्ट का इंतजार है। उल्लेखनीय है कि असम में पहला एचएमपीवी मरीज डिब्रूगढ़ जिले में पहचाना गया था।अब गुवाहाटी में भी एक मरीज में एचएमपीवीकी पुष्टि हुई है। डॉक्टरों का कहना है कि मेटाप्न्यूमोवायरस को लेकर घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। केवल सतर्क रहने की जरूरत है। सभी मास्क का प्रयोग और हाथों को सैनिटाइज करते रहें।

तुर्की के होटल में आग लगने से 10 लोगों की मौत

अंकारा। तुर्की के पश्चिमोत्तर प्रांत बोलू में मंगलवार को एक होटल में भीषण आग लगने से 10 लोगों की मौत हो गई और 32 अन्य घायल हो गए। गृह मंत्री अली येरलिकाया ने सोशल मीडिया पर मंगलवार को यह जानकारी दी। प्रांतीय गवर्नर अब्दुलअजीज आयडिन ने बताया कि कार्तल्काया स्की रिसॉर्ट के एक होटल में स्थानीय समयानुसार मंगलवार तड़के करीब 03:30 बजे भीषण आग लग गई।

भारत-म्यांमार सीमा पर एसओआरईपीए के चार कैडर गिरफ्तार

इंफाल। सुरक्षा बलों ने भारत-म्यांमार सीमा पर एसओआरईपीए के चार कैडर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि तेंग्नौपाल जिले के मोरेह थाना क्षेत्र के अंतर्गत भारत-म्यांमार सीमा स्तंभ 79 (पांगल बस्ती) के पास सुरक्षा बलों को यह कामयाबी मिली। चारों के पास से एक स्मार्टफोन और तीन सिम कार्ड बरामद हुए। गिरफ्तार कैडरों की पहचान लाइशंगथेम सोमोरजीत सिंह उर्फ लेंबा (34), पेबम मालेमंगनबा सिंह उर्फ लामंगनबा (18), लाइशराम नेल्सन सिंह उर्फ फिरेपा (22) और निंगथौजम मिलन मैतेई उर्फ खंबा (25) के रूप में हुई है। पुलिस का कहना है कि प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

राज्य कैबिनेट की बैठक में 18 प्रस्तावों पर लगी मुहार

राज्यकर्मियों के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना को मंजूरी

संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में कुल 18 प्रस्तावों को स्वीकृति दी गयी है। बैठक में राज्यकर्मियों को स्वास्थ्य बीमा योजना लागू किए जाने की मंजूरी दी गई है। साथ ही भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 के तहत अनुसंधानकर्ता को 25 हजार तक का मोबाईल फोन उपलब्ध कराया जायेगा। इसी प्रकार द नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंसस एक्ट के तहत दर्ज वादों को संज्ञान लेने एवं त्वरित निष्पादन के लिए विचारण के लिए चतरा में जिला न्यायाधीश स्तर के एक विशेष न्यायालय के गठन की स्वीकृति दी गई है। यह जानकारी कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने दी है।

इन प्रस्तावों को मिली मंजूरी

- स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अन्तर्गत झारखंड पारा मेडिकल जिला स्तरीय संवर्ग (नियुक्ति, प्रोन्नति एवं अन्य सेवा शर्त) नियमावली 2025 के गठन की स्वीकृति।
- वित्तीय वर्ष 2024-2025 में झारखंड उच्च न्यायालय के स्तर पर गठित झारखंड अधिवक्ता कल्याण निधि न्यासी समिति के अंतर्गत निबंधित अधिवक्ताओं को स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ प्रदान करने के लिए छह हजार रुपये वार्षिक प्रिमियम के रूप में कुल अनुदान राशि नौ करोड़ रुपये का भुगतान किये जाने के लिए, 65 वर्ष से अधिक उम्र के अधिवक्ता लाइसेंस प्रत्यर्पित करने वाले इच्छुक अधिवक्ताओं को पेंशन के रूप में प्रतिमाह सात हजार रुपये की दर से कुल एक करोड़ साठ लाख रुपये का अनुदान राशि भुगतान करने के लिए एवं नए अधिवक्ताओं को प्रथम तीन वर्ष की अवधि के दौरान वृत्तिका भत्ता के रूप में पांच हजार रुपये प्रतिमाह की दर से 50 प्रतिशत की समतुल्य राशि राज्य सरकार की ओर से प्रदान किये जाने के लिए कुल अनुदान राशि एक करोड़ पचास लाख रुपये यानी कुल बारह करोड़ दस लाख रुपये का उपबंध झारखंड राज्य आकस्मिकता निधि से अग्रिम के रूप में कराने की स्वीकृति।
- गेब्रियल किड़ो, सेवानिवृत कार्यपालक अभियंता (चालू प्रभार), जलपथ प्रमण्डल संख्या-02, हजारीबाग को स्वतंत्र चालू प्रभार के तहत सहायक अभियंता एवं कार्यपालक अभियंता के पद पर कार्यरत अवधि के वेतन का अन्तर राशि के भुगतान की मंजूरी।
- राज्य के चिकित्सा महाविद्यालय अस्पतालों, सदर अस्पतालों, अनुमण्डलीय अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के लिए वरीय अस्पताल प्रबंधक, अस्पताल प्रबंधक, वित्तीय प्रबंधक एवं आईटी एक्जक्यूटिव का पद सृजन की स्वीकृति।
- कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग की अधिसूचना संख्या-02 एवं अधिसूचना संख्या 7350 के जरिये कमलेश्वर कान्त वर्मा को झारखंड ऊर्जा संचरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक कमलेश्वर कान्त वर्मा, रांची के पद पर तीन वर्षों या अगले आदेश तक, जो पहले हो, के लिए नियुक्त करने संबंधी शर्त को कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग की अधिसूचना संख्या-8408 के द्वारा संशोधित करते हुए इसके स्थान पर चार वर्षों के लिए या अगले आदेश तक, जो पहले हो, किया गया है, पर घटनोत्तर मंजूरी।
- वित्तीय वर्ष 2024-25 के द्वितीय अनुपूरक व्यय विवरणी की घटनोत्तर स्वीकृति।
- झारखंड उच्च न्यायालय के तहत दायर वाद संख्या डब्लूपीएस नंबर 2678/2017, नन्द किशोर प्रसाद बनाम झारखंड सरकार एवं अन्य तथा एलपीए नंबर 650/2017 झारखंड सरकार एवं अन्य बनाम नन्द किशोर प्रसाद में पारित आदेश के अनुपालन के क्रम में नन्द किशोर प्रसाद को विभागीय लेखा परीक्षा द्वितीय पत्र में अंतिम स्तर से उत्तीर्ण होने की अनिवार्यता को क्षांत करते हुए देय एसीपी-एमएसीपी का वित्तीय लाभ प्रदान किये जाने की मंजूरी।
- झारखंड उच्च न्यायालय के तहत दायर वाद संख्या 3754/2021, प्रेम कुमार बनाम झारखंड सरकार एवं अन्य में पारित आदेश के अनुपालन के क्रम में प्रेम कुमार की सेवा नियमित करते हुए उन्हें अनुमान्य वित्तीय लाभ प्रदान किये जाने की स्वीकृति।
- दुमका एयरपोर्ट से नियमित उड़ान के लिए एआईए के साथ एमओयू के प्रस्ताव को स्वीकृति।

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद में मुठभेड़ : सुरक्षाबलों को मिली बड़ी कामयाबी

1 करोड़ का इनामी जयराम उर्फ चलपती सहित 27 नक्सली ढेर

एजेंसी

रायपुर/गरियाबंद। छत्तीसगढ़ और ओडिशा सीमा से लगे गरियाबंद जिले में सुरक्षाबलों के साथ दो दिनों तक चली नक्सलियों की मुठभेड़ मंगलवार की शाम खत्म हो गई। सर्च ऑपरेशन जारी है। सूत्रों के अनुसार छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में सुरक्षाबलों ने 27 नक्सलियों को मार गिराया है।

हालांकि पुलिस ने अभी तक 20 नक्ललियों के मारे जानी की पुष्टि की है। इनमें एक करोड़ का इनामी जयराम उर्फ चलपति, सेंट्रल कमेटी का सदस्य मनोज और स्पेशल जोनल कमेटी सदस्य गुड्डू भी शामिल हैं। इस मुठभेड़ में छत्तीसगढ़ का जवान धर्मेंद्र भोई एवं ओडिशा का जवान डमरू घायल हुए हैं। दोनों रायपुर के नारायणा अस्पताल में इलारत हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गरियाबंद नक्सली मुठभेड़ में सुरक्षाबलों को मिली सफलता पर बधाई दी है। मारे गए नक्सलियों में सेंट्रल कमेटी का सदस्य मनोज ओडिशा राज्य प्रमुख भी था। मनोज पर एक करोड़, तो गुड्डू पर 25 लाख रुपये

- सुरक्षाबलों ने घटनास्थल से सभी मृत नक्सलियों के शव बरामद किये
- एके 47, एसएलआर, इंसास जैसे अन्य ऑटोमेटिक हथियार मिले

नक्सलवाद को एक और करारा झटका : शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में मुठभेड़ में 27 नक्सलियों के मारे जाने के बाद सुरक्षा बलों के प्रयासों की सराहना की है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद को एक और करारा झटका। हमारे सुरक्षा बलों ने नक्सल मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ी सफलता हासिल की है। गृहमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा, 'नक्सलवाद को एक और करारा झटका। नक्सल मुक्त भारत बनाने की दिशा में हमारे सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। ओडिशा-छत्तीसगढ़ सीमा पर सीआरपीएफ, एसओजी ओडिशा और छत्तीसगढ़ पुलिस ने संयुक्त अभियान में 27 नक्सलियों को ढेर कर दिया। नक्सल मुक्त भारत के हमारे संकल्प और हमारे सुरक्षा बलों के संयुक्त प्रयासों से आज नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसें ले रहा है।'

का इनाम था।अन्य नक्सलियों की पहचान की जा रही है। सर्च ऑपरेशन जारी है। ऐसे में माना जा रहा है कि अभी और शव मिल सकते हैं। घटनास्थल से एके 47, एसएलआर, आईएनएसएएस और अन्य स्वचालित हथियार बरामद किए गए हैं।

आईजी रायपुर जोन अमरेश मिश्रा ने बताया कि यह मुठभेड़ रविवार रात से मंगलवार तक जारी रही। इसमें एक हजार 1000 सुरक्षा बल के जवानों ने 60 नक्सलियों को घेरा था। छत्तीसगढ़ और ओडिशा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में यह सफलता मिली है। यह नक्सल ऑपरेशन गरियाबंद पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ,ओडिशा के नुआपाड़ा पुलिस अधीक्षक राघवेंद्र गुंडाला, ओडिशा डीआईजी (नक्सल ऑपरेशन) अखिलेश्वर सिंह और कोबरा कमांडेंट डीएस की देख रेख में चल रहा है।

उल्लेखनीय है कि बीते दिनों छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर भी मुठभेड़ हुई थी, जिसमें 18 नक्सली मारे गए थे।

निशिकांत दुबे और मनोज तिवारी को राहत

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को रखा बरकरार

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा सांसदों निशिकांत दुबे और मनोज तिवारी को राहत दी है। जस्टिस एएस ओका की अध्यक्षता वाली बेंच ने मंगलवार को देवघर हवाई अड्डे पर मार्च 2023 में उड़ान भरने के लिए दबाव बनाने के मामले में निशिकांत दुबे और मनोज तिवारी के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने के हाई कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है।

इस मामले में कोर्ट ने 18 दिसंबर 2024 को फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस मामले पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड सरकार से पूछा था कि इस मामले की जांच राज्य सीआईडी क्यों कर रही है, जबकि आरोपों की जांच करने का अधिकार क्षेत्र नागरिक विमानन महानिदेशालय को है। जस्टिस एएस ओका ने पूछा था कि सीआईडी एयरक्राफ्ट एक्ट के तहत जांच कैसे कर सकती है। सुनवाई के दौरान झारखंड सरकार ने कहा था कि इस मामले में जांच जारी रखने के लिए संबंधित प्राधिकार से अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं है। झारखंड सरकार की इस दलील का निशिकांत दुबे और मनोज तिवारी की ओर से पेश वकील ने कहा था कि इस मामले में जांच जारी रखने के लिए संबंधित प्राधिकार से अनुमति लेनी जरूरी है और इसी आधार पर हाई कोर्ट ने फैसला दिया था।

- हवाईअड्डा सुरक्षा प्रोटोकॉल उल्लंघन का मामला

झारखंड सरकार ने फैसले को दी थी चुनौती

झारखंड सरकार ने देवघर हवाई अड्डे पर मार्च 2023 में उड़ान भरने के लिए दबाव बनाने के मामले में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और मनोज तिवारी के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने के हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। दरअसल, झारखंड हाई कोर्ट ने 13 मार्च 2023 को शाम के समय उड़ान भरने के लिए दबाव बनाने के मामले में निशिकांत दुबे, मनोज तिवारी और दूसरे आरोपितों के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द कर दिया था। हाई कोर्ट के इस आदेश को झारखंड सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। निशिकांत दुबे और मनोज तिवारी पर आरोप था कि इन्होंने देवघर हवाई अड्डे पर सुरक्षा नियमों का उल्लंघन किया। उन्होंने एटीसी पर शाम में निजी विमान को उड़ान भरने के लिए दबाव बनाया था।

छत्तीसगढ़ का चर्चित 2161 करोड़ रुपये का शराब घोटाला मामला

पूर्व मंत्री कवासी लखमा को ईडी की स्पेशल कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक रिमांड में भेजा

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के चर्चित 2161 करोड़ रुपये के शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा को आज ईडी की स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया। जहां से कोर्ट ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक रिमांड में जेल भेज दिया है। अब लखमा को 5 फरवरी को दोबारा कोर्ट में पेश किया जाएगा।

ईडी की स्पेशल कोर्ट में पेशी होने के बाद पत्रकारों से चर्चा करते हुए पूर्व मंत्री कवासी लखमा ने कहा कि मैं पूरी तरह निर्दोष हूं। मुझे साजिश के तहत फंसाया जा रहा है। मुझे न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है और सच्चाई जल्द ही सामने आएगी। लखमा को ईडी ने 15 जनवरी 2025 को पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया था। इससे पहले 28 दिसंबर 2024 को ईडी ने लखमा और उनके बेटे और करीबियों के घरों पर छापेमारी की थी।

ईडी के छापे के बाद कवासी लखमा ने कहा था कि घोटाला हुआ है या फिर नहीं, मुझे इसकी जानकारी नहीं है। मैं अनपढ़ आदमी हूं, अधिकारी मुझे जहां साइन करने को कहते थे, मैं कर देता था। 3 और 9 जनवरी को भी लखमा से पूछताछ की गई थी। 21 जनवरी तक उन्हें रिमांड पर भेजा गया था और आज रिमांड की अवधि समाप्त होने के बाद ईडी की स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया था।

उत्तर प्रदेश : शामली मुठभेड़ में एसटीएफ को मिली सफलता

एक लाख का इनामी बदमाश समेत चार ढेर

एजेंसी

शामली। उत्तर प्रदेश में शामली जिले के झिंझाना क्षेत्र में 20-21 जनवरी की मध्य रात्रि में पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने एक सशस्त्र मुठभेड़ में कुख्यात मुस्तफा कग्गा गैंग का इनामी बदमाश अरशद समेत चार शातिर अपराधियों को मार गिराया।

पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि सहारनपुर में गंगोह क्षेत्रमें बड़ी माजरा निवासी अरशद पर डकैती, हत्या और लूट समेत करीब 17 मामले दर्ज थे। वह सहारनपुर के बेहट थाने में दर्ज डकैती के एक मामले में वांछित था। मुठभेड़ में अरशद के साथ मंजीत, सतीश और एक अज्ञात बदमाश भी मार गिराये गये।

एसटीएफ को गुप्त सूचना मिली थी कि अरशद अपने साथियों के साथ झिंझाना थाना क्षेत्र से गुजरने वाला है। पुलिस ने घेराबंदी की और उन्हें रोकने की कोशिश की। अपराधियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने भी मोर्चा संभाला। करीब आधे घंटे तक चली इस मुठभेड़ में अरशद और उसके तीन साथी घायल हो गए। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मुठभेड़ के दौरान एसटीएफ टीम का नेतृत्व कर रहे इंस्पेक्टर सुनील गोली लगने से घायल हो गए है। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सहारनपुर और आस-पास के जिलों में अरशद की सक्रियता ने पुलिस को चुनौती दी थी। उसके खिलाफ सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर और हरियाणा के पनपत में विभिन्न धाराओं के तहत मामले दर्ज थे, जिनमें 302 (हत्या), 395 (डकैती), 397 (आर्म्ड डकैती), और गैंगस्टर एक्ट जैसे गंभीर अपराध शामिल थे।

एसटीएफ अधिकारियों ने बताया कि अरशद जैसे खतरनाक अपराधी का खात्मा कानून-व्यवस्था को बनाए रखने की दिशा में एक बड़ी सफलता है।

दिल्ली चुनाव भाजपा ने जारी किया विकसित दिल्ली संकल्प पत्र-2

जरूरतमंद छात्रों के लिए केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा का वादा

- युवाओं को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए मिलेंगे 15 हजार रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने अपने वादे के मुताबिक दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए आज संकल्प पत्र भाग-2 जारी किया। इसमें जरूरतमंद छात्रों को केजी से पीजी तक की शिक्षा मुफ्त देने का वादा किया गया है। साथ ही युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए 15 हजार रुपये की वित्तीय सहायता देने की भी घोषणा की गयी है। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने यह संकल्प पत्र जारी किया।

अनुराग ठाकुर ने पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि इस संकल्प पत्र से दिल्ली का विकास होगा। उन्होंने कहा कि

पार्टी की सरकार बनने पर दिल्ली के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए 15 हजार रुपये की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराएंगे और दो बार की यात्रा एवं आवेदन शुल्क की प्रतिपूर्ति भी करेंगे। दिल्ली में तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए बीआर आंबेडकर स्टाइपेंड योजना शुरू करेंगे। इसके अंतर्गत आईटीआई, स्किल सेंटर आदि में पढ़ रहे अनुसूचित जाति के छात्रों को 1000 रुपये प्रति माह स्टाइपेंड मिलेगा।

डोमेस्टिक वर्कर्स के लिए डोमेस्टिक वर्कर्स वेलफेयर बोर्ड का किया जाएगा गठन

अनुराग ठाकुर ने कहा कि ऑटो टैक्सी ड्राइवर वेलफेयर बोर्ड का गठन करेंगे। इसके अंतर्गत उन्हें 10 लाख तक का बीमा, 5 लाख तक का दुर्घटना बीमा, उनके बच्चों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए छात्रवृति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि डोमेस्टिक वर्कर्स के लिए डोमेस्टिक वर्कर्स वेलफेयर बोर्ड का गठन किया जाएगा। इसके अंतर्गत 10 लाख तक का जीवन बीमा, 5 लाख तक के दुर्घटना बीमा का प्रावधान किया जाएगा।

आम आदमी पार्टी पर साधा निशाना

भाजपा के वरिष्ठ नेता ठाकुर ने कहा कि पिछले दस साल में भाजपा ने दलालों को खत्म कर दिया है। उन्होंने आम आदमी पार्टी सरकार पर आरोप लगाया कि दिल्ली में कोविड के दौरान शराब माफिया के करोड़ों रुपये माफ किए। कैग रिपोर्ट विधानसभा में क्यों नहीं पेश किया गया। उल्लेखनीय है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शुक्रवार को दिल्ली चुनाव के लिए पार्टी का पहला संकल्प पत्र जारी किया था। इस दौरान उन्होंने घोषणा की थी कि अभी दो संकल्प पत्र और जारी किए जाएंगे।

चाईबासा में 21 पीस आईईडी और 55 पीस जिलेटिन बरामद

संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) में पुलिस और सुरक्षाबलों ने मंगलवार को नक्सलियों के खिलाफ सर्च अभियान के दौरान 21 आईईडी बम बरामद किया है।

एसपी आशुतोष शेखर ने बताया कि पोड़ाहाट क्षेत्र में सूचना के आधार पर अभियान संचालित किया जा रहा था। इस दौरान कराईकेला थाना क्षेत्र के सेरेंगदा गांव के कुचा टोला के जंगली-पहाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा बलों को लक्षित करने के उद्देश्य से नक्सलियों के जरिये लगाए गए 21 आईईडी बरामद किया गया।

एसपी ने बताया कि बम निरोधक दस्ता की सहायता से आईईडी को डिफ्यूज कर दिया गया। साथ ही एक पुराने नक्सली डम्प को सुरक्षा बलों के जरिये ध्वस्त किया गया। नक्सली डम्प से दो किलो के 12 आईईडी, एक किलो के नौ आईईडी और 55 पीस जिलेटिन की स्टीक बरामद की गई है। उन्होंने बताया कि नक्सलियों के खिलाफ लगातार क्षेत्र में अभियान चलाया जा रहा है।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, बुधवार 22 जनवरी 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

आइएएस पूजा सिंघल का निलंबन खत्म

रांची। आइएएस पूजा सिंघल का निलंबन खत्म कर दिया गया है। सीएम हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में बनी कमेटी ने उन्हें निलंबन मुक्त करने की अनुशंसा की थी। अनुशंसा पर पूजा सिंघल का निलंबन कार्मिक प्रशासनिक सुधार राज्सभाषा विभाग ने आदेश जारी कर दिया है। उन्हें कार्मिक में योगदान देने का निर्देश दिया गया है।

जदयू प्रदेश कार्यसमिति की बैठक 25 को

रांची। जदयू प्रदेश कार्यसमिति की बैठक 25 जनवरी को होगी। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता सागर कुमार ने मंगलवार को कहा कि प्रदेश कार्यालय में बैठक आहूत की गई है। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश जदयू अध्यक्ष व सांसद खीरू महतो करेंगे। बैठक में प्रदेश पदाधिकारी, कार्यसमिति सदस्य, जिला, नगर अध्यक्ष एवं प्रकोष्ठों के अध्यक्ष शामिल होंगे।

बजट पूर्व एवं नगर निकाय चुनाव पर परिचर्चा एक और दो फरवरी को

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी द्वारा बजट पूर्व एवं नगर निकाय चुनाव पर परिचर्चा का आयोजन 01 फरवरी 2025 को केंद्रीय बागवानी सभागार पलांडू रामपुर में आहूत की गई है। यह परिचर्चा प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में दो सत्रों में आहूत होगी। परिचर्चा में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर एवं विशिष्ट अतिथि के तौर पे सह प्रभारी सप्तगिरि शंकर उल्का एवं डॉ सिरिबेला प्रसाद मौजूद रहेंगे। तथा 02 फरवरी 2025 को पूर्व 11:00 बजे से डटमा भूसूर में ओरमांझी में पॉलिटिक्ल अफेयर्स कमिटी की बैठक आहूत की गई है। प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने बताया कि प्रथम सत्र में मंत्री, सांसद, पूर्व सांसद, विधायक, पूर्व विधायक इस परिचर्चा में भाग लेंगे वही द्वितीय सत्र में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष, जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष, प्रदेश कांग्रेस कमिटी के पूर्ववर्ती कार्यकारिणी के सदस्यगण, जोनल को-ऑर्डिनेटर, बोर्ड निगम के चेयरमैन, अग्रणी संगठन, विभाग के प्रदेश अध्यक्ष सहित संगठन के अधिकतम 5-5 पदाधिकारी को भाग लेना अनिवार्य किया गया है।

गुलाम अहमद मीर का झारखंड दौरा आज

रांची। कांग्रेस के झारखण्ड प्रभारी गुलाम अहमद मीर एवं सह-प्रभारी डॉ. सिरिबेला प्रसाद झारखंड दौरे के क्रम में आज रांची बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पहुंचेंगे। सड़क मार्ग द्वारा रांची से धनबाद के लिए प्रस्थान करेंगे। प्रदेश कांग्रेस कमिटी के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने बताया झारखण्ड प्रभारी श्री मीर एवं सह-प्रभारी डॉ. प्रसाद वृहस्पतिवार को मन्नान मल्लिक के से मुलाकात करेंगे। सोनारीठाड़ी में आयोजित जय बापू, जय भीम, जय संविधान मार्च एवं मिलन समारोह में भाग लेंगे।

गणतंत्र दिवस समारोह के मौके पर मंत्री विभिन्न जिलों के मुख्यालय में करेंगे झंडोतोलन

रांची। गणतंत्र दिवस समारोह के मौके पर झारखंड सरकार के मंत्री विभीन्न जिलों के मुख्यालय में झंडोतोलन करेंगे। इस संबंध में मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग द्वारा झंडोतोलन कार्यक्रम जारी किया गया है। इसमें मंत्री राधाकृष्ण किशोर पलामू डालटेनगंज में झंडोतोलन करेंगे। मंत्री दीपक बिरुआ पश्चिमी सिंहभूम, मंत्री चमरा लिंडा गुमला, मंत्री संजय प्रसाद यादव पांकुड़, मंत्री रामदास सोरेन, पूर्वी सिंहभूम, मंत्री इरफान अंसारी, जामताड़ा, मंत्री हफिजुल हसन, देवघर, मंत्री दीपिका पांडे सिंह, गोड्डा, मंत्री योगेंद्र प्रसाद बोकारो, मंत्री सुदिव्य कुमार गिरिडीह, मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की लोहरदगा में झंडोतोलन करेगी।

झारखंड में बनेंगे 3 ग्लास ब्रिज

रांची। झारखंड में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार काम कर रही है। इसी कड़ी में अब बिहार के राजगीर में बने ग्लास ब्रिज के तर्ज पर झारखंड में भी ग्लास ब्रिज बनाने का फैसला लिया गया है। जिसके बाद लोग राजधानी रांची और गुमला जिले में भी स्काई वॉक का आनंद ले सकेंगे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर पर्यटन विभाग ने रांची के हुंडरू फॉल और दशम फॉल के साथ साथ नेतरहाट के मैग्नोलिया प्वाइंट पर ग्लास ब्रिज बनाने का फैसला किया है। इसके लिए सरकार के तरफी से जमीन भी उपलब्ध करा दी गई है।

तापमान में बदलाव होगा

रांची। मौसम केंद्र के अनुसार राज्य में अगले 3 दिनों में न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है। इसके बाद अगले 2 दिनों में इसमें 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होने की उम्मीद है। कल बादल छाए रहेंगे केंद्र के अनुसार 22 जनवरी को उत्तरी भागों में आंशिक बादल छाए रहेंगे। शेष भागों में आसमान साफ रहेगा। राज्य के पूर्वी भागों के कुछ इलाकों में सुबह में हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा छाए रहने की संभावना है।

वैगनआर को पीछे से ईको ने ठोका, हंगामा

रांची। हरमु बिजली ऑफिस के पास एक वैगरआर को पीछे से तेज रफ्तार में आ रही ईका वैन ने जोरदार ठोकर मार दी जिससे वैगनआर के पीछे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। उसके बाद दोनों वाहनों के चालक आपस में भिड़ गये,काफी देर तक वहां तमाशा होता रहा। जिससे कुछ देर तक वहां भिड़ लगने से जाम लग गयी। बाद में स्थानीय लोगों के बीच बचाव के बाद दोनों गाड़ियों को सड़क से किनारे कर जाम हटाया गया। ईको वैन में झारखंड सरकार लिखा हुआ था, जिससे वैगन आर के मालिक ने क्षतिपूर्ति करने पर अड़ गये, समझौता होने के बाद मामला शांत हो गया।

कोका लगाम में विशाल साधु मेला संपन्न

रांची। कोका लगाम में विशाल साधु मेला का आयोजन किया गया। जिसमें पाता नाच का आयोजन मुख्य आकर्षण रहा । झारखंड अलग राज्य बननें के वर्ष 2000 से राजीव भगत उर्फ साधु ने टुंगरी पर मेला की शुरुआत हुई थी। फिर यही विशाल साधु मेला के नाम से जाना जाने लगा। साधु वर्तमान में जीवित है।मेले में टुसु प्रर्दशनी जोश खरोश नाचते गाते मंच तक हुआ। मेला को सफल बनाने में मुखिया गंगा नरायाण मुंडा, संजय महतो, वंशीधर महतो, जगरनाथ महतो,उमेश महतो, लक्ष्मी महतो, सुभाष लोहरा, संजय लोहरा, राधानाथ महतो , नन्द किशोर महतो, महिपाल महतो की सक्रिय भागीदारी रही।

अफीम की खेती के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई

रांची। झारखंड में पुलिस ने पिछले 50 दिनों में चार हजार एकड़ से भी ज्यादा इलाके में अफीम की फसल नष्ट की है. 'जीरो टॉलरेंस पॉलिसी' के तहत दिसंबर महीने से चल रहे अभियान में खूंटी, रांची, सरायकेला-खरसावां, पश्चिमी सिंहभूम, हजारीबाग, गढ़वा, लातेहार, चतरा और पलामू जिलों में सबसे बड़े पैमाने पर कार्रवाई हुई है।

डीड नंबर की हेराफेरी पर लगेगी लगाम, घटेंगे लंबित म्यूटेशन के मामले : मंत्री

संवाददाता

रांची। झारखंड में जमीन संबंधित विवाद और इसपर पनपे भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए भू राजस्व विभाग के मंत्री दीपक बिरुआ सतत प्रत्यनशील है। उन्होंने अब फर्जी डीड पर लगाम लगाने की तैयारी कर ली है। मंत्री ने भू राजस्व विभाग को इसके लिए खास एक्शन प्लान के तहत एनआईसी के सॉफ्टवेयर में सुधार करने का निर्देश दिया है।

डीड के आगे पीछे यूनिक नंबर लगाकर दोबारा करते हैं डीड अप्लाई

मंत्री दीपक बिरुआ ने फर्जी डीड के माध्यम से किये जानेवाले भ्रष्टाचार पर चिंता जाहिर करते हुए कहा है कि, जब कोई व्यक्ति डीड अप्लाई करता है, तो संबंधित व्यक्ति को डीड का यूनिक नंबर मिलता है। लेकिन उसमें छोटी मोटी खामियां निकालकर उसके डीड को कैंसिल कर दिया जाता है। ठीक इसके कुछ ही दिन बाद दोबारा संबंधित व्यक्ति के उसी डीड नंबर को उसके आगे पीछे यूनिक नंबर लगाकर दोबारा डीड अप्लाई करवाया या किया जाता है। इससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है। इसी चक्कर में लंबित म्यूटेशन के मामले भी बढ़ते जा रहे हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि विभाग, एक ही जमीन के लिए दोबारा डीड अप्लाई करने पर पूरी तरह से लगाम लगाए ताकि, फर्जी डीड बनाकर गलत तरीके से म्यूटेशन करने पर भी रोक लग सके।

मंत्री ने एनआईसी को निर्देश देते हुए कहा है कि एनआईसी उम्दा सॉफ्टवेयर बनाए। दोबारा डीड अप्लाई करने पर तत्काल उसपर रोक लगाने की दिशा में काम करें। इससे विभिन्न अंचलों में लंबित म्यूटेशन के मामले घटेंगे। साथ ही अंचल कर्मियों को जमीन संबंधित बाकी काम निपटारा करने में

कई आदिवासी मूलवासियों को नहीं मालूम जमीनी बातें, बिचौलिया न उठाएं गलत लाभ

मंत्री ने कहा कि झारखंड में आदिवासी मूलवासियों को कई मायने में जमीन के संबंध में ज्यादा जानकारी नहीं होती है। अपनी ही जमीन की रसीद कटवाने या अन्य छोटे मोटे कार्यों के लिए बार-बार अंचल और यहां वहां दौड़ना पड़ता है। उसका बिचौलिया गलत लाभ उठाते। किसी भी हाल में जमीन संबंधित विवाद पर फजीर्वाड़ा बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। आमजनों की तमाम समस्याओं पर खास ध्यान देने की आवश्यकता है।

पुरखों की जमीन पर गलत करने वालों पर होगी कार्रवाई

उन्होंने कहा कि पुरखों की जमीन पर कुछ अंचलाधिकारी, कर्मी किसी खास व्यक्ति के इशारे पर, जमीन अपने नाम या किसी चहेते के नाम कराने का धंधा चला रहे है। ऐसे पदाधिकारियों को चिन्हित कर, उनपर कार्रवाई की जाएगी। गलत व्यवस्था पर अबुआ सरकार कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेगी।

स्वास्थ मंत्री ने रिम्स-2 के लिए जमीन का किया निरीक्षण

वरीय संवाददाता

रांची। राज्य के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा को लेकर कांके के सुकुरहुटू में रिम्स-2 के नाम से एक नया अस्पताल का निर्माण होगा। 1074 करोड़ रुपये की लागत से बननेवाली इस मेडिकल कॉलेज व अस्पताल का निर्माण 2 साल में पूरा होगा।

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने मंगलवार को रिम्स-2 के लिए जमीन का निरीक्षण किया। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि झारखंड वासियों को आजादी के बाद पहली बार रिम्स-2 की सौगात हेमंत सोरेन की सरकार देने जा रही है। रिम्स -1 में मरीजों का भार बढ़ा हुआ है। कई तरह की समस्याएं आ रही है। नए रूप से रिम्स-2 बनाया जाएगा।

आज जमीन का सर्वे किया गया है. राज्य में एक डॉक्टर मिनिस्टर बने हैं तो लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिलेगी। हमारी सरकार जनता को बेहतर स्वास्थ्य की गारंटी देती है।

1074 करोड़ रुपए की लागत से होगा अस्पताल का निर्माण : अजय सिंह

अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा कि मेडिकल कॉलेज के लिए जमीन का निरीक्षण करने आया था। 10 एकड़ की जमीन में यह नया मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल बनेगा। सामने का 400 फिट खाली रखा जाएगा। रिम्स -2 में यूजी की 100 सीट और पीजी की 50 सीट होगी। नए रिम्स में स्पेशलिटी और सुपर स्पेशलिटी इलाज मरीजों को मिलेगा। इसमें कार्डियक, न्यूरो,नियोनाटोलॉजी और नेफ्रोलॉजी की सुपर स्पेशलिटी सेवाएं मरीजों को मिलेगी। 250 से सुपर स्पेशलिटी बेड होंगे। 700 बेड के नए अस्पताल बन जाने से रिम्स का भार कम होगा। 1074 करोड़ रुपए इस नए अस्पताल के निर्माण के लिए स्वीकृत हुए है। रिम्स -2 के नाम से अस्पताल के बन जाने से मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिलेगी। झारखंड बल्कि पड़ोसी राज्यों के मरीज भी यहां इलाज के लिए आ सकेंगे।

सीएमपीडीआई अंतर क्षेत्रीय संस्थान एथलीट मीट का हुआ शुभारंभ

संवाददाता

रांची। सीएमपीडीआई के क्षेत्रीय संस्थान-3-रांची के तत्वावधान में संस्थान के खेल मैदान में 21 जनवरी से अंतर क्षेत्रीय संस्थान एथलीट मीट 2024-25 का शुभारंभ हुआ। इसका उद्घाटन महाप्रबंधक रणदीप सिंह और आरके सिंह ने किया। मीट 23 जनवरी तक होगा। इस अवसर पर मुख्यालय एवं क्षेत्रीय संस्थान-3-रांची के महाप्रबंधक व विभागाध्यक्ष, श्रमिक प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित थे। तीन-दिवसीय अंतर क्षेत्रीय संस्थान एथलीट मीट 2024-25 के उद्घाटन सत्र में पुरूष वर्ग के लिए आयोजित 1500 मीटर ओपेन रेस में क्षेत्रीय संस्थान-7-भुवनेश्वर के केशव चन्द्र राय-प्रथम, क्षेत्रीय संस्थान-5-बिलासपुर के प्रशांत कुमार राय-द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर बिलासपुर के ही शैलेन्द्र रहे। महिला वर्ग के लिए आयोजित 100 मीटर ओपेन रेस में क्षेत्रीय संस्थान-6-सिंगरौली की श्रीमती प्रीति देवी-प्रथम, क्षेत्रीय संस्थान-5-बिलासपुर की श्रीमती अंजली-द्वितीय और तृतीय स्थान पर मुख्यालय-रांची की श्रीमती मार्था एस होरो रहीं।

राज्य सरकार नहीं सुधरी तो सड़क से सदन तक भाजपा करेगी आंदोलन:बाबूलाल मरांडी

संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को मिलन समारोह सह सदस्यता कार्यक्रम आयोजित हुआ। प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने लोकहित अधिकार पार्टी के पवन तिग्गा के नेतृत्व में लोहरदगा से चलकर रांची आए सैकड़ों लोगों को भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराई। इस मौके पर प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक,सोशल मीडिया प्रभारी राहुल अवस्थी, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी अशोक बड़ाइक,एसटी मोर्चा के सुनील फकीरा कच्छप उपस्थित रहे।

सदस्यता ग्रहण करने वालों में सुकरु उरांव,शशि नंदन भगत, तपेश्वर प्रजापति, एतवा उरांव, इलीशिबा मिंज,तारा भगत, सुरेशचंद्र साहू, लोलेन एक्का, अबिमोला मिंज,विनोद यादव, दीपक कुमार,कैलाश चौधरी, अशोक चौहान,अशोक सिंह, कमलेश्वर सिंह,लाल विकार नाथ शाह देव सहित लोकहित अधिकार पार्टी के लोहरदगा जिला के पदाधिकारी,सदस्यों ने सदस्यता ली। इस मौके पर श्री मरांडी ने सदस्यता ग्रहण करने वालों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भाजपा एक विशाल परिवार है जिसके 12.5 करोड़ से अधिक सदस्य हैं। पार्टी आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है और दुनियां के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता नरेंद्र मोदी का नेतृत्व प्राप्त है। भाजपा सरकार अंत्योदय के साथ गांव, गरीब, किसान,दलित आदिवासी, की सेवा कर रही। आत्म निर्भर भारत,विकसित भारत का संकल्प हम सभी को मिलकर पूरा करना है। झारखंड में भी सशक्त भाजपा बनाकर विकसित झारखंड बनाना है। जिन्होंने पार्टी में सदस्यता दिलाई। आज भाजपा से ही जनता को उम्मीद है।

भ्रष्टाचार की चपेट में है आम आदमी

श्री मरांडी ने हेमंत सरकार पर बड़ा निशाना साधते हुए कहा कि राज्य सरकार में रोज नए नए भ्रष्टाचार के मामले उजागर हो रहे। आम आदमी भ्रष्टाचार की चपेट में है। श्री मरांडी ने सोशल मीडिया में वायरल एक वीडीओ जिसमें स्कूल के शिक्षक द्वारा साइकल के लिए छात्र से 400रुपए की मांग की जा रही है पर कहा कि भ्रष्टाचार से अब स्कूल के बच्चे भी अछूते नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार 2 को भ्रष्टाचार मिटाने केलिए गंभीर होना चाहिए नहीं तो भाजपा चुप नहीं बैठेगी। एक सशक्त विपक्ष के नाते जन मुद्दों पर सड़क से सदन तक जोरदार आंदोलन करेगी।

2012 तक रजिस्ट्री करा चुके पिछड़ी जाति के लोगों की जमीन का नहीं हो रहा म्यूटेशन : डॉ लंबोदर

संवाददाता

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव एवं पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो ने राज्य के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री दीपक बिरुवा से 2012 तक रजिस्ट्री करा चुके पिछड़ी जाति के हजारों लोगों का जमीन का म्यूटेशन करने, लगान रसीद काटने व 2012 से बंद लगान रसीद पहले की तरह काटने की मांग की है। उन्होंने यह मांग मंगलवार को मंत्री से मिलकर की है। उन्होंने मंत्री को इस बात से अवगत कराया की झारखंड राज्य में सीएनटी से अच्छादित पिछड़ी जाति के हजारों लोगों का, जिन्होंने 2012 तक अपनी जमीन का रजिस्ट्री करवा लिए हैं, पूरे राज्य में ऐसे लोगों के जमीन का न तो नामांतरण (म्यूटेशन) हो पा रहा है और न तो उसकी लगान रसीद निर्गत हो पा रही है, जबकि ऐसे लोगों का अपनी जमीन पर शांतिपूर्वक दखल कब्जा है एवं विधि मान्य से जमीन का निबंध भी हुआ है।

उन्होंने कहा कि पूरे राज्य में लाखों की संख्या में रसीद नहीं कटने से लोग परेशान हैं तथा सरकार के प्रति आक्रोशित है। साथ ही उन्होंने मंत्री का ध्यान पूरे राज्य में वर्ष 2012 से वैसे जमीनों का लगान रसीद कटना बंद हो गया है जिनका विधि संगत तरीके से लोगों ने बंदोबस्ती कराया है, की ओर आकृष्ट कराया। 2012 से पहले तक रसीद कटता था। इन जमीनों पर रैयतों का शांतिपूर्ण दखल कब्जा

भी है। मगर 2012 से इन जमीनों पर रैयतों का लगान रसीद कटना पूरी तरह से बंद हो गया है। इस कारण जहां राज्य सरकार को राजस्व की प्राप्ति नहीं हो पा रही है वहीं लाखों रैयतों में आक्रोश व्याप्त है। इसको देखते हुए इन दोनों मामले में अविलंब विधि संगत कार्रवाई करने जरूरत है ताकि लोगों को न्याय मिल सके। मंत्री ने मिलने आए डॉ लंबोदर महतो की बातों को ध्यान पूर्वक सुनने व सौंपे गए पत्र को पढ़ने के बाद इस विषय पर विभागीय सचिव के साथ समीक्षा बैठक कर विधि संगत निर्णय लेने को लेकर आश्वस्त किया। डॉ लंबोदर महतो ने सर्वप्रथम मंत्री को नव वर्ष की बधाई दी।

मनोज कपरदार को मिलेगा जयशंकर प्रसाद स्मृति सम्मान

रांची। लेखक व कला समीक्षक मनोज कुमार कपरदार को वर्ष 2025 का जयशंकर प्रसाद स्मृति सम्मान प्रदान किया जायेगा। सम्मान देने का निर्णय जयशंकर प्रसाद विचार मंच, रांची के द्वारा लिया गया है। यह सम्मान इन्हें गोस्सनर कॉलेज, रांची के सेमिनार हॉल में आयोजित भव्य कार्यक्रम में 30 जनवरी को प्रदान किया जायेगा। यह जानकारी जयशंकर प्रसाद विचार मंच के संस्थापक सचिव सुरेश निराला ने मंगलवार को दी। यह सम्मान विगत नौ वर्षो से लगातार झारखंड के ख्याति प्राप्त साहित्यकारों को दिया जाता है। मनोज कुमार कपरदार को यह सम्मान कला संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्ट लेखन कार्य के लिये प्रदान किया जायेगा। पुरस्कार के रूप में स्मृति चिन्ह, सम्मान पत्र, अंगवस्त्र और उपहार प्रदान किया जायेगा। महाकवि जयशंकर प्रसाद की जयंती पर जयशंकर प्रसाद विचार मंच उत्कृष्ट रचनाकर्म के आधार पर हर वर्ष यह सम्मान देती है। मनोज कुमार कपरदार झारखंड के कलाकारों और कलाकृतियों पर निरंतर लेखन कार्य कर रहे है।

अफीम की खेती व तस्करी के फरार दो आरापी धराये

रांची। खूंटी जिले के मारंगहादा थाना पुलिस अफीम की खेती करन व तस्करी करने के फरार चल रहे दो आरोपियों हिंदू पाहन और प्रभात महतो को ग्राम करगे से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। खूंटी के डीएसपी वरुण रजक ने बताया कि दोनों गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस के तहत मामला पहले से दर्ज है जिसमें दोनों पुलिस से बच कर भागे फिर रहे रहे थे। उन्होंने बताया कि सोमवार की देर रात जिले के पुलिस कप्तान अमन कुमार को खबरियों से सूचना मिली की दोनों आरोपी फिलहाल अपने घर आये हुए हैं, जिसके बाद डीएसपी श्री रजक के नेतृत्व में थाना प्रभारी शंकर कुमार विश्वकर्मा व थाने की पुलिस बल के साथ टीम बना कर देर रात 12.30 बजे दोनों के घरों में छापामारी कर गिरफ्ता कर लिया गया।

उन्होंने बताया कि जिले के पुलिस कप्तान के निर्देश पर धान कटनी के पहले से सभी थाना क्षेत्रों में अफीम की खेती नहीं करने और खेती से हाने वाले बुरे असर और पकड़े जाने पर पुलिस की कारवाई से परिवार पर पड़ने वाली मुसिबतों आदि की जानकारियों के लिए लगातार जागरुक्ता अभियान चलाया गया, उसके बावजूद कुछ थाना क्षेत्रों में कुछ लोगों ने छिप छिपाकर जंगली व पहाड़ी क्षेत्रों में अफीम की खेती की गयी व कुछ लोगों द्वारा पुराने फसलों की तस्करी भी की जाने लगी, जिसमें कुछ लोग पकड़े गये वहीं जो लोग पुलिस की बातों को नहीं मान कर इस धंधे से जुड़े रहे उन्हें सलाखों के पीछे पहुंचाने का काम शुरु कर दिया गया है।

जिला शिक्षा अधीक्षक से मिले पीएमश्री अपग्रेडेड हाई स्कूल के अध्यक्ष, अभिभावक और छात्र

छात्रों ने कहा प्रधानाअध्यापक डी ओ और डी एस सी को पॉकेट में लेकर घूमने की करते हैं बात

संवाददाता

रांची। कांके कुम्हरिया स्थित पीएमश्री अपग्रेडेड हाई स्कूल के अध्यक्ष सिकंदर लोहारा एवं संयोजिका विनीता देवी के नेतृत्व में सैकड़ों छात्रों ने उपायुक्त कार्यालय स्थित जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज से मुलाकात की। इसमें स्कूल के सैकड़ों छात्र एवं उनके अभिभावक मौजूद थे। सभी ने संयुक्त रूप से जिला शिक्षा अधीक्षक को एक ज्ञापन सौंपा। जिसमें स्कूल के अध्यक्ष

सिकंदर लोहारा एवं बच्चों ने स्कूल के प्रधानाचार्य अशोक प्रसाद सिंह के द्वारा किए जा रहे अनियमितता और दुर्व्यवहार एवं कानून का उल्लंघन करने की बात कही। ज्ञात हो की स्कूल के प्राचार्य के द्वारा प्रथम वर्ग से दसवीं वर्ग तक के छात्रों को अपने कोई सगे संबंधियों से मिलकर स्कूल में सभी छात्रों से 100 रुपयों की राशि लेकर टाई बेल्ट और आई कार्ड बेचे गए । साथ ही साथ स्कूल के चलने वाली मिड डे मील खुद मनमानी कर अध्यक्ष एवं संयोजिका को बिना कोई सूचना जानकारी दिए हुए अपने मनचाहा तरीके से खरीद कर चलाते हैं जिसमें छात्रों को सही पौष्टिक आहार नहीं मिल पा रहा है, माह के अंतिम दिन में अध्यक्ष और संयोजिका को बुलाकर दबाव बनाकर और डरा धमकाकर मिड डे मील की राशि का भुगतान चेक के माध्यम से अपने मनचाहे दुकान में कराते हैं।

स्कूल में मिड डे मील यूज होने वाली एल पी जी गैस छात्रों के माध्यम से अपने कार में रखवाते हैं और घर ले जाते हैं ताकि उनके घर का खाना बन सके। बच्चों अपने बात को रखते हुए कहा कि प्रधाना अध्यापक अपने पद का रोब दिखाकर कानून का उल्लंघन करते हुए शोषित , गरीब और पिछड़े वर्ग के छात्रों को जाती सूचक गाली देते हैं। अपने पावर और औकात की बात करते हुए छात्रों को फेल और पास करने की धमकियां देते। कुछ छात्रों ने ये भी बताया कि ये डीओ और डी एस सी को पॉकेट में रखने कि बात कहते हैं। एक दिव्यांग बच्चे ने कहा कि लेट से स्कूल जाने पर प्राचार्य द्वारा कोका, लंगडा बोलकर स्कूल से निकालने की धमकियां देते हैं। छात्रों ने यह भी कहा परीक्षा कूट 100 रुपए की राशि बेची जा रही है ।

शराब घोटाले के आरोपित की डिस्चार्ज याचिका पर अगली सुनवाई 30 को

रांची। शराब घोटाला के जरिए अवैध कमाई और मनी लांड्रिंग करने के आरोपित योगेंद्र तिवारी की दाखिल डिस्चार्ज याचिका पर अब 30 जनवरी को सुनवाई होगी। धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में मंगलवार को इस मामले की सुनवाई हुई।दरअसल, योगेंद्र तिवारी ने खुद को निर्दोष बताते हुए 19 दिसंबर को डिस्चार्ज याचिका दाखिल की है। ईडी ने उन्हें 19 अक्टूबर, 2023 को गिरफ्तार किया था। वर्तमान में वह हाई कोर्ट से जमानत पर है।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, बुधवार 22 जनवरी 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

बोकारो में पुलिस संबंधी जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन आज

बोकारो। पुलिस मुख्यालय झारखण्ड, रांची के निदेर्शानुसार नागरिकों की शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी निवारण तथा पुलिस एवं नागरिकों के बीच अविश्वास एवं दूरी को समाप्त करने के उद्देश्य से बुधवार को आमजनों की शिकायतों के निवारण हेतु जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। चंदनकियारी, पिण्ड्राजोरा, चास, महिला थाना-चास, बरमसिया ओपी, अमलाबाद ओपी, भोजूडीह ओपी, चन्द्रपुरा, बोकारो झरिया, दुग्धा, बालीडीह, बालीडीह ओपी, माराफारी, सिटी थाना, सेक्टर-4 थाना एवं सेक्टर-6 थाना क्षेत्र के आमजन को पुलिस से संबंधित कोई शिकायत एवं अन्य प्रकार की शिकायत हो तो, उसपर त्वरित निष्पादन/निवारण हेतु आइटीआइ कैम्पस पिण्ड्राजोरा, डीवीसी प्लस टू हाईस्कूल चन्द्रपुरा, सेक्टर-टू डी कला केन्द्र बोकारो एवं मध्य विद्यालय सिवनडीह माराफारी में उक्त निर्धारित तिथि पर आयोजित जन शिकायत समाधान कार्यक्रम में उपस्थित होकर अपनी बात रख सकते हैं। साथ ही, दूरभाष संख्या 9470947322 तथा ईमेल आईडी जनशिकायत-बोकारो-एट द रेट जेएचपुलिस डॉट इन के जरिये भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। मामले पर सुनवाई करते हुए विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। उक्त जानकारी पुलिस अधीक्षक कार्यालय बोकारो द्वारा दी गई है।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ मना आरआर नृत्यशाला एंड आर्ट्स स्कूल का वार्षिकोत्सव

बोकारो। वास्तु विहार-4 स्थित आर आर नृत्यशाला एंड आर्ट्स स्कूल का द्वितीय वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। स्कूल की प्राचार्या रजनी पाढ़ी की अध्यक्षता में आयोजित इस वार्षिकोत्सव का उद्घाटन मुख्य अतिथि बोकारो विधायक श्वेता सिंह ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में कला-संस्कृति के महत्व पर प्रकाश डाला और लोगों से नृत्य, संगीत व ललित कलाओं से जुड़ने का आह्वान किया। इस दिशा में स्कूल द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। प्राचार्या रजनी पाढ़ी सहित कमेटी सदस्यों उमेश ठाकुर, राकेश चक्रवर्ती, मन्टू सिंह, संतोष, मैत्री मुखर्जी, सशीला सिंह और सभी कॉलनी निवासियों ने विधायक का स्वागत व अभिनंदन किया। इस अवसर पर बच्चों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुति से सभी को आनंदित किया। प्राचार्या रजनी पाढ़ी ने बताया कि इस संस्था में अनेक कलाओं नृत्य, संगीत, वाद्य, चित्रकला, ताइक्वान्डो और औरतों के लिए जुम्बा डांस का प्रशिक्षण दिया जाता है। इस अवसर पर संस्कार भारती बोकारो जिला के मंत्री स्वरूप शेखर पांडेय सहित राजेश चौधरी, धर्मवीर सिंह, रमानन्द पाढ़ी, आचार्य सुभाश, सुभम, राहुल प्रताप, आनंद, क्रिश, राजकुमारी मिश्रा, संजली तिवारी आदि उपस्थित थे।

बोकारो में सरस्वती विद्या मंदिर का निरीक्षण, शैक्षिक व्यवस्था में सुधार पर चर्चा

बोकारो। प्रांतीय योजनानुसार मंगलवार को बोकारो के सेक्टर-3 सी स्थित सरस्वती विद्या मंदिर का निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण विद्या विकास समिति के निरीक्षक नीरज कुमार लाल के संयोजन में प्रधानाचार्य संतोष कुमार झा (सरस्वती विद्या मंदिर, बाघमारा) और प्रधानाचार्य (सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, सेक्टर-2 ए बोकारो) द्वारा किया गया।कार्यक्रम की शुरूआत वंदना सभा से हुई, जिसमें विभाग निरीक्षक और बाहर से आए प्रधानाचार्यों ने दीप प्रज्ज्वलन तथा भारत माता, ओम और सरस्वती माता के चित्रों पर पुष्पार्चन किया। संतोष कुमार झा ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों में आशा का होना आवश्यक है, तभी वे अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने एक कहानी के माध्यम से बताया कि आशा के साथ प्रेम, शांति और विश्वास स्वमेव आते हैं, जिससे व्यक्ति अपने लक्ष्य तक पहुंच सकता है। वंदना सभा के पश्चात निरीक्षकों ने विद्यालय के विभिन्न विभागों का गहन निरीक्षण किया, जिसमें वंदना सभा, कार्यालय, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, संगणक कक्ष सहित सभी विभागों की पंजी भी शामिल थी। निरीक्षकों ने बच्चों के शैक्षिक क्रियाकलापों और आचार्य दीदी के पठन-पाठन का भी निरीक्षण किया। इस दौरान निरीक्षकों ने कन्या भारती, बल भारती तथा किशोर भारती के भैया बहनों, समिति सदस्य और आचार्यों के साथ बैठक की और शैक्षिक व्यवस्था में सुधार लाने के उपायों पर चर्चा की।इस अवसर पर विद्यालय के सचिव राजकुमार भी उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस पर विभागों द्वारा निकाली जाने वाली झांकियों की तैयारियों पर चर्चा

संवाददाता

बोकारो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उप विकास आयुक्त गिरिजा शंकर प्रसाद ने आगामी 76 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा निकाली जाने वाली झांकी के थीम पर मंगलवार को बैठक आयोजित की। बैठक में डीआरडीए निदेशक मेनका, सामाजिक सुरक्षा के सहायक निदेशक पियूष, जिला आपूर्ति पदाधिकारी शालिनी खालखो, जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा, जिला पशु पालन पदाधिकारी डा. मनोज मणि, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह सहित अन्य विभागों के कर्मी उपस्थित थे।उप विकास आयुक्त ने बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तुत की गई झांकियों की तैयारियों और उनके थीम पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने पुलिस विभाग के साइबर क्राइम/डिजीटल एरेस्ट, अग्निशामन विभाग के आग बुझाने की गतिविधि, नगर निगम चास द्वारा रेन वार्टर हार्वेस्टिंग, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा जगरनाथ मंदिर, स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान भारत- डिजीटल मिशन, मत्स्य विभाग द्वारा केज फिशिंग, गव्य एवं पशुपालन विभाग द्वारा पेट क्लिनिक - मुख्यमंत्री पशुधन योजना, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा ग्रे वाटर मैनेजमेंट, कृषि-नाबार्ड - अग्रणी बैंक द्वारा कृषक पाठशाला/एफपीओ, जेएसएलपीएस द्वारा आर्थिक गतिविधि /लखपति दीदी, जिला समाज कल्याण विभाग द्वारा मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र, सामाजिक सुरक्षा विभाग द्वारा मंईयां सम्मान योजना और परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा से संबंधित थीम की जानकारी ली।उप विकास आयुक्त ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि वे झांकियों की तैयारी समय पर पूरी करें और झांकी के लिए वाहन प्राप्त करने के लिए परिवहन विभाग से संपर्क करें। उन्होंने कुछ विभागों को उनके थीम में सुधार के लिए सुझाव भी दिए।

डीपीएस चास में धन्वंतरि क्रीडा उद्यान का उद्घाटन

संवाददाता

बोकारो। डीपीएस चास में विद्यार्थियों के शारीरिक फिटनेस को ध्यान में रखते हुए धन्वंतरि क्रीडा उद्यान का निर्माण किया गया है, जिसका उद्घाटन मंगलवार को बोकारो के जिला शिक्षा अधीक्षक अतुल कुमार चौबे ने किया। इस क्रीडा उद्यान में शारीरिक फिटनेस बनाए रखने हेतु विभिन्न प्रकार की आधुनिक व्यवस्था की गई है। यह विद्यालय द्वारा इन-हाउस संसाधनों में एक महत्वपूर्ण विकास है, जो डीपीएस चास की गुणवत्ता के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए डीएसई श्री चौबे ने कहा कि व्यायाम विद्यार्थियों के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नियमित रूप से व्यायाम करने वाले विद्यार्थी शारीरिक और मानसिक रूप से तंदुरुस्त रहते हैं। उन्होंने डीपीएस चास परिवार को इस प्रकार की व्यवस्था के लिए धन्यवाद दिया। इस अवसर पर विद्यालय की निदेशिका डॉ. मनीषा तिवारी ने कहा कि शारीरिक फिटनेस आज की विशेष जरूरत है। विद्यालय विद्यार्थियों के विकास के लिए हर क्षेत्र में आधुनिक संसाधनों की व्यवस्था करने हेतु कटिबद्ध है।

बोकारो इलेक्ट्रो होम्योपैथिक प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन ने पिकनिक समारोह का किया आयोजन

संवाददाता

बोकारो। बोकारो के सिटी पार्क में बोकारो इलेक्ट्रो होम्योपैथिक प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन के द्वारा एक भव्य पिकनिक समारोह का आयोजन किया गया। यह संगठन झारखंड इलेक्ट्रो होम्योपैथिक प्रैक्टिशनर एसोसिएशन की एक इकाई है। इस आयोजन में इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े 200 से अधिक चिकित्सकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में इएढअ के सचिव डॉ. एस.पी. महथा, अध्यक्ष डॉ. ए.के. पांडे, कोषाध्यक्ष डॉ. निवारण महतो, डॉ. आर.एन. प्रसाद, डॉ. बिश्वनाथ प्रसाद, डॉ. विजय कुमार, डॉ. देव मुनि सिंह, डॉ. के. प्रसाद, डॉ. जे. मंडल, डॉ. पंकज श्रीवास्तव, डॉ. जे.एन. महतो, डॉ. पंकज साहू, डॉ. अजय कुमार, डॉ. एस.आर. महतो, डॉ. आर.के. प्रसाद, डॉ. जे. देवी, और डॉ. रीना देवी सहित अन्य प्रमुख चिकित्सक उपस्थित रहे। इसके अलावा, कार्यक्रम में स्वाति, टन्नू, शम्सुल, डॉ. अनंत कुमार, और तरुण ने भी भाग लिया।इस समारोह में प्रतिभाशाली छात्रों और वरिष्ठ चिकित्सकों को उनके विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि टाटा से आए विशिष्ट अतिथि चिकित्सकों ने भी अपनी उपस्थिति से आयोजन की गरिमा बढ़ाई।

इनमें डॉ० राज कुमार प्रसाद, डॉ. रवि कुमार सिंह, डॉ. ए. झा, डॉ. मनोज सिंह, और डॉ. मनोज कुमार लाल शामिल थे। कार्यक्रम में डॉ. नंदलाल साव, डॉ. पूनम देवी, और डॉ० सिंगो बेशरा जैसी अन्य गणमान्य हस्तियां भी मौजूद रहीं। आयोजन का मुख्य उद्देश्य इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति को जन-जन तक पहुंचाना और इसे एक प्रभावी चिकित्सा विकल्प के रूप में स्थापित करना था।इस अवसर पर सभी चिकित्सकों ने संकल्प लिया कि वे बोकारो को रोगमुक्त करने के साथ-साथ इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा को अधिक लोकप्रिय बनाएंगे। इस आयोजन के माध्यम से न केवल चिकित्सकों के बीच आपसी संवाद और सहयोग को बढ़ावा मिला, बल्कि नई चिकित्सा पद्धतियों और शोध पर भी चर्चा की गई।यह आयोजन न केवल चिकित्सकीय दृष्टिकोण से सफल रहा, बल्कि सामाजिक समरसता और प्रेरणा का स्रोत भी बना। कार्यक्रम के समापन पर सभी ने भविष्य में इस प्रकार के आयोजनों को नियमित रूप से आयोजित करने का संकल्प लिया।

एक भारत और श्रेष्ठ भारत की भावना का पोषक बनेंगे झारखंड के लोक कलाकार

एसएनए छऊ केंद्र चंदनकियारी के सौजन्य से झारखंड के लोक कलाकार दिल्ली में गणतंत्र दिवस पर देंगे सांस्कृतिक प्रस्तुति

गणतंत्र दिवस पर झारखंड के लोक कलाकार कर्तव्य पथ पर लोक का रंग बिखरेंगे

वरीय संवाददाता

बोकारो। संगीत नाटक अकादमी छऊ केंद्र, चंदनकियारी के द्वारा छऊ नृत्य के 150 कलाकार, पाइका नृत्य के 140 कलाकार, मोहरी के 15 कलाकार, संथाली के 17 कलाकार गणतंत्र दिवस पर अपनी साधना से देश का मन मोहेंगे जो यह पहली बार है। जिसमें उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, चंदनक्यारी के लोक कलाकारों को छऊ केंद्र, चंदनक्यारी के द्वारा भेजा गया है। शहनाई के 15 वादक पहली बार कर्तव्य पथ पर अपना प्रदर्शन करेंगे। सभी कलाकार पिछले 1 महीने से दिल्ली में रहकर अभ्यास कर रहे हैं। इस बात की जानकारी केंद्र के संयोजक डॉक्टर संजय ने दी। उक्त कार्यक्रम में चंदनक्यारी के 20 छऊ कलाकार एवं संथाली दल के 17 कलाकार अपना जलवा दिखाएंगे। इसमें शामिल सभी महिला व पुरुष कलाकार अभी दिल्ली में ही नृत्य के अभ्यास में व्यस्त हैं। इसमें शामिल संथाल लाघला के विलम मरांडी आदिवासी डांस ग्रुप का नेतृत्व कर रहीं संताल लाघला की बबीता हेंब्रम के अलावा बड़ी बहन कविता हेंब्रम, सोनाली सोरेन, शकुंतला, सुखी कुमारी व फूल कुमारी नृत्य की प्रस्तुति देंगी। परीक्षित महतो छऊ दल, खेराबेरा का नेतृत्व छऊ नृत्य में संगीत नाटक अकादमी के पुरस्कार से सम्मानित परीक्षित महतो के पुत्र राकेश महतो छऊ नृत्य मंडली का नेतृत्व कर रहे हैं। इसमें खेड़ाबेरा के अमित महतो, साधु चरण महतो, राजेश महतो, विकास महतो व सुमंत महतो छऊ नृत्य की झलकियां बिखेरेंगे। दूसरी ओर मां कल्यानेश्वरी ग्रुप, लंका का नेतृत्व राजेश कालिंदी करेंगे। उनके दल में विजय महतो, लक्ष्मी सेन महतो, रवि कालिंदी, मलय महतो, दिनेश कालिंदी, शिवप्रसाद महतो, अर्जुन महतो, सोनाराम बाउरी व युधिष्ठिर मोदी द्वारा गणतंत्र दिवस पर दिल्ली में आयोजित समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम की हिस्सेदारी कर चंदनक्यारी का नाम ऊंचा करेंगे। बबीता हेंब्रम, राजेश कालिंदी और राकेश महतो ने कहा कि उनके जीवन का ऐतिहासिक पल होगा जब उनके कलात्मक प्रतिभा को देश का सर्वोच्च मंच मिलेगा।

सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया

संवाददाता

बोकारो। मेरा युवा भारत-नेहरू युवा केन्द्र बोकारो, युवा मामले एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत, विभिन्न स्थानों नया मोड़, पत्थरकट्टा चौक, गरगा पुल और 12 मोड़ पर स्वयंसेवकों द्वारा ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर आम जनता को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं को कम करना और लोगों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करना है। स्वयंसेवकों ने ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर प्रमुख चौराहों, स्कूलों और बाजारों में लोगों को सड़क सुरक्षा के महत्व और सुरक्षित ड्राइविंग की आदतों के बारे में जानकारी दी। हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट का उपयोग करने, गति सीमा का पालन करने और नशे की हालत में वाहन न चलाने जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को प्रमुखता से उजागर किया गया। इसके अतिरिक्त, सड़क सुरक्षा संबंधित पुस्तिकाओं का वितरण भी किया गया, ताकि लोग घर में भी इन नियमों को जान सकें और उनका पालन कर सकें।

जिला युवा अधिकारी गौरव कुमार ने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि हर नागरिक सड़क सुरक्षा के महत्व को समझे और सड़क दुर्घटनाओं को घटाने के लिए अपनी जिम्मेदारी समझे।

बोकारो में साहित्यलोक की मासिक रचना गोष्ठी का आयोजन

संवाददाता

बोकारो। बोकारो की प्रमुख साहित्यिक संस्था साहित्यलोक की मासिक रचनागोष्ठी का आयोजन कवि और गायक अरुण पाठक के सेक्टर 6डी स्थित आवास पर हुआ। इस आयोजन की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार रणधीर चन्द्र गोस्वामी ने की, जबकि साहित्यलोक के संयोजक अमन कुमार झा ने इसका कुशल संचालन किया।रचनागोष्ठी में साहित्यकारों ने अपनी-अपनी रचनाओं के माध्यम से लोकजीवन, परंपरा, प्रेम, पर्व-त्योहार, और मानवीय संवेदनाओं की गहरी अभिव्यक्ति की। आयोजन का आरंभ जयंती पाठक द्वारा महाकवि विद्यापति की प्रसिद्ध भगवती वंदना 'जय जय भैरवि..' से हुआ, जिसने उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद अमन कुमार झा ने अपनी मैथिली कहानी 'गुरु दक्षिणा' प्रस्तुत की, जिसमें विवाह के पारंपरिक रीति-रिवाजों और बदलते सामाजिक परिवेश में उनमें आए बदलावों पर बहुत ही रोचक और प्रभावी शैली में प्रकाश डाला। इस काव्य-गोष्ठी में मैथिली लघुकथा 'बिसरि जाइत छी' से राजेन्द्र कुमार ने जीवन में भूल जाने की आवश्यकता और उसके प्रभाव को मार्मिक ढंग से प्रस्तुत किया।

शैलजा झा ने अपनी हिंदी कविता 'स्त्री धन' और मैथिली कविता 'ससम्मान एकटा प्रणाम' के माध्यम से स्त्री की सामाजिक स्थिति और सम्मान की बात की। डॉ. रणजीत कुमार झा ने 'जींस वाली कनिया' कविता में आधुनिकता और पारंपरिकता के बीच की जद्दोजहद को दशार्या।नीलम झा ने हिंदी में 'रात के गहरे अंधेरे में जुगनू जगता रहा चुपचाप' और मैथिली में 'कोना क पूछब अथक प्रश्न' प्रस्तुत की, जो समाज के भीतर फैले सवालों और उनके समाधान के प्रति चिंता को दशार्ती हैं। वरिष्ठ साहित्यकार विजय शंकर मल्लिक सुधापति ने 'नव वर्ष पर बितलै चौबीस एलै पच्चीस' कविता के माध्यम से नए साल की शुरूआत और उम्मीदों के विषय में काव्यात्मक रूप से विचार व्यक्त किए। अरुण पाठक ने मैथिली गीत प्रस्तुत किया, जिसमें लोकजीवन और परंपराओं के रंगों को छुआ।वरिष्ठ साहित्यकार बुद्धिनाथ झा ने अपनी रचनाओं के माध्यम से भारतीय नववर्ष की महत्ता को दशार्या और अंग्रेजी नववर्ष की तुलना में भारतीय संस्कृति की विशेषता पर जोर दिया। उन्होंने कुंभ पर भी एक बहुत ही मार्मिक कविता प्रस्तुत की, जिसने श्रोताओं को गहरे भावनात्मक रूप से प्रभावित किया। अध्यक्षीय काव्य पाठ करते हुए रणधीर चन्द्र गोस्वामी ने अपनी हिंदी कविताएं 'चलते ही रहेंगे हम' और 'पापा' सुनाई, जो जीवन के संघर्ष और पिता के प्रति श्रद्धा को व्यक्त करती हैं।साहित्यलोक के संस्थापक सदस्य और मैथिली महाकाव्य 'ऊं महाभारत' के रचनाकार बुद्धिनाथ झा ने इस अवसर पर साहित्यलोक की स्थापना में तूलानंद मिश्र, गिरिजा नंद झा अर्धनारीश्वर, विजय शंकर मल्लिक सहित सक्रिय सदस्यों उदय कुमार झा, भुटकुन झा, कुमार मनीष अरविन्द, डॉ संतोष कुमार झा, अरुण कुमार पाठक, अमन कुमार झा और स्व. महाकवि दया कांत झा और स्व. विनय कुमार मिश्र के योगदान की सराहना की।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुकरणीय अनुपालन को ले डीपीएस बोकारो को मिला सेवेन स्टार रैंकिंग अवार्ड

संवाददाता

बोकारो। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुपालन की दिशा में किए जा रहे अनुकरणीय प्रयासों के लिए दिल्ली पब्लिक स्कूल बोकारो को सेवेन स्टार रैंकिंग अवार्ड से नवाजा गया है। नई दिल्ली में सीईडी (सेंटर फॉर एजुकेशनल डेवलपमेंट) इंडिया इनिशिएटिव की ओर से स्कूल लीडर कांफ्रेंस के तहत स्टार रैंकिंग अवार्ड समारोह के दौरान विद्यालय को यह गरिमामयी उपलब्धि मिली। विद्यालय की ओर से उपप्राचार्य अंजनी भूषण ने कुमारमंगलम विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. डॉ. दिनेश सिंह, एनसीईआरटी (राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान परिषद) के संयुक्त निदेशक डॉ. श्रीधर श्रीवास्तव एवं सीबीएसई के उप सचिव (कौशल शिक्षा) सतीश पहल सहित अन्य शीर्ष शिक्षाविदों की उपस्थिति में यह सम्मान ग्रहण किया। देशभर से 1000 से अधिक प्रविष्टियों में 140 उक्त अवार्ड के लिए चुने गए। इनमें एनईपी कैटेगरी में डीपीएस बोकारो सेवन स्टार रैंकिंग पानेवाला झारखंड का एकमात्र स्कूल रहा।नई दिल्ली से पुरस्कार प्राप्त कर लौटने के उपरांत मंगलवार को विद्यालय में आयोजित विशेष एसेंबली के दौरान उप प्राचार्य अंजनी भूषण ने उपप्राचार्या मनीषा शर्मा एवं शालिनी शर्मा के साथ प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार को यह अवार्ड सुपुर्द किया। इस दौरान पूरा वातावरण तालियों की गड़गड़ाहट से गुंजरित हो उठा। प्राचार्य डॉ. गंगवार ने विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों एवं शिक्षकों सहित विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों को यह पुरस्कार समर्पित करते हुए बधाई दी। उन्होंने कहा कि ऐसी उपलब्धियां हमें और कड़ी मेहनत के साथ काम करने की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने आशा जताई कि सभी के सहयोग से विद्यालय आगे और भी ऐसे नए आयाम व कीर्तिमान स्थापित करता रहेगा।प्राचार्य डॉ. गंगवार ने बताया कि डीपीएस बोकारो नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप अधिक से अधिक बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और विकास-उन्मुख शिक्षा प्रदान करने तथा उनके समग्र उत्थान के प्रति पूरी तरह से कटिबद्ध है। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए हमने अपनी बुनियादी अवसंरचना को सुदृढ़ किया है और इस शैक्षणिक सत्र से ह्यूमैनिटीज (मानविकी) संकाय की शुरूआत की है। साथ ही, छात्रों को विविध नवीन संसाधनों के माध्यम से अनुभवात्मक शिक्षा के अवसर प्रदान किए जाते हैं।

डीवीसी आवास से जलापूर्ति पाइप की चोरी, होमगार्ड के जवानों ने एक को पकड़ा

संवाददाता

बोकारो। बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी की आवासीय कॉलोनी के आवासों में जलापूर्ति करने वाली पाइपों की चोरी से आवास में रहने वाले कर्मचारी काफी परेशानी का सामना करने को विवश हैं। सोमवार की रात्रि मुगी फार्म कॉलोनी स्थित एचएमटी 13 नंबर बिल्डिंग में लगी वाटर सप्लाई की पाईप को चोरों ने खोलकर चोरी कर ली, जिसके कारण मंगलवार को पानी सप्लाई बाधित हो जाने से पूरे बिल्डिंग के कर्मचारी परेशानी उठाने को विवश रहे। इसके पूर्व भी एचएमटी कॉलोनी के तीन एवं चार नंबर बिल्डिंग, बैंक ऑफ इंडिया के मैनेजर के आवास में लगी वाटर सप्लाई वाली पाइप की चोरी कर ली गई है। डीवीसी होमगार्ड के जवानों चंदन ठाकुर सहित अन्य ने मंगलवार की दोपहर लगभग एक बजे स्टेशन रोड स्थित एसडीटी एक नंबर में लगी वाटर सप्लाई वाली पाइप को खोलकर चोरी करते हुए अंबेडकर नगर निवासी दीपक कुमार को पाइप के साथ धर दबोचा। जबकि, एक अन्य चोर सन्नी भागने में कामयाब हो गया। जवानों ने पकड़े गए चोर दीपक कुमार को बरामद पाइप के साथ स्थानीय थाना के सुपुर्द कर दिया।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, बुधवार 22 जनवरी 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

गिरिडीह। सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत झारखंड सरकार के परिवहन विभाग ने सुभाष शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, गिरिडीह में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित कर की गई और यातायात नियम अपनाएं, सुरक्षित झारखंड बनाएं का सशक्त नारा दिया गया।इस अवसर पर परिवहन विभाग के विभिन्न अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें गौरी शंकर रवि एमभीआइ, मोहम्मद इरफान अहमद एमभीआइ, दुगन टोप्पो ट्रैफिक इंस्पेक्टर और साकेत भारती शामिल थे। इन अधिकारियों ने सड़क सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला और प्रशिक्षणार्थियों को यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित किया। साथ ही, पर्ची के माध्यम से लोगों को सड़क सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी वितरित की गई। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० अनुज कुमार, राष्ट्रीय सेवा योजना के पदाधिकारी संजीव कुमार सिंह और अन्य शिक्षकों व प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लिया। उन्होंने सड़क सुरक्षा से संबंधित नियमों और उपायों पर विस्तार से चर्चा की और छात्रों को इस दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित लोगों ने एकजुट होकर सड़क सुरक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया।

पालमो पंचायत में जन सुविधा केन्द्र का उद्घाटन, स्थानीय लोगों को मिलेगी सरकारी योजनाओं की जानकारी

गिरिडीह। सामाजिक परिवर्तन संस्थान द्वारा पालमो पंचायत के बंदरकुप्पी चौक पर एक जन सुविधा केन्द्र का उद्घाटन किया गया। इस केन्द्र के माध्यम से स्थानीय लोगों को सरकारी योजनाओं से संबंधित जानकारी और सरकारी फॉर्मों को भरने की सुविधा मिलेगी, जिससे वे आसानी से योजनाओं का लाभ उठा सकेंगे। इस केन्द्र की स्थापना से वंचित और गरीब परिवारों को खासतौर पर लाभ होगा, जिन्हें सरकारी योजनाओं की जानकारी नहीं मिल पाती थी और जो गिरिडीह जाने में असमर्थ रहते थे। संस्थान के सचिव उमेश तिवारी ने बताया कि यह जन सुविधा केन्द्र गिरिडीह प्रखंड के पांच पंचायतों पालमो, बेरदोंगा, बजटो, सिंदवारिया और अलगुंदा में पंचायत और ग्राम सभा को सशक्त बनाने के उद्देश्य से खोला गया है। इस केन्द्र से स्थानीय लोग न केवल ऑफलाइन और ऑनलाइन फॉर्म भरने की सुविधा प्राप्त करेंगे, बल्कि सरकारी योजनाओं की जानकारी भी प्राप्त कर सकेंगे। इस पहल से लोगों का समय और पैसे की बचत होगी, साथ ही उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सकेगा।जन सुविधा केन्द्र के उद्घाटन समारोह में पलमो पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि सुरेंद्र यादव, पंचायत समिति सदस्य अनिल साव, वार्ड सदस्य बाली मंडल, और कई अन्य लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर ग्राम विकास समिति के अध्यक्ष, सचिव और अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल की सराहना की और इसे पंचायत के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। इस कार्यक्रम के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन संस्थान ने यह सुनिश्चित किया कि सरकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे, खासकर उन लोगों तक जो अभी तक इन योजनाओं से वंचित थे।

प्रवासी श्रमिकों के सर्वेक्षण एवं पुनर्वास योजना पर कार्यशाला आयोजित

विष्णुगढ़। विष्णुगढ़ प्रखंड सभागार में मंगलवार को अंतर्राज्यीय प्रवासी श्रमिकों के सर्वेक्षण और पुनर्वास योजना पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बगोदर विधायक नागेन्द्र महतो ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। विधायक ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि विष्णुगढ़ और बगोदर प्रखंड से सबसे अधिक श्रमिक अन्य राज्य और विदेशों में रोजगार के लिए पलायन करते हैं। उन्होंने प्रवासी श्रमिकों से अपील की कि वे श्रमधान पोर्टल पर अपना निबंधन कराएं ताकि उन्हें बीमा का लाभ मिल सके और किसी दुर्घटना की स्थिति में सरकार से आर्थिक सहायता प्राप्त कर सकें।विधायक ने बताया कि अगर किसी अंतर्राज्यीय प्रवासी श्रमिक की कार्य के दौरान मौत हो जाती है तो उसके परिवार को पांच लाख रुपये की सहायता मिलती है, वहीं अन्य राज्य में दुर्घटना होने पर दो लाख रुपये का लाभ मिलता है। उन्होंने यह भी कहा कि श्रमिकों के लिए सरकार कई योजनाएं चला रही है, जैसे श्रम औजार सहायता योजना, सेफ्टी किट योजना, मातृत्व प्रसूति योजना, छात्रवृत्ति योजना और अन्य योजनाएं। इस कार्यशाला में श्रम विभाग के अधिकारी अनिल रंजन ने भी श्रमिकों को योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके अलावा, निबंधित श्रमिकों के बीच पैंट-शर्ट का वितरण भी किया गया। इस कार्यक्रम में कोडरमा सांसद प्रतिनिधि भुवनेश्वर पटेल, हजारीबाग सांसद प्रतिनिधि सुखदेव रजवार, विधायक प्रतिनिधि अजय मंडल,श्रमिक मित्र राजेश्वर महतो, दीपक कुमार, सूरज कुमार समेत कई श्रमिक मौजूद थे।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

गिरिडीह। गिरिडीह जिले के महेशलुंडी पंचायत सचिवालय भवन में नेहरू युवा केंद्र गिरिडीह और रुद्रा फाउंडेशन गिरिडीह के संयुक्त प्रयास से राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मुख्य रूप से युवाओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए आयोजित किया गया, ताकि सड़क दुर्घटनाओं को कम किया जा सके और लोगों के जीवन को सुरक्षित रखा जा सके। कार्यक्रम की शुरूआत रुद्रा फाउंडेशन के सचिव सैयद सबीह अशरफ ने की और उन्होंने मुख्य अतिथि यातायात निरीक्षक गिरिडीह दुगन टोपनो और शिवनाथ साव मुखिया महेशलुंडी को सम्मानित करते हुए उन्हें बुके भेंट किए। मुख्य अतिथि ट्रैफिक इंस्पेक्टर दुगन टोपनो ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों का पालन करना आज के समय में बेहद जरूरी हो गया है। उन्होंने उपस्थित युवाओं को सड़क सुरक्षा के महत्व को समझाते हुए कहा कि यातायात पुलिस आपकी मदद के लिए हमेशा तत्पर रहती है, लेकिन बिना जनसहयोग के दुर्घटनाओं को रोकना संभव नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि सुनसान सड़कों पर गाड़ी चलाते समय हमें अपनी सूझबूझ से काम लेना चाहिए और कभी भी बिना हेलमेट या सीट बेल्ट के वाहन न चलाएं। ट्रैफिक निरीक्षक टोपनो ने युवाओं से अपील की कि वे खुद जागरूक बनें और दूसरों को भी ट्रैफिक नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि आजकल गिरिडीह शहर में अक्सर जाम की समस्या उत्पन्न होती है, और इसका मुख्य कारण यह है कि लोग एक मिनट भी इंतजार नहीं करना चाहते। इस प्रकार की मानसिकता से सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। मुखिया शिवनाथ साव ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए रुद्रा फाउंडेशन और नेहरू युवा केंद्र का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम मेरे पंचायत के लिए गर्व की बात है और मैं उम्मीद करता हूं कि युवा इस जागरूकता अभियान के माध्यम से पूरे गिरिडीह शहर में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने में अपनी भूमिका निभाएंगे। रुद्रा फाउंडेशन के सचिव सैयद सबीह अशरफ ने ट्रैफिक नियमों और सड़क सुरक्षा के विषय पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने सभी युवाओं से अपील की कि वे इस जागरूकता अभियान में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें, ताकि गिरिडीह को दुर्घटनामुक्त जिला बनाया जा सके। कार्यक्रम में महेशलुंडी उपमुखिया रमेश कंधवे, रुद्रा फाउंडेशन के संतोष कुमार, रवि कुमार, युवा प्रतिनिधि सागर कुमार, रिजवाज अंसारी, प्रेम कुमार गुप्ता, बासुदेव दास सहित सैकड़ों युवा उपस्थित थे।कार्यक्रम का संचालन रुद्रा फाउंडेशन के समन्वयक संतोष कुमार पांडेय ने किया, और धन्यवाद ज्ञापन रवि कुमार ने किया।

आंगनबाड़ी केंद्र में जीव दया फाउंडेशन ने किया विशेष कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

गिरिडीह। सदर प्रखंड के पालमो पंचायत, ग्राम बंदरकुप्पी स्थित पडुडीह के आंगनबाड़ी केंद्र में सामाजिक परिवर्तन संस्थान द्वारा जीव दया फाउंडेशन के सहयोग से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम खासतौर पर बच्चों के पोषण और शिक्षा को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के तहत आंगनबाड़ी के बच्चों को प्रतिदिन दूध और बिस्किट वितरित किए जा रहे हैं ताकि उनका शारीरिक और मानसिक विकास सही तरीके से हो सके। आज के कार्यक्रम में बच्चों को पढ़ने की सामग्री जैसे बैग, कॉपी, किताबें, पैंट, शर्ट, ट्रैकसूट, जूते, और मौजे भी दिए गए। यह पहल ग्रामीण बच्चों के शिक्षा और विकास के लिए एक सकारात्मक कदम है। इस कार्यक्रम में सामाजिक परिवर्तन संस्थान के सचिव उमेश तिवारी, प्रेमलता देवी, पालमो के मुखिया प्रतिनिधि सुरेंद्र यादव, अनिल साव, संस्था के अन्य सदस्य मनोहर यादव, आनंद त्रिपाठी, जितेंद्र महतो, हेमंत कुमारी, रूपुमुनी हेम्ब्रोम और आंगनबाड़ी के सेविका और सहायिका उपस्थित रहे। साथ ही, ग्रामीण बच्चों के माता-पिता ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों और उनके अभिभावकों में खुशी का माहौल था। समाज सेवा की इस पहल से ग्रामीण बच्चों को एक नया जीवनदान मिला है और उनके उज्जवल भविष्य के प्रति आशा जागृत हुई है।

प्रयास इंडिया की सक्रिय भागीदारी और बच्चों की रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन

संवाददाता

सिंदरी। आईआईटी आईएसएम धनबाद के छात्र-प्रबंधित सामाजिक संगठन कर्तव्य द्वारा आयोजित वार्षिक कार्यक्रम प्रकाश 25 में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ। इस आयोजन में बीआईटी सिंदरी के छात्रों द्वारा संचालित सामाजिक संगठन प्रयास इंडिया के 10 छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रयास इंडिया वंचित बच्चों को शिक्षा और पाठ्येतर गतिविधियों के माध्यम से सशक्त बनाने का कार्य कर रहा है, और इस आयोजन के माध्यम से बच्चों को अपनी प्रतिभा और कौशल दिखाने का एक अद्वितीय अवसर मिला।

कार्यक्रम में कई ज्ञानवर्धक और मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की गईं, जिनमें साइंस एग्जीबिशन, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता, और पोस्टर प्रस्तुति शामिल थीं। पोस्टर प्रस्तुति का विषय था 'सोशल मीडिया के साथ जीवन बनाम सोशल मीडिया के बिना जीवन', जिस पर बच्चों ने अत्यंत रचनात्मकता और विचारशीलता के साथ अपने विचार प्रस्तुत किए।

इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों को समाजिक और शैक्षिक दृष्टि से जागरूक करना और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाना था।प्रयास इंडिया के बच्चों ने इन सभी गतिविधियों में पूरी ऊर्जा के साथ भाग लिया और अपनी कौशल क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन कर्तव्य संगठन के स्वयंसेवकों द्वारा किया गया, जिन्होंने बच्चों को हर कदम पर मार्गदर्शन प्रदान किया और यह सुनिश्चित किया कि प्रत्येक गतिविधि प्रभावी, सुव्यवस्थित और उत्साहजनक रूप से सम्पन्न हो। इस प्रकार के आयोजनों से बच्चों को अपनी क्षमताओं को प्रदर्शित करने का एक बेहतरीन मंच मिलता है, और उन्हें नई चीजें सीखने का भी अवसर प्राप्त होता है।

किसान जनता पार्टी का धरना प्रदर्शन

गिरिडीह अंचल अधिकारी द्वारा घूस मांगे जाने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

संवाददाता

गिरिडीह। झारखंड उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद गिरिडीह सदर अंचल के कर्मचारी 1000 रुपये प्रति पन्ना की दर से रिश्वत लिए बिना रजिस्टर टू का सत्यापित प्रति नहीं दे रहे हैं। इस मुद्दे के खिलाफ मंगलवार को किसान जनता पार्टी (किजपा) ने गिरिडीह अंचल कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किया। धरने का नेतृत्व किजपा के सदर अंचल अध्यक्ष मुकेश राय ने किया। धरना को संबोधित करते हुए किजपा के संरक्षक सुकुल नारायण देव ने कहा कि उच्च न्यायालय के आदेश के बाद बगोदर और जमुआ अंचल में सत्यापित प्रति प्राप्त हो गए, लेकिन गिरिडीह अंचल अधिकारी रिश्वत लेने पर अड़े हुए हैं। किजपा के कार्यकारी अध्यक्ष जोगेश्वर ठाकुर ने कहा कि किसानों का सब्र टूट चुका है। किजपा के सचिव विजय कुमार ने आरोप लगाया कि अंचल अधिकारी मोहम्मद असलम रैयत से आधार कार्ड मांगते हैं, जबकि उच्च न्यायालय ने स्पष्ट आदेश दिया है कि सभी मौजा के रजिस्टर टू का सत्यापित प्रति किसानों को दिया जाए। किजपा के जिला महासचिव भागीरथ राय ने कहा कि अंचल अधिकारी को यह समझना चाहिए कि मृत रैयत का रिकार्ड उपलब्ध नहीं कराया जा सकता। धरना के बाद किसान जनता पार्टी ने उपायुक्त, प्रखंड विकास पदाधिकारी और अपर समाहर्ता को ज्ञापन सौंपा। धरने में किजपा के कई सदस्य शामिल हुए, जिनमें दासो मुर्मू, मुंशी मुर्मू, छात्रधारी सिंह, धनेश्वर मरांडी, नबी अंसारी, सदीक अंसारी, रघु मुर्मू, जहांगीर अंसारी और सैकड़ों किजपा सदस्य शामिल थे।

चापाकलों की मरम्मत: उप प्रमुख के निर्देश पर दर्जनों गांवों में सुधार कार्य संपन्न

संवाददाता

बलियापुर। प्रखंड उप प्रमुख आशा देवी के निर्देश पर, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कर्मचारियों ने बलियापुर क्षेत्र के विभिन्न गांवों में खराब पड़े चापाकलों की मरम्मत का कार्य किया और उन्हें फिर से चालू किया।

यह कार्य उन गांवों में किया गया, जहां लंबे समय से चापाकल खराब थे, और ग्रामीणों को पेयजल की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा था। इनमें मोहनपुर, शिवपुर, सीमपाथर, बांधटांड़, बलियापुर नीचे टोला, डांगापाड़ा, मस्जिद टोला, दोलाबड़ आदि गांव शामिल हैं, जहां महिलाओं और बच्चों को पानी की आपूर्ति के लिए विशेष कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। इस स्थिति को देखते हुए उप प्रमुख ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के जेई से तुरंत कार्रवाई करने का निर्देश दिया, और अब सभी खराब पड़े चापाकल को मरम्मत कर चालू कर दिया गया है। इस प्रयास से ग्रामीणों की पीने के पानी की समस्या में सुधार हुआ है, और उन्होंने इस पहल के लिए प्रशासन का धन्यवाद व्यक्त किया है।यह कदम उप प्रमुख के नेतृत्व में क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास साबित हुआ है, जिससे गांवों में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित हो सकी है।

समाज के अंतिम व्यक्ति तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना आवश्यक : नागेन्द्र महतो

संवाददाता

विष्णुगढ़। विष्णुगढ़ प्रखंड सभागार में मंगलवार को प्रखंडस्तरीय परिसंपति वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बगोदर विधायक नागेन्द्र महतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत दीप जलाकर की गई। विधायक ने अपने संबोधन में कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि कोई भी योग्य लाभार्थी सरकारी योजनाओं से वंचित नहीं रहना चाहिए और यदि किसी को योजना से जुड़ी कोई परेशानी आ रही है तो इसे स्वीकार नहीं किया जाएगा।विधायक ने कहा कि सरकार की योजनाओं का उद्देश्य गरीबों के जीवन स्तर को सुधारना है, लेकिन इसके साथ-साथ लोगों को अपनी जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं को अपनी शिक्षा पर ध्यान देने की अपील की ताकि वे भविष्य में सशक्त बन सकें और समाज में अपना योगदान दे सकें। विधायक ने यह भी कहा कि झारखंड राज्य अलग होने के बाद यहां के लोग अब उच्च सरकारी पदों पर काम कर रहे हैं, और इससे झारखंड का नाम रोशन हो रहा है। हालांकि, उन्होंने यह भी बताया कि राज्य में अभी भी बड़ी संख्या में लोग गरीबी में जीवन बसर कर रहे हैं, जिसके लिए सरकार आवश्यक कदम उठा रही है।समारोह में विभिन्न योजनाओं के तहत लाभार्थियों को पेंशन स्वीकृति प्रमाण पत्र, कंबल, मनरेगा के तहत कूप निर्माण स्वीकृति पत्र, कृषि विभाग द्वारा केसीसी एवं पीएम आवास की स्वीकृति पत्र, शिक्षा विभाग द्वारा साइकिल, आपूर्ति विभाग द्वारा धोती-साड़ी एवं लुंगी, बाल विकास विभाग से ट्राइसाइकिल वितरित की गई।

चौपारण में वन विभाग की बड़ी कार्रवाई: अवैध शराब भट्टियां ध्वस्त

चौपारण। वन विभाग की पश्चिमी वन प्रमंडल टीम ने भगहर पंचायत के भंडार, लोहरा और भगहर के जंगलों में अवैध शराब भट्टियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। सहायक वन संरक्षक ए. के. परमार और उनकी टीम ने अवैध शराब भट्टियों को नष्ट किया। इस कार्रवाई में जेसीबी से शराब भट्टियों को ध्वस्त किया गया, पक्के निमार्णों को तोड़ा और शराब बनाने के लिए रखे गए हजारों लीटर जावा महुआ को बहा दिया गया। इसके साथ ही शराब बनाने में प्रयुक्त सामग्रियों को भी जप्त किया गया। इस अभियान में सहायक वन संरक्षक ए. के. परमार, वन क्षेत्र पदाधिकारी कमलेश कुमार सिंह, प्रभारी वनपाल पंकज कुमार, अजय कुमार यादव, संटू कुमार और अन्य वनकर्मियों ने अहम भूमिका निभाई। विभाग ने अवैध शराब भट्टी निर्माण में संलिप्त लोगों के खिलाफ वन विभाग द्वारा वनवाद दायर करने की प्रक्रिया शुरू की है।

सिंदरी थाना और व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर बैठक आयोजित

संवाददाता

सिंदरी। सिंदरी थाना परिसर में थाना अध्यक्ष संजय कुमार की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें स्थानीय दुकानदारों और चेंबर ऑफ कॉमर्स के सदस्य शामिल हुए। बैठक का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना और दुकानदारों की समस्याओं का समाधान करना था। थाना अध्यक्ष संजय कुमार ने दुकानदारों से आग्रह किया कि वे अपनी दुकानों के बाहर सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से लगवाएं। उनका कहना था कि इससे न केवल अपराधों की रोकथाम में मदद मिलेगी, बल्कि किसी भी घटना के मामले में अपराधियों की पहचान करने में भी आसानी होगी। इसके अलावा, थाना प्रशासन ने ज्वेलरी शॉप्स पर एक कर कोड लगाने की पहल की है, ताकि रात के समय गश्ती दल को उनकी सुरक्षा की निगरानी करना आसान हो सके। इस पहल को चेंबर ऑफ कॉमर्स ने सराहा है।थाना अध्यक्ष ने बैठक में मौजूद व्यापारियों को कई अहम सुरक्षा उपायों के बारे में बताया। उन्होंने विशेष रूप से रात के समय दुकानों के बाहर उचित रोशनी व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि असामाजिक तत्वों पर नजर रखी जा सके। उन्होंने व्यापारियों से सतर्क रहने की अपील की और कहा कि अगर कोई संदिग्ध गतिविधि नजर आए, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।बैठक के दौरान व्यापारियों ने भी अपनी समस्याओं को थाना अध्यक्ष के समक्ष रखा। उनका कहना था कि कई इलाकों में अपर्याप्त स्ट्रीट लाइटिंग और सुरक्षा गार्ड की कमी के कारण असामाजिक तत्वों का जमावड़ा बढ़ रहा है, जो उनके व्यापार संचालन में परेशानियां पैदा कर रहा है।

थाना अध्यक्ष ने इन समस्याओं को गंभीरता से सुना और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस बैठक में चेंबर ऑफ कॉमर्स के कई प्रमुख सदस्य मौजूद थे, जिनमें दीपक कुमार दिपु अध्यक्ष, दिलीप रटोलिया, संजय, सुमित कुमार सिंह, मोहम्मद हकीम, जितेंद्र सोनी, अनिल कुमार, सद्दाम, उमाशंकर साहू, मोहम्मद अफसर, मृत्युंजय विद्यानंद, गोवर्धन और भोलासव प्रमुख रूप से शामिल थे।बैठक के अंत में थाना अध्यक्ष ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि पुलिस प्रशासन उनकी सुरक्षा के लिए पूरी तरह से तत्पर है। उन्होंने कहा कि पुलिस गश्त को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा और सुरक्षा उपायों को सख्ती से लागू किया जाएगा। व्यापारियों ने थाना प्रशासन की इस पहल की सराहना की और उनके साथ सहयोग का आश्वासन दिया।

सैनिटरी शॉप का उद्घाटन

बलियापुर। बलियापुर बाजार के सिंदरी रोड पर स्थित सपन सैनिटरी शॉप का विधिवत उद्घाटन प्रखंड उप प्रमुख आशा देवी ने फीता काटकर किया। उद्घाटन समारोह में उप प्रमुख आशा देवी ने बलियापुर बाजार की वृद्धि और यहां व्यापारियों के बढ़ते कदमों की सराहना की। उन्होंने कहा कि बलियापुर अब एक उभरता हुआ बाजार बन चुका है और यहां झरिया तथा धनबाद के व्यवसायी भी आकर व्यापार कर रहे हैं।उप प्रमुख ने कहा कि अब बलियापुर में हर तरह के सामान लोगों को आसानी से उपलब्ध हो रहे हैं। उन्होंने सपन सैनिटरी शॉप का उद्घाटन करते हुए कहा कि यहां सैनिटरी से संबंधित आधुनिक सामान उचित मूल्य पर मिलेगा, जो स्थानीय लोगों के लिए एक बड़ी सुविधा है।इस अवसर पर उप प्रमुख आशा देवी के साथ-साथ कई अन्य प्रमुख लोग भी उपस्थित थे, जिनमें सपन सैनिटरी शॉप के प्रोपराइटर सपन मोदक, जेएमएम नेता हैदर अली, स्वपन कुमार महतो, विश्वजीत महतो, कादिर अंसारी, बंटी अग्रवाल, टोटन मुखर्जी और सोनू मोदक प्रमुख रूप से शामिल थे।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, बुधवार 22 जनवरी 2025

धनबाद

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

असर्फी हॉस्पिटल ने मनाया 17 वां स्थापना दिवस

धनबाद। असर्फी हॉस्पिटल ने 21 जनवरी को अपने 17 वें स्थापना दिवस पर एक भव्य समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर विशेष पूजन और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ अस्पताल की अब तक की उपलब्धियों को रेखांकित किया गया। अस्पताल के निदेशक और डॉक्टरों ने पिछले 17 वर्षों की यात्रा को याद करते हुए कहा कि यह सफर स्वास्थ्य सेवा और समाज सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। निदेशक ने बताया कि अस्पताल ने अपने मरीजों को हमेशा उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवाएं प्रदान की हैं और भविष्य में भी यही प्रयास जारी रहेगा। उन्होंने घोषणा की कि आने वाले समय में मुफ्त चिकित्सा शिविर और जागरूकता अभियान आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही अत्याधुनिक तकनीकों और प्रक्रियाओं को शामिल कर स्वास्थ्य सेवाओं को और उन्नत किया जाएगा। अस्पताल ने अपने कर्मचारियों और डॉक्टरों का आभार व्यक्त किया, जिनके समर्पण और मेहनत से यह सफर संभव हुआ। समारोह के दौरान अस्पताल ने समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को फिर से दोहराया और भविष्य में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने के लिए नई योजनाओं की घोषणा की। स्थानीय मरीजों और उनके परिवारों ने भी अस्पताल की सेवाओं के प्रति आभार जताया।

रणधीर वर्मा स्टेडियम में प्लाटूनों ने किया परेड का रिहर्सल

धनबाद। गणतंत्र दिवस के अवसर पर रणधीर वर्मा स्टेडियम में जिला स्तरीय मुख्य समारोह का आयोजन किया जाएगा। इसमें विभिन्न प्लाटूनों द्वारा परेड किया जाएगा। इस संदर्भ में मंगलवार को जिला सशस्त्र बल, झारखंड सशस्त्र बल - 3, एनसीसी, सीआईएसएफ, सीआरपीएफ, होमगार्ड के प्लाटूनों द्वारा परेड का रिहर्सल किया गया। परेड का रिहर्सल 23 जनवरी तक किया जाएगा। वहीं 24 जनवरी को उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा एवं वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दन पूर्वाभ्यास का निरीक्षण करेंगे।

निचली अदालतों से रिहाई आदेशों पर उच्च न्यायालय में अपील दायर करने की तैयारी

धनबाद। जिला पुलिस मुख्यालय में निचली अदालतों से जारी रिहाई आदेशों पर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता धनबाद के वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी. जनार्दनन ने की। बैठक में पुलिस उपाधीक्षक ग्रामीण कपील चौधरी, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय 1 शंकर कामती, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय 2 धीरेन्द्र नारायण बंका, जिले के सभी अंचल निरीक्षक और थाना प्रभारी उपस्थित थे। बैठक में निचली अदालतों से जुड़े मामलों की समीक्षा की गई और उन पर उच्च न्यायालय में अपील दायर करने की प्रक्रिया पर विचार-विमर्श हुआ। जिन मामलों में अपील दायर करनी है, उनकी प्राथमिकता तय की गई और सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस समीक्षा का उद्देश्य न्यायिक प्रक्रिया को मजबूत करना और कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाना है।

ददई दुबे और नितेश सिंह पर चल रहे आचार संहिता उल्लंघन मामले में बयान दर्ज नहीं हो सके

धनबाद। 2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के मामले में धनबाद के पूर्व सांसद ददई दुबे और उनके सहयोगी नितेश कुमार सिंह पर सुनवाई सोमवार को एमपी-एमएलए न्यायालय में हुई। विशेष न्यायिक दंडाधिकारी अर्पिता नारायण की अदालत में पिछले दो सुनवाईयों से आरोपियों का सफाई बयान दर्ज करने का प्रयास किया जा रहा है। सोमवार को भी दोनों आरोपी अदालत में उपस्थित नहीं हुए। उनकी अनुपस्थिति के कारण बयान दर्ज नहीं हो सका। न्यायालय ने अब अगली सुनवाई के लिए 5 फरवरी 2025 की तारीख निर्धारित की है। यह मामला 20 अप्रैल 2014 को निरसा के अंचल अधिकारी प्रशांत कुमार लायक द्वारा चिरकुंडा थाने में दर्ज प्राथमिकी और 20 नवंबर 2014 को दाखिल आरोप पत्र पर आधारित है।

मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के आवेदनों का सीडीपीओ नहीं करती है निष्पादन

संवाददाता

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने जनता दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्र से आए लोगों की शिकायतें सुनी। जनता दरबार में निरसा के रांगामाटी से आयी सेविका ने उपायुक्त को बताया कि वहां की सीडीपीओ द्वारा मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के आवेदनों का निष्पादन नहीं किया जा रहा है। इस कारण लगभग 11 आवेदन लंबित हैं। मामले पर संज्ञान लेते हुए उपायुक्त ने जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को जांच कर मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के लंबित आवेदनों को शीघ्र

निष्पादित कराने का निर्देश दिया। राजगंज बाजार की एक महिला ने उपायुक्त को बताया कि वर्ष 2011 से वह अपना मकान बनाकर रह रही है। 5 वर्ष पूर्व उनके मकान के बगल में एक नया मकान बना है। उस नए मकान के सोखा का पानी उनके घर में घुस रहा है। इसके कारण उनका मकान क्षतिग्रस्त हो गया है। इसको लेकर पड़ोसी को कई बार शिकायत की, परंतु इसका निराकरण ढूंढने के बजाय पड़ोसी उन्हें धमका रहा है। जनता दरबार में गोविंदपुर से आए लोगों ने उपायुक्त को जैप - 3 रोड, यशलोक नगर में स्थित एक शराब दुकान को अन्यत्र शिफ्ट करने का अनुरोध किया। उन्होंने उपायुक्त को बताया कि उक्त शराब दुकान में मनचलों का जमावड़ा लगा रहता है। इसके कारण वहां के निवासियों और वहां से गुजरने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा जनता दरबार में जमाबंदी बंदोबस्ती रद्द करने, पेंशन नहीं मिलने, नाला निर्माण के संबंध में, रैयती जमीन पर अवैध कब्जा करने, भूमि की मापी हो जाने के बाद भी मापी प्रमाण पत्र नहीं दने, गोविंदपुर साहिबगंज रोड में बिना मुआवजा दिए जमीन का अधिग्रहण करने सहित अन्य शिकायत प्राप्त हुई। उपायुक्त ने सभी शिकायतों के निष्पादन के लिए संबंधित पदाधिकारी को निर्देशित किया। जनता दरबार में सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज अहमद भी मौजूद थे।

नन्हे खान हत्याकांडः अभियोजन पक्ष को गवाह प्रस्तुत करने का निर्देश

धनबाद। जमीन कारोबारी नन्हे खान की सरेआम हत्या के मामले में सोमवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रफुल्ल कुमार की अदालत में सुनवाई हुई। अभियोजन पक्ष ने सीएफएल रिपोर्ट अदालत में पेश की, लेकिन गवाहों की पेशी नहीं हो सकी। अदालत ने अभियोजन पक्ष को गवाह प्रस्तुत करने का आदेश देते हुए 21 जनवरी 2025 की तारीख तय की है। यह मामला 24 नवंबर 2021 को धनबाद में घटी एक सनसनीखेज घटना से जुड़ा है, जब दो बाइक पर सवार चार शूटरों ने दिनदहाड़े 37 वर्षीय नन्हे खान को गोलियों से छलनी कर दिया था। इस घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया था। अपराधी हत्या के बाद आसानी से भाग निकले थे। अदालत ने इस मामले में तेजी से कार्रवाई के निर्देश दिए हैं ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके।

आईआईटी धनबाद में उत्तराखंड के युवाओं की शैक्षिक और सांस्कृतिक यात्रा का समापन

संवाददाता

धनबाद। आईआईटी आईएसएम धनबाद में उत्तराखंड के 31 युवाओं की पांच दिवसीय शैक्षिक और सांस्कृतिक यात्रा का समापन समारोह 21 जनवरी को भव्य रूप से संपन्न हुआ। यह यात्रा भारत सरकार के युवा संगम कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित की गई थी। 17 पुरुष और 14 महिला प्रतिभागियों का यह दल उत्तराखंड से आया था, जिन्होंने धनबाद और झारखंड के विभिन्न सांस्कृतिक, औद्योगिक और शैक्षिक स्थलों का दौरा किया। समारोह में आईआईटी आईएसएम के उप निदेशक प्रो० धीरज कुमार मुख्य अतिथि थे। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवा संगम जैसे कार्यक्रम उनके अनुभव और समझ को व्यापक बनाते हैं और उन्हें भविष्य के नेता बनने में सक्षम बनाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 2047 तक भारत को दुनिया की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में

शामिल करने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। युवाओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि यह यात्रा उनके लिए बेहद ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रही। इस दौरान उन्होंने झरिया कोलफील्ड्स, बेलगढ़िया टाउनशिप, कुसुंडा कोलियरी और मैथन डैम जैसे स्थलों का दौरा किया। उन्होंने आईआईटी आईएसएम के माइनिंग गैलरी और वृक्षारोपण अभियान में भी हिस्सा लिया। रजिस्ट्रार प्रबोध पांडे ने युवाओं को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया, जबकि छात्र कल्याण डीन प्रो. एस.के. गुप्ता ने उनसे अपने अनुभव समुदायों के साथ साझा करने का आग्रह किया। राज्य नोडल अधिकारी प्रो० संजीव आनंद साहू ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल युवाओं को जिम्मेदार नागरिक और समावेशी समाज का हिस्सा बनने की दिशा में प्रेरित करती है।

एसजेएएस सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में श्रीयसी सिंह का हुआ स्वागत

संवाददाता

धनबाद। धनबाद स्थित एस.जे.ए.एस सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में जमुई, बिहार की माननीय विधायक श्रीयसी सिंह का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर हॉस्पिटल के सी.एम.डी. गणेश प्रसाद सिंह, सी.ई.ओ. डॉ० जितेंद्र कुमार सिंह, निदेशक शिवेंद्र कुमार सिंह और सी.ओ.ओ. निकिता सिंह सहित अस्पताल के डॉक्टरों और कर्मचारियों ने श्रीयसी सिंह का ससम्मान अभिनंदन किया। श्रीयसी सिंह भारतीय राजनीति की एक प्रमुख शख्सियत हैं और केंद्रीय मंत्री राजा दिग्विजय सिंह तथा कई बार की सांसद पुतुल देवी की सुपुत्री हैं। उनका आगमन अस्पताल के कर्मचारियों और स्थानीय समुदाय में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करने वाला था। इस अवसर पर एस.जे.ए.एस सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के सी.ई.ओ. डॉ० जितेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि हमारी संस्था

में श्रीयसी सिंह जैसे महान व्यक्तित्व का आगमन हम सभी के लिए गर्व की बात है। श्रीयसी सिंह की न केवल राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका है, बल्कि उनके सामाजिक कार्यों ने उन्हें बिहार और पूरे देश में एक विशिष्ट पहचान दिलाई है। हम उनके इस दौरे को बेहद सकारात्मक मानते हैं और हमें विश्वास है कि इससे हमें स्थानीय समुदाय को और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने की दिशा में प्रेरणा मिलेगी। डॉ० जितेंद्र कुमार सिंह ने आगे कहा कि हमारा उद्देश्य यह है कि धनबाद और आसपास के क्षेत्रों में लोगों को उच्चतम स्तर की चिकित्सा सेवाएं मुहैया कराई जाएं। एस.जे.ए.एस अस्पताल में विश्वस्तरीय उपकरणों और अनुभवी डॉक्टरों की टीम के साथ हम मरीजों को पूरी तरह से सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। श्रीयसी जी जैसे सम्माननीय जनप्रतिनिधियों का आना हमारे अस्पताल के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, जो हमें और बेहतर सेवाएं देने के लिए प्रेरित करता है। इस दौरान श्रीयसी सिंह ने अस्पताल के विभिन्न विभागों का दौरा भी किया और डॉक्टरों तथा अन्य कर्मचारियों से बातचीत की। उन्होंने अस्पताल की अत्याधुनिक सुविधाओं और इसके समर्पित कर्मचारियों की सराहना की।

धनबाद में जन शिकायत समाधान शिविर का आयोजन, छह स्थानों पर कार्यक्रम तय

संवाददाता

धनबाद। झारखंड के 24 जिलों में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जिसमें धनबाद जिला भी शामिल है। इस पहल के तहत 22 जनवरी को धनबाद में छह स्थानों पर जन शिकायत समाधान शिविर लगाए जाएंगे। पुलिस महानिदेशक और पुलिस महानिरीक्षक के निर्देश पर यह कार्यक्रम आयोजित हो रहा है, जिसमें शिकायतकताओं की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। धनबाद एसएसपी हृदीप पी. जनार्दनन ने जानकारी दी कि शिकायतों के समाधान के लिए जिला स्तर पर एक विशेष सेल का गठन किया गया है। लोग अपनी शिकायतें व्हाट्सएप नंबर 9470589467 या ईमेल पर दर्ज करा सकते हैं। शिविर में पुलिस पदाधिकारियों के साथ प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य और पारा लीगल वॉलेंटियर भी मौजूद रहेंगे। शिविर कतरास स्थित राजस्थानी धर्मशाला, जोरापोखर स्थित टाटा कम्युनिटी सेंटर, एलसी रोड स्थित कला भवन, निरसा पॉलिटेक्निक कॉलेज, गोविंदपुर स्थित हरदेव धर्मशाला और टुंडी के मॉडल स्कूल लथुरिया में आयोजित किए जाएंगे।

डीएवी सिंदरी में अंतर्सदनीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

संवाददाता

सिंदरी। डीएवी पब्लिक स्कूल सिंदरी में कक्षा 5 से 6 तक के बच्चों के बीच एक शानदार अंतर्सदनीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में चार सदनों सीवी रमन, रामानुजन, दयानंद और विवेकानंद ने भाग लिया। फाइनल मुकाबले में दयानंद सदन ने विवेकानंद सदन को 28-21 अंकों से हराकर विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। वहीं, दूसरे मैच में सीवी रमन सदन ने रामानुजन सदन को 39-18 अंकों से मात दी।विद्यालय के प्राचार्य अशोक कुमार ने इस आयोजन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस प्रकार के खेल बच्चों के समग्र विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि खेल के बिना बच्चों की शिक्षा और शारीरिक विकास की कल्पना नहीं की जा सकती। इस तरह के आयोजन बच्चों में अनुशासन और उत्साह का संचार करते हैं, जो उन्हें जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी सफलता दिलाने में मदद करते हैं।प्रतियोगिता में अनुज कुमार, शेख जसीम, गौरव सिंह, यश यादव, रजनीश यादव, मान सिंह, अजमत अली, प्रज्ञा कुमारी, प्रियांशी कुमारी, युक्ता प्रसाद, सारना बास्की और अनन्या सिंह जैसे होनहार बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यालय के शारीरिक शिक्षक अमित कुमार और शिवानी सिंह का प्रशिक्षण और मार्गदर्शन बेहद सराहनीय था, जिन्होंने बच्चों में खेलकूद के प्रति समर्पण और उत्साह को और बढ़ाया।

हरिओम सेवा संस्था ने टुंडी शिव मंदिर में मां पार्वती और भगवान गणेश की मूर्तियां दान की

संवाददाता

धनबाद। हरिओम सेवा संस्था की पहल पर टुंडी के शिव मंदिर में मां पार्वती और भगवान गणेश की भव्य मूर्तियां स्थापित की गईं। इस पवित्र कार्य में हरिओम सेवा संस्था के सदस्य मोहित लता सूंडा, उनके पुत्र अमित सूंडा और कोमल कुमारी ने मूर्तियों का दान किया। मूर्ति स्थापना के बाद पूरे क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का माहौल है। इस अवसर पर हरिओम सेवा संस्था के मीडिया प्रभारी शीतल दत्ता ने कहा कि यह कार्य समाज में धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया है। स्थानीय निवासियों ने इस दान की सराहना की और इसे क्षेत्र में धार्मिक विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। मूर्ति स्थापना के बाद मंदिर में विशेष पूजा और अनुष्ठान का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मंदिर कमेटी के वरिष्ठ सदस्यों अशोक पाठक, कुंदन सिंह, रतीलाल जी, अमरनाथ गोस्वामी और अन्य गणमान्य लोगों ने भी इस मौके पर भाग लिया। स्थानीय निवासियों ने हरिओम सेवा संस्था का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के कदम से क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराएं और मजबूत होंगी। मूर्तियों की स्थापना के बाद मंदिर का आकर्षण और श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि हुई है।

अभियान कुसुम बिहार कॉलोनी की महिलाओं के साथ मिलकर चलाया जागरूकता अभियान

डीटीओ कार्यालय में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

संवाददाता

धनबाद। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत मैं हूं धनबाद समूह के नेतृत्व में कुसुम बिहार कॉलोनी की महिलाओं के साथ मिलकर सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया। इसमें विशेष रूप से उपस्थित ट्रैफिक डीएसपी अरविंद कुमार सिंह ने सड़क सुरक्षा नियमों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यातायात नियम का पालन करने से दुर्घटनाओं पर विराम लगेगा। दो पहिया वाहन चालकों से हाथ जोड़कर सही साइज वाली हेलमेट लगाने की अपील की गई। वहीं चार पहिया वाहन चालकों, सह चालकों तथा स्कूल वैन

चालकों को सीट बेल्ट लगाकर वाहन चलाने का निर्देश दिया गया। परिवहन कार्यालय से जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक सुनील कुमार ने वाहन चालकों के लाइसेंस, हेलमेट एवं सीट बेल्ट की जांच की। सभी को हेलमेट और सीट बेल्ट लगाकर वाहन

चलाने एवं ओवरस्पीड में वाहन नहीं चलाने की सलाह दी। कार्यक्रम मे सनोज कुमार, मो० सलाउद्दीन, कल्पना झा, प्रदीप कुमार सिंह, रिया सिंह, पूजा रत्नाकर, पूनम सिंह, रेणु कौशल, संतोषी आनंद, जया श्रीवास्तव, रश्मि वर्मा, किरण गुप्ता, मनीषा पांडेय, गीता आदि महिलाएं उपस्थित थी। वहीं एक अन्य कार्यक्रम में जिला परिवहन कार्यालय में ए.एस.जी. आई होस्पिटल के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान ड्राइविंग लाइसेंस के लिए टेस्ट कराने आए लोगों की निशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई। उनको? सड़क सुरक्षा संबंधी जानकारी दी गई। मौके पर जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक सुनील कुमार, रोड इंजिनियरिंग एनालिस्ट अमरेश कुमार, आईटी देवेंद्र कुमार ए.एस.जी. आई होस्पिटल के रवि कुमार सिन्हा एवं संतोषी कुमारी उपस्थित थे।

झारखंड में हरे राशन कार्ड धारकों को अब मिलेगा महीने में दो बार राशन

संवाददाता

बलियापुर। झारखंड सरकार ने हरे राशन कार्ड धारकों के लिए एक अहम बदलाव किया है। अब उन्हें महीने में दो बार राशन मिलेगा। तोपचांची और बलियापुर प्रखंड के आपूर्ति पदाधिकारी अजीत कुमार सिंह ने बताया कि अक्टूबर 2024 से पहले जुड़े लगभग 1000 कार्डधारकों को 16 से 30 तारीख के बीच हर महीने दुगना राशन मिलेगा। जबकि, नए राशन कार्ड धारकों को 1 से 15 तारीख तक राशन प्राप्त होगा। झारखंड खाद्य सुरक्षा योजना के तहत लाभार्थियों को 1 रुपये प्रति किलो चावल और ?20 में धोती, साड़ी या लूंगी की सुविधा दी जाती है। यह योजना लाल, पीला और हरा राशन कार्ड धारकों के लिए उपलब्ध है।अजीत कुमार सिंह ने यह भी जानकारी दी कि जिन कार्डधारकों ने नवंबर 2024 का चना दाल नहीं लिया है, वे 31 जनवरी तक सरकारी जन वितरण प्रणाली की दुकानों से इसे प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा, कार्डधारक अपनी ई-केवाईसी 2025 फरवरी तक पूरी कर सकते हैं। प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी ने यह भी कहा कि कार्डधारक अपनी शिकायतें कार्यालय में दर्ज करवा सकते हैं, ताकि उन्हें तत्काल समाधान मिल सके।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, बुधवार 22 जनवरी 2025

संपादकीय

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

सुभाषितम्

मनुष्य जितना ज्ञान में घुल गया हो उतना ही कर्म के रंग में रंग जाता है। - विनोबा भावे

क्या अमेरिका के मोदी साबित होंगे ट्रम्प?

सम्माननीय डोनाल्ड ट्रम्प अब अमेरिका के नए राष्ट्रपति है। ट्रम्प महोदय के शपथ ग्रहण के बाद ये अटकलें लगना शुरू हो गयीं हैं कि वे आज नहीं तो कल अमेरिका के मोदी साबित होंगे, क्योंकि ट्रम्प और भारत के प्रधानमंत्री प्रातस्मरणीय नरेंद्र दामोदर दास मोदी की प्राथमिकताएं लगभग एक जैसी है। उनकी आक्रामकता, उनकी सियासत में अदावती शैली मोदी की राजनीति से बहुत कुछ मेल खाती है। ट्रम्प के लिए अमेरिका के लिए कुछ नया दिखने का ये अंतिम अवसर है। अमेरिकी ट्रम्प को और मौका नहीं दे सकता। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने भाषण में कैच एंड रिलीज नीति को समाप्त करने का वादा करते हुए कहा कि वे दक्षिणी सीमा पर राष्ट्रीय आपातकाल घोषित करेंगे और लाखों अवैध अप्रवासियों को वापस भेजेंगे। कैच एंड रिलीज शब्द का इस्तेमाल अक्सर अप्रवासियों को अदालत की तारीख तक हिरासत में रखने के बजाय रिहा करने की नीति के लिए किया जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह एक विशिष्ट कानून या नीति नहीं है और अब आम प्रथा नहीं है, जिसे ट्रंप खत्म करने की बात कह रहे हैं। उनके आदेश का विवरण भी स्पष्ट नहीं है। भारत में भी अवैध प्रवासियों को लेकर मोदी सरकार लगातार जूझ रही है लेकिन भारत में अभी किसी भी सीमा पर आपातकाल की घोषणा नहीं की हई है। लेकिन ट्रम्प महोदय से प्रेरणा लेकर भारत में भी ऐसा कदम उठाया आ सकता है। कोई माने या न माने ट्रम्प और मोदी जी एक-दुसरे के ख्यालों [आइडियाज] की या तो नकल करते हैं या एक-दुसरे को प्रेरित करते हैं। दोनों की बातों में हवा-हवाई तत्व कॉमन है।

ट्रंप ने पनामा नहर को वापस लेने का भी वादा करते हुए कहा कि इस नहर के निर्माण के दौरान 38,000 अमेरिकियों की मौत हुई और चीन नहर का संचालन कर रहा है। सच्चाई ये है कि अमेरिकी निर्माण में 5,600 लोगों की मौत हुई थी और ये कैरिबियन के मजदूर थे। पनामा नहर के प्रशासक ने ट्रंप के इस दावे का खंडन किया है कि चीन नहर का संचालन कर रहा है। उन्होंने कहा है कि इन बंदरगाहों पर काम कर रही चीनी कंपनियां हांगकांग के एक कंसोर्टियम का हिस्सा थीं, जिसने 1997 में बोली प्रक्रिया जीती थी। अमेरिकी और ताइवान की कंपनियां भी नहर के किनारे अन्य बंदरगाहों का संचालन कर रही हैं। मुमकिन है की भविष्य में भारत के प्रधानमंत्री भी चीन को आंखें दीखते हुए चीन से भारत की हथियाई गयी जमीन पर अपना हक जताने लगें। डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका में मुद्रास्फीति रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची और ऐसा अत्यधिक खर्च और बढ़ती ऊर्जा कीमतों से हुआ है। ये बात सही है कि अमेरिका में मुद्रास्फीति 2022 की गर्मियों में 9.1 फीसदी के चार दशक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी लेकिन देश में सबसे अधिक मुद्रास्फीति दर जून 1920 में 23.7% थी। संयोग से ये सब भारत में भी हुआ है किन्तु मोदी को ये सुविधा हासिल नहीं है कि वे भारत में मुद्रास्फीति के लिए किसी और को जिम्मेदार ठहरा सकें, क्योंकि पिछले 11 साल से वे खुद ही सत्ता में हैं, मोदी इसके एवज हमेशा नेहरू-गांधी परिवार को लपेटते रहते हैं। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने खतरनाक अपराधियों को शरण और सुरक्षा दी है, जिनमें से कई जेलों और मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों से अवैध रूप से अमेरिका में आए हैं। एक्सपर्ट इस दावे को ठीक नहीं मानते हैं। इनका कहना है कि कुछ अमेरिकी शहरों में अप्रवासियों की आमद हुई है लेकिन ज्यादातर कानूनी तौर पर, वर्क परमिट या अदालतों में उनके मामलों पर काम होने तक रहने के प्राधिकरण के साथ आए हैं। ज्यादातर रिसर्च ये बताती हैं कि अप्रवासी, अमेरिका में जन्मे लोगों की तुलना में अपराध करने की कम संभावना रखते हैं। पर कुछ संस्थाएं हैं जो मानती है कि अपराध बढ़ने की वजह अप्रवासी नहीं हैं। भारत में भी मोदी जी और उनकी सरकार मानती है की देश में बढ़ते अपरधों की वजह बांग्लादेशी प्रवासी है। मशहूर फिल्म अभिनेता सैफ अली खान पर हमले को इसका उदाहरण बताया जा रहा है।

ट्रंप ने कहा कि अमेरिका दुनिया के किसी भी अन्य देश की तुलना में स्वास्थ्य सेवा पर अधिक पैसा खर्च करता है। उनका यह दावा सच है। अमेरिका प्रति व्यक्ति स्वास्थ्य सेवा पर ज्यादातर देशों ज्यादा खर्च करता है। ट्रम्प की ही तरह भारत के प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि आरोग्य के मामले में उनकी सरकार की आयुष्मान योजना दुनिया की सबसे बड़ी योजना है। अब कौन सच बोल रहा है, कौन झूठ केवल ऊपर वाला ही जानता है। अमेरिका के नए और 47 वे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को ये सुविधा नहीं है कि वे देश के पहले राष्ट्रपति जार्ज वाशिंगटन को देश की मौजूदा हालात के लिए जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते। ये सुविधा केवल भारतीय प्रधानमंत्री की है, वे आज भी देश की बदहाली के लिए अपने 11 साल के कुशासन को जिम्मेदार नहीं मानते, वे इसके लिए देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू को जिम्मेदार मानते हैं। देखना ये है कि ट्रम्प साहब के आने के बाद दुनिया कितनी बदलती है। दुनिया में द्वन्द युद्ध जारी हैं। अमेरिका के सामने इन्हें समाप्त करने की चुनौती है। बहरहाल हमारा देश दूसरी बार ट्रम्प युग का और तीसरी बार मोदी युग का सामना कर रहा है। दोनों कि युग का अवसान एक साथ 2029 में होगा।

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस: एक पराक्रमी योद्धा

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस द्वारा दिया गया जय हिन्द का नारा भारत का राष्ट्रीय नारा बन गया। 'तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा' का उनका नारा भी उस समय अत्यधिक प्रचलन में आया। आजादी की जंग में प्रमुख भूमिका निभाने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और महान क्रांतिकारी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 23 जनवरी को 127 वीं जयंती मनाई जा रही है। उनकी जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनका पूरा जीवन ही साहस व पराक्रम का उदाहरण है।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को उड़ीसा में कटक के एक संपन्न बंगाली परिवार में हुआ था। बोस के पिता का नाम जानकीनाथ बोस और मां का नाम प्रभावती था। जानकीनाथ बोस कटक शहर के मशहूर वकील थे। प्रभावती और जानकीनाथ बोस की कुल मिलाकर 14 संतानें थी, जिसमें 6 बेटियां और 8 बेटे थे। सुभाष चंद्र उनकी नौवीं संतान और पांचवें बेटे थे। नेताजी ने अपनी प्रारंभिक पढ़ाई कटक के रेवेंशॉव कॉलेजिएट स्कूल में हुई। उसके बाद उनकी शिक्षा कलकत्ता के प्रेजिडेंसी कॉलेज और स्कॉटिश चर्च कॉलेज से हुई। उन्होंने इंग्लैंड के केंब्रिज विश्वविद्यालय से सिविल सर्विस की परीक्षा में चौथा स्थान प्राप्त किया था। 1921 में भारत में बढ़ती राजनीतिक गतिविधियों का समाचार पाकर बोस सिविल सर्विस की सरकारी नौकरी छोड़ कर कांग्रेस से जुड़ गए। 1928 में जब साइमन कमीशन भारत आया तब कांग्रेस ने उसे काले झण्डे दिखाये। कोलकाता में नेताजी ने इस आन्दोलन का नेतृत्व किया। साइमन कमीशन को जवाब देने के लिये कांग्रेस ने भारत का भावी संविधान बनाने का काम आठ सदस्यीय आयोग को सौंपा। मोतीलाल नेहरू इस आयोग के अध्यक्ष और सुभाषचंद्र बोस उसके सदस्य थे।

सुभाषचंद्र बोस जयंती (23 जनवरी) पर विशेष

26 जनवरी 1931 को कोलकाता में राष्ट्र ध्वज फहराकर सुभाष विशाल मोर्चे का नेतृत्व कर रहे थे तभी पुलिस ने उनको जेल भेज दिया। जब सुभाष चंद्र बोस जेल में थे, तब गांधीजी ने अंग्रेज सरकार से समझौता किया और सब कैदियों को रिहा करवा दिया। लेकिन अंग्रेज सरकार ने सरदार भगत सिंह जैसे क्रान्तिकारियों को रिहा करने से साफ इन्कार कर दिया। भगत सिंह की फांसी माफ कराने के लिये गांधीजी ने सरकार से बात तो की परन्तु नरमी के साथ। सुभाष चाहते थे कि इस विषय पर गांधीजी अंग्रेज सरकार के साथ किया गया समझौता तोड़ दें लेकिन गांधीजी अपना वचन तोड़ने को राजी नहीं थे। अंग्रेज सरकार द्धारा भगत सिंह व उनके साथियों को फांसी दे दी गयी। भगत सिंह को बचा नहीं पाने पर सुभाष बोस, गांधीजी और कांग्रेस से बहुत नाराज हो गये।

1930 में सुभाष के कारावास में रहते हुये ही कोलकाता महापौर का चुनाव जीतने पर सरकार उन्हें रिहा करने पर मजबूर हो गयी। 1932 में सुभाष को फिर से कारावास हुआ। इस बार उन्हें अल्मोड़ा जेल में रखा गया। अल्मोड़ा जेल में उनकी तबीयत फिर से खराब होने पर सुभाष इलाज के लिये यूरोप चले गये। सन् 1933 से लेकर 1936 तक सुभाष यूरोप में रहे। यूरोप में सुभाष इटली के नेता मुसोलिनी से मिले। जिन्होंने उन्हें भारत के स्वतन्त्रता संग्राम में सहायता करने का वचन दिया। 1938 में गांधीजी ने कांग्रेस के हरिपुरा वार्षिक अधिवेशन में अध्यक्ष पद के लिए सुभाष को चुना तो था मगर उन्हें उनकी कार्यपद्धति पसन्द नहीं आयी। इसी दौरान यूरोप में द्वितीय विश्वयुद्ध के बादल छा गए थे। सुभाष चाहते थे कि इंग्लैंड की इस कठिनाई का लाभ उठाकर भारत का स्वतन्त्रता संग्राम अधिक तीव्र किया जाये। उन्होंने अपने अध्यक्षीय कार्यकाल में इस ओर कदम उठाना भी शुरू कर दिया था। परन्तु गांधीजी इससे सहमत नहीं थे। 1939 में जब नया कांग्रेस अध्यक्ष चुनने का वक्त आया तब सुभाष चाहते थे कि कोई ऐसा व्यक्ति अध्यक्ष बनाया जाये जो इस मामले में किसी दबाव के आगे बिल्कुल न झुके। ऐसा किसी दूसरे व्यक्ति के सामने न आने पर सुभाष ने स्वयं कांग्रेस अध्यक्ष बने रहना चाहा। लेकिन गांधीजी उन्हें अध्यक्ष पद से हटाना चाहते थे। गांधीजी ने अध्यक्ष पद के लिये पट्टाभि सीतारमैया को चुना। बहुत बरसों बाद कांग्रेस पार्टी में अध्यक्ष पद के लिये चुनाव हुआ।

चुनाव में नेताजी सुभाष को 1580 मत व सीतारमैय्या को 1377 मत मिले। गांधीजी के विरोध के बावजूद सुभाष बाबू 203 मतों से चुनाव जीत गये। गांधीजी ने पट्टाभि सीतारमैय्या की हार को अपनी हार बताया। इसके बाद कांग्रेस कार्यकारिणी के 14 में से 12 सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया। 3 मई 1939 को सुभाष ने फॉरवर्ड ब्लॉक के नाम से अपनी पार्टी की स्थापना की। सुभाष चंद्र बोस ने 1937 में अपनी सेक्रेटरी और ऑस्ट्रियन युवती एमिली से शादी की। उन दोनों की अनीता नाम की एक बेटी भी हुई।

जर्मनी जाकर नेताजी हिटलर से मिले। 1943 में उन्होंने जर्मनी छोड़ दिया। वहां से वह जापान पहुंचे। जापान से वह सिंगापुर पहुंचे। जहां उन्होंने कैप्टन मोहन सिंह द्वारा स्थापित आजाद हिंद फौज की कमान अपने हाथों में ले ली। उस वक्त रास बिहारी बोस आजाद हिंद फौज के नेता थे। उन्होंने आजाद हिंद फौज का पुनर्गठन किया। महिलाओं के लिए रानी झांसी रेजिमेंट का भी गठन किया लक्ष्मी सहगल जिसकी कैप्टन बनीं।

नेताजी के नाम से प्रसिद्ध सुभाष चन्द्र ने सशक्त क्रान्ति द्वारा भारत को स्वतंत्र कराने के उद्देश्य से 21 अक्टूबर 1943 को आजाद हिन्द सरकार की स्थापना की जिसे जर्मनी, जापान, फिलीपींस, कोरिया, चीन, इटली, मान्चुको और आयरलैंड ने मान्यता दी। आजाद हिन्द फौज के प्रतीक चिह्न पर एक झंडे पर दहाड़ते हुए बाघ का चित्र बना होता था। नेताजी अपनी आजाद हिंद फौज के साथ 4 जुलाई 1944 को बर्मा पहुँचे। यहीं पर उन्होंने अपना प्रसिद्ध नारा दिया- तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा। खून भी एक-दो बूँद नहीं इतना कि खून का एक महासागर तैयार हो जाये और उसमें मैं ब्रिटिश साम्राज्य को डूबो सकूं। 1944 को आजाद हिन्द फौज ने अंग्रेजों पर दोबारा आक्रमण किया और कुछ भारतीय प्रदेशों को अंग्रेजों से मुक्त भी करा लिया।

द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान आजाद हिन्द फौज ने जापानी सेना के सहयोग से भारत पर आक्रमण किया। अपनी फौज को प्रेरित करने के लिये नेताजी ने दिल्ली चलो का नारा दिया। दोनों फौजों ने अंग्रेजों से अंदमान और निकोबार द्वीप जीत लिये। यह द्वीप आजाद-हिन्द सरकार के नियंत्रण में रहे। नेताजी ने इन द्वीपों को शहीद द्वीप और स्वराज द्वीप का नया नाम दिया। दोनों फौजों ने मिलकर इम्फाल और कोहिमा पर आक्रमण किया। लेकिन बाद में अंग्रेजों का पलड़ा भारी पड़ा और दोनों फौजों को पीछे हटना पड़ा।

6 जुलाई 1944 को आजाद हिन्द रेडियो पर अपने भाषण के माध्यम से नेताजी ने गांधीजी को पहली बार राष्ट्रपिता बुलाकर अपनी जंग के लिये उनका आशीर्वाद भी मांगा। आजाद हिन्द फौज के माध्यम से भारत को अंग्रेजों के चंगुल से आजाद करने का नेताजी का प्रयास प्रत्यक्ष रूप में सफल नहीं हो सका। किन्तु उसका दूरगामी परिणाम हुआ। सन् 1946 का नौसेना विद्रोह इसका उदाहरण है। नौसेना विद्रोह के बाद ही ब्रिटेन को विश्वास हो गया कि अब भारत में सेना के बल पर शासन नहीं किया जा सकता और भारत को स्वतन्त्र करने के अलावा उनके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा।

विश्व इतिहास में आजाद हिंद फौज जैसा कोई दूसरा उदाहरण नहीं मिलता। जहां 30-35 हजार युद्ध बंदियों को संगठित, प्रशिक्षित कर अंग्रेजों को पराजित किया। पूर्व एशिया और जापान पहुंच कर उन्होंने आजाद हिन्द फौज का विस्तार करना शुरू किया। रंगून के जुबली हॉल में सुभाष चंद्र बोस द्वारा दिया गया भाषण सदैव के लिए इतिहास के पत्रों में अंकित हो गया। 18 अगस्त 1945 को नेताजी की मृत्यु के संबध में विवाद अबतक अनसुलझा है।

डॉक्टर-कंपनियों का कपट जाल : दवा की कीमत में उछाल

देश में दवाओं की कीमत सरकार नहीं डॉक्टर खुद तय कर रहे हैं। डॉक्टर अपने मुताबिक ब्रांड बनवाते हैं, कीमतें फिक्स करते हैं। 38 रुपए की दवा की एमआरपी 1200 रुपए कर दी जा रही है। यह महज उदाहरण है, तमाम दवाइयों में ऐसा किया जा रहा है। एक्सपर्ट मानते हैं कि 20 साल में 40 हजार करोड़ से दवा का कारोबार 2 लाख करोड़ के करीब पहुंच गया है। इसका बड़ा कारण वह एमआरपी में बड़े खेल को मानते हैं। 2005 से 2009 तक 50 प्रतिशत एमआरपी पर दवाएं बिक रही थी। अगर 1200 रुपए की एमआरपी है तो डीलर को 600 रुपए में दी जाती थी। अब डॉक्टर अपने हिसाब से एमआरपी तय करवा रहे हैं। जबकि नियमों के अनुसार दवाओं की कीमतें डॉक्टर नहीं बल्कि दवा बनाने वाली कंपनियां तय करती हैं। दवाओं के रेट तय करने में कई कारक शामिल होते हैं। दवाओं पर व्यापारियों को खासा मुनाफा होता है। ब्रांडेड दवाओं पर रिटेलर ज्यादा से ज्यादा 20-25 प्रतिशत तक की छूट देते हैं। जेनेरिक दवाओं पर 50-70 प्रतिशत तक की छूट मिलती है। जेनेरिक दवाएं सस्ती होती हैं क्योंकि उन्हें महंगी जांचों से नहीं गुजरना पड़ता।

दवा खरीदते समय, दवा के रैपर पर क्यूआर कोड होना चाहिए। दवा के रैपर पर क्यूआर कोड से दवा का नाम, ब्रैंड का नाम, मैन्युफैक्चरर की जानकारी, मैन्युफैक्चरिंग की तारीख और एक्सपायरी की तारीख मिलती है। दवाओं या उनके अवयवों के बारे में जानकारी के लिए डॉक्टर या फार्मासिस्ट से पूछा जा सकता है। मगर जो दवाएं सरकार के कंट्रोल से बाहर हैं, उनमें मनमानी दवा की क्वालिटी और एमआरपी

की निगरानी के लिए भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय के अधीन नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइस अथॉरिटी काम करती है। सरकार ड्रग्स प्राइस कंट्रोल ऑर्डर के माध्यम से दवा की एमआरपी पर नियंत्रण रखती है। आवश्यक और जीवनरक्षक दवाओं के लिए अधिकतम मूल्य निर्धारित करने के साथ डीपीसीओ की जिम्मेदारी मरीजों के लिए दवाएँ सस्ती और सुलभ कराने की भी है।

सरकार जिन दवा को डीपीसीओ के अंतर्गत लाती है, उनकी एमआरपी तो कंट्रोल में होती है लेकिन सैकड़ों फॉर्मूले की दवाएं आज भी सरकार के कंट्रोल से बाहर हैं, जिसकी एमआरपी में मनमानी चल रही है। दवाओं की कीमतों में इजाफे को लेकर सरकार की गाइडलाइन है कि एक साल में 10 प्रतिशत ही एमआरपी बढ़ाई जा सकती है। लेकिन कंपनियां प्रोडक्ट्स का नाम बदल कर हर साल डॉक्टरों की डिमांड वाली एमआरपी बना रही हैं। कंपनियां अलग डिवीजन और ब्रांड बदल कर एमआरपी अपने हिसाब से फिक्स कर देती हैं।

फार्मा फैक्ट्रियों से ही देश में दवाएं सप्लाई की जाती हैं। कंपनियों और डॉक्टरों के इस खेल में कंपनियां अपने मुनाफे के लिए नियमों को ताक पर रखकर डॉक्टरों के हिसाब से न सिर्फ दवाएं बनाने के लिए तैयार हो जाती हैं, बल्कि मनमानी कीमत तय कर देती हैं। तभी तो देशभर में डॉक्टर और हॉस्पिटल खुद अपनी दवाएँ बनवा रहे हैं और मनमाफिक मूल्य पर बेच रहे हैं। डॉक्टर और हॉस्पिटल खुद अपनी दवाएं बनवा रहे हैं और माइक्रो पायलट का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे ही एक्सपायरी निर्धारित होती है। अगर दवा में माइक्रो पायलट की क्वालिटी थोड़ी डाउन कर दी जाए तो मार्जिन बढ़ जाएगा लेकिन एक्सपायरी का समय कम हो जाएगा। इसके पीछे कारण यह कि मटेरियल और एक्सपायरी को लेकर सरकार की कोई गाइडलाइन नहीं है। एक्सपायरी की डेट भी कंपनियां तय करती हैं। सरकार के कंट्रोल में जो दवाएं हैं, इसे लेकर थोड़ी सख्ती है। बाकी मेडिसिन पर कोई खास निगरानी नहीं है।

ये गंभीर विषय है कि दवा का निर्माण, आयात या बिक्री करने वाली कंपनियां ही दवा की कीमतें निर्धारित करती हैं। नियमों में कहा गया है कि केवल प्रिस्क्रिप्शन वाली दवा और ओवर-द-काउंटर दवा के प्रकार जो केवल फार्मेसियों में बेचे जा सकते हैं, उन्हें सभी फार्मेसियों में बिल्कुल एक ही कीमत पर बेचा जाना चाहिए। इसलिए क्योंकि दवाओं की कीमतें फार्मेसियों के बीच उतार-चढ़ाव नहीं करती हैं, जिसका अर्थ है कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप अपना प्रिस्क्रिप्शन भरने के लिए किस फामेर्सी को चुनते हैं। यही नहीं, दवा बनाने वाली कंपनियों पर ये नियम सख्ती से लागू किये जाएं कि वह हर साल्ट का मूल्य भारत सरकार के नियमानुसार एक जैसा निर्धारित करे, चाहे ब्रांड कोई भी हो। मूल्य ब्रांड पर न होकर साल्ट पर हो ताकि डॉक्टरों और कंपनियों के काले धंधे पर लगाम लगे और मरीज को 300 रुपये का इंजेक्शन बारह सौ में न खरीदना पड़े।

हर्बल दवाइयों और ओवर-द-काउंटर दवाइयों के प्रकार जो फामेर्सी के अलावा सुपरमार्केट और कियोस्क जैसी अन्य दुकानों में बेची जा सकती हैं, उनकी भी कीमतों में बदलाव की अनुमति सरकार की तरफ से हो। ये कीमतें पूरी तरह स्टोर द्वारा निर्धारित की जाती हैं इसलिए ग्राहक को एक स्टोर से दूसरे स्टोर में कीमतों में अंतर का अनुभव होता है।

सर्दियों में हाथों की रूखी त्वचा की देखभाल

शहनाज हुसैन

मौसम कोई भी हो लेकिन हाथ दिन-रात काम करते हैं। हाथों की त्वचा मौसम की मार, धूल, साबुन, पानी को लगातार सहते हुए रूखी और बेजान हो जाती है। सर्दियों में यह समस्या सबसे ज्यादा गंभीर रूप धारण कर लेती है। गृहणी और कामकाजी दोनों महिलाओं के हाथ रोजाना के कामकाज के दौरान बार-बार साबुन और डिटर्जेंट के सम्पर्क में आते हैं। सर्दियों में हम जहां शरीर के बाकी हिस्सों को गर्म कपड़े, स्वेटर, शॉल आदि से ढंक कर रखते हैं लेकिन हमारे हाथ लगातार मौसम की मार झेलते हैं। इससे हमारे हाथ लाल, खुरदरे, सूखे, बेजान और मुरझाये दिखने लगते हैं। आप चाहे कामकाजी महिला हों या होम मेकर, आपके हाथ हर मौसम में सबसे ज्यादा खुले रहते हैं। इससे अन्य अंगों की बजाय हाथ सबसे ज्यादा सूखे होते हैं। सर्दियों में वातावरण में नमी और बर्फीली हवाओं से आपके हाथ शुष्क और खुरदरे हो जाते हैं। वातावरण में अचानक बदलाव से हाथों की त्वचा प्रभावित होती है। सर्द ऋतु की तेज बर्फीली हवाओं से त्वचा शुष्क होने के साथ हाथों का फटना भी शुरू हो जाता है। ऐसे में सवाल उठता है की इस ठन्डे मौसम में हाथों की बाहरी संवेदनशील त्वचा में जलन, खुजली, सूखापन, एक्जिमा, डमेर्टाइटिस आदि बीमारियों को कैसे रोका जाये। मेरा मानना है कि साबुन, केमिकल, डिटर्जेंट और अल्कोहल आधारित सेनिटाइजर का हाथों पर बार-बार प्रयोग करने से हाथों की ऊपरी त्वचा में प्रोटीन को नुकसान पहुंचेगा, जिससे हाथ लाल, खुरदरे, बेजान और मुरझाये दिखने लगते हैं। इनके ज्यादा प्रयोग से आपके हाथों में कट या घाव लग सकते हैं जिससे बैक्टीरिया हमारी त्वचा में प्रवेश कर सकता है, इससे 'एक्जिमा' जैसे रोग घर कर सकते हैं। आपके हाथों में झुनझुनी का अहसास हो सकता है और त्वचा फफोलेदार और पीड़ादायक हो सकती है। वास्तव में हाथों की पिछली ओर की त्वचा काफी पतली होती है तथा इसमें तैलीय ग्रन्थियों की कमी रहती है, जिसकी वजह से हाथों में झुर्रियां पड़ जाती हैं।

हमारे हाथों की बाहरी परत की त्वचा वॉटरप्रूफ बैरियर की तरह काम करती है। यह परत समतल कोशिकाओं से बनी होती है जो त्वचा की सामान्य नमी बनाए रखते हुए त्वचा की बाहरी पदार्थों से रक्षा प्रदान करती है। जब हम हाथों को साबुन को झाग/सेनिटाइजर से बार-बार धोते हैं तो यह प्रकृतिक बैरियर टूट जाता है तथा हाथों की त्वचा को नुकसान पहुंचना शुरू हो जाता है। ऐसे में हाथों की त्वचा की रक्षा अनिवार्य है। सबसे पहले यह सुनिश्चित करें कि हाथ धोने के बाद उन्हें अच्छी तरह सूखने दें तथा हाथ सूखने के बाद ही हैंड क्रीम लगाएं। हाथों के अच्छी तरह सूखने से बैक्टीरिया और वायरस दोनों मर जाते हैं जबकि गीली त्वचा से इनके फैलने का खतरा बढ़ता है। इसके अलावा सिंगल यूज नैपकिन का प्रयोग करें क्योंकि एक ही कपड़े से बार-बार हाथ पोंछने से बैक्टीरिया के फैलने का खतरा बढ़ सकता है। हाथ सूखने के बाद त्वचा पर जैल या खुश्बू रहित हैंड क्रीम उपयोग में लाएं या आप मॉइस्चराइजिंग मास्क भी अप्लाई कर सकते हैं। सर्दियों में शावर जैल या ग्लिसरीन युक्त साबुन का प्रयोग बेहतर होगा। सबसे पहले सुबह के स्नान के समय हाथों को आयॅल तथा माइस्चराइज करने की शुरूआत करनी चाहिए। कच्चे दूध की मालिश हाथों को कोमल बनाये रखने में मददगार होती है। कच्चे दूध को निकाल कर फ्रिज में रख लीजिये और जब भी समय मिले, हाथों-पांवों पर मल कर धीरे-धीरे मालिश करें। इससे त्वचा मुलायम होगी तथा त्वचा पर जमी मैल, गन्दगी दूर होगी। आप इस प्रक्रिया को रोजाना दोहरा सकते हैं या 1-2 दिन के अंतराल के बाद उपयोग कर सकते हैं। स्नान से पहले गुनगुना तेल लगाकर हाथों पर अच्छी तरह मालिश कीजिए जिससे हाथों की त्वचा मुलायम हो जाती है। इसके लिए आप नॉरियल तेल/ तिल/जैतून या बादाम तेल का उपयोग करें तो बेहतर होगा। नहाने के तत्काल बाद जब आपकी त्वचा गीली हो तो हाथों पर मॉइस्चराइजर/क्रीम लगा लीजिए जिससे त्वचा में नमी बनाए रखने में मदद मिलेगी। बादाम, दही और चुटकी भर हल्दी डालकर बने मिश्रण हाथों पर लगाकर 30 मिनट बाद हाथों को ताजा ठण्डे पानी से धो डालिए। इस प्रक्रिया को आप हफ्ते में दो बार अपना सकते हैं। रात्रि को सोने से पहले हाथों पर पोषक क्रीम की हल्की मालिश के बाद सो जाइए।

हाथों की त्वचा को मुलायम बनाए रखने के लिए आप कुछ घरेलू हर्बल प्रसाधनों की मदद भी ले सकती हैं। आजकल बाजार में कई तरह के मॉइस्चराइजर, हैंड क्रीम आदि उत्पाद उपलब्ध हैं। बॉडी लोशन की बजाय हैंड क्रीम हमेशा बेहतर साबित होती है क्योंकि हैंड क्रीम ज्यादा पोषक होती है। पानी पर आधारित लोशन लगाने से त्वचा में सूखापन बढ़ता है क्योंकि पानी हवा में उड़ जाता है। इसके मुकाबले ऑयल आधारित क्रीम लगाना कहीं ज्यादा प्रभावी तथा लाभप्रद रहता है। जब भी आपके हाथ शुष्क हों तो तत्काल हैंड क्रीम लगाना ना भूलें। हाथों को धोने के लिए उपयोग किए जाने वाले साबुन हल्के तथा सुगन्धरहित होने चाहिए।

चार चम्मच बादाम तेल, एक चम्मच गुलाब जल तथा आधा चम्मच टिनचर बेंजोइन मिला कर बने मिश्रण को हाथों पर लगाकर सूती कपड़े से ढंक लें तथा इसे रातभर हाथों पर लगा रहने के बाद सुबह ताजा पानी से धो डालिए। इससे आपके हाथ कोमल तथा मुलायम हो जायेंगे। लोशन की बजाय आप क्रीम/आयॅन्टमेंट को प्राथमिकता दीजिए क्योंकि यह ज्यादा प्रभावी होते हैं। नींबू जूस और चीनी को हाथों पर रगड़ने से त्वचा मुलायम होती है। हाथों की त्वचा की रंगत निखारने/मुलायम करने के लिए थोड़ी-सी चीनी में नींबू रस मिलाकर हल्की मालिश करके थोड़ी देर बाद गुनगुने पानी से धो डालिये। दो चम्मच सूर्यमुखी तेल, दो चम्मच नींबू जूस तथा तीन चम्मच चीनी मिलाकर बनाये गए मिश्रण को हाथों पर लगाकर आधे घण्टे बाद हाथों को ताजा साफ पानी से धो डालिए। इसे हफ्ते में तीन बार प्रयोग कर सकते हैं। ताजा संतरे की फांकों को अलग कर इन्हें अपने हाथों पर आहिस्ता-आहिस्ता रगड़िये। चोकर, बेसन, हल्दी तथा दूध मिला कर इसका पेस्ट बना लीजिए। इस मिश्रण को 20 मिनट तक हाथों पर लगाने के बाद ताजा पानी से धो डालिए। घर से बाहर निकलने से पहले हाथों पर सनस्क्रीन लोशन का लेप करना न भूलें ताकि सूर्य की अल्ट्रा वायलेट किरणों से हाथों को सुरक्षित रखा जा सके। सर्दियों में नारियल तेल हाथों की कोमलता बनाये रखने में सहायक होता है। नारियल तेल से हाथों की मालिश करने से त्वचा का रूखापन खत्म हो जाता है और हाथ नरम, मुलायम और कोमल दिखने लगते हैं।

आज का राशिफल

मेष : रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी।

वृष : कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी।

मिथुन : जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। परिवारजनों के सहयोग से काम बनाना आसान रहेगा। थाड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे।

कर्क : परिवारजन का सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा।

सिंह : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा।

कन्या : शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी।

तुला : कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी।

वृश्चिक : स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा।

धनु : महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं।

मकर : धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। अनुभूतियां प्रबल होगी।

कुंभ : शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी।

मीन : धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है।

संक्षिप्त खबरें

पीवीयूएनएल साइडिंग में भारतीय रेलवे नेटवर्क से जुड़ा, कोयला आपूर्ति के लिए किया गया लोको परीक्षण

पतरातू। पतरातू स्थित पीवीयूएनएल संयंत्र ने भारतीय रेलवे नेटवर्क से पहली बार जुड़कर कोयला आपूर्ति के लिए लोको परीक्षण सफलतापूर्वक आयोजित किया। इस महत्वपूर्ण मौके पर पीवीयूएनएल के सीईओ आर के सिंह, जीएम देवदीप बोस, जीएम प्रोजेक्ट अनुपम मुखर्जी और जीएम, मनीष खेत्रपाल समेत अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। यह परीक्षण न केवल पतरातू परियोजना के लिए बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए भी एक ऐतिहासिक घटना है। इसके द्वारा कोयला आपूर्ति और बिजली उत्पादन के क्षेत्र में नई संभावनाओं की शुरूआत हो रही है। इस पहल से क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलेगा और क्षेत्र के समग्र विकास में योगदान होगा। पीवीयूएनएल द्वारा इस महत्वपूर्ण परीक्षण के सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद, पतरातू परियोजना को एक नया मील का पत्थर हासिल हुआ है।

विवेकानंद सेवा आश्रम में स्वामी विवेकानंद की 163 वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई

हजारीबाग। स्वामी विवेकानंद की 163 वीं जयंती हजारीबाग के बिष्णुगढ़ स्थित विवेकानंद सेवा आश्रम के मंदिर परिसर में बड़े धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर विशेष पूजा, हवन और आरती का आयोजन किया गया। पूजा के बाद मंदिर में उपस्थित बच्चों, शिक्षकों,अभिभावकों और भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ उनके अभिभावक भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में हजारीबाग के जबरा रोड स्थित विवेकानंद क्लबके निदेशक गजानंद पाठक और हजारीबाग विवेकानंद युवा महामंडल के अध्यक्ष अनूप सिन्हा ने भी शिरकत की। इन महानुभावों ने स्वामी विवेकानंद के जीवन और उनके योगदान पर विचार व्यक्त किए और युवाओं को उनके मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। स्वामी विवेकानंद की जयंती के इस अवसर पर आश्रम के मंदिर परिसर में विशेष धार्मिक उत्सव का आयोजन किया गया और उनके सिद्धांतों के प्रचार-प्रसार के लिए कई कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई।

सड़क सुरक्षा सप्ताह के उपलक्ष्य में पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन

पतरातू। पतरातू स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में सड़क सुरक्षा सप्ताह के मौके पर अल्ट्राटेक सीमेंट बर्नपुर द्वारा पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाना था। प्रतियोगिता का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और पुष्पार्जन से हुआ, जिसमें अल्ट्राटेक सीमेंट बर्नपुर के एचआरडी भुवनेश मिश्रा, सेफ्टी ऑफिसर सर्वेश दुबे, लॉजिस्टिक डिपार्टमेंट के प्रमुख पंकज सिन्हा और अविनाश कुमार ने भाग लिया। सभी प्रतियोगियों ने सड़क सुरक्षा से संबंधित अपने विचारों और छवियों को कागज पर उतारने का प्रयास किया। इस दौरान अल्ट्राटेक सीमेंट के अधिकारियों ने बच्चों को सड़क सुरक्षा के बारे में विस्तार से बताया और उन्हें सड़क पर चलने के नियमों से अवगत कराया। इस दौरान एक नारा भी दिया गया, ₹परवाह करेंगे, सुरक्षित रहेंगे₹, जिसका उद्देश्य बच्चों को सड़क सुरक्षा के महत्व को समझाना था। प्रतियोगिता के अंत में विजयी छात्र-छात्राओं को पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य सुरेंद्र कुमार पाठक और अन्य शिक्षक भी उपस्थित थे, जिन्होंने कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी का धन्यवाद किया।

विधायक प्रदीप प्रसाद ने विकास कार्यों की समीक्षा कर क्षेत्र के समग्र विकास को सुनिश्चित करने का किया संकल्प

संवाददाता

हजारीबाग। सदर विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रदीप प्रसाद ने मंगलवार को जिले के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की, जिसमें जिले के ग्रामीण और शहरी इलाकों में चल रहे विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जिला उप विकास आयुक्त (डीडीसी) इश्तियाक अहमद, जिला योजना पदाधिकारी पंकज तिवारी और जिला कल्याण पदाधिकारी सुभाष कुमार ने भी भाग लिया।विधायक प्रदीप प्रसाद ने बैठक में कहा कि हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र को आदर्श क्षेत्र बनाने का उनका मुख्य उद्देश्य है और इसके लिए सभी विकास कार्यों को पारदर्शी, समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि किसी भी योजना के क्रियान्वयन में कोई भी लापरवाही नहीं होनी चाहिए और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। बैठक में विधायक ने विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों की बुनियादी सुविधाओं की कमी पर चिंता व्यक्त की और अधिकारियों को निर्देश दिया कि सड़क, पेयजल, बिजली, स्वास्थ्य सेवाएं और शिक्षा जैसी बुनियादी सेवाओं को प्राथमिकता पर पूरा किया जाए। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए और उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाए। शहरी क्षेत्रों में बढ़ती जनसंख्या और विकास की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, विधायक ने शहरी क्षेत्रों में जल निकासी, सड़क निर्माण और अन्य आधारभूत सुविधाओं के कार्यों को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। विधायक ने बैठक में चल रही विभिन्न योजनाओं की प्रगति पर भी चर्चा की, जिनमें प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, जल जीवन मिशन और अन्य महत्वपूर्ण योजनाएं शामिल थीं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि हर योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और उनका क्रियान्वयन पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ किया जाए। विधायक ने आदिवासी और पिछड़े वर्गों के लिए योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी जोर दिया और साथ ही ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं, युवाओं और किसानों के लिए कल्याणकारी योजनाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की आवश्यकता जताई।इसके अलावा, विधायक ने कृषि और सिंचाई के क्षेत्र में किसानों को उन्नत कृषि तकनीक, खाद-बीज की उपलब्धता और सिंचाई के बेहतर साधन उपलब्ध कराने पर बल दिया। उन्होंने सरकारी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए शिक्षकों की नियुक्ति, आधारभूत संरचनाओं की मरम्मत और डिजिटल शिक्षा के विस्तार की बात की।स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर विधायक ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों, दवाइयों और उपकरणों की कमी को दूर करने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया। महिला एवं युवा कल्याण के लिए रोजगार पर प्रशिक्षण कार्यक्रम और युवाओं के लिए खेलकूद व कौशल विकास केंद्र स्थापित करने की आवश्यकता जताई।विधायक प्रदीप प्रसाद ने विकास कार्यों की निगरानी के लिए क्षेत्र का नियमित दौरा करने और जनता से संवाद करने की बात कही। उन्होंने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया कि जन शिकायत निवारण प्रणाली को प्रभावी बनाते हुए जनता की समस्याओं का तुरंत समाधान किया जाए। बैठक के अंत में अधिकारियों ने विधायक को भरोसा दिलाया कि सभी विकास कार्य तय समय सीमा के भीतर पूरे किए जाएंगे और जनता की जरूरतों को प्राथमिकता दी जाएगी। इस बैठक के बाद, विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र का समग्र विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए वह निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

हजारीबाग यूथ विंग की वार्षिक बैठक और आगामी कार्यक्रम का आयोजन

मेगा रक्तदान शिविर : समाज के लिए जीवनदायिनी पहल

संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग यूथ विंग की वार्षिक बैठक संस्था के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन के निवास स्थान पर संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष करण जायसवाल ने की। इस बैठक में संस्था की पिछले साल की उपलब्धियों और आगामी कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य रूप से चर्चा का विषय रहा 3 मार्च 2025 को हजारीबाग के लक्ष्मी सिनेमा हॉल के सभागार में आयोजित होने वाला मेगा रक्तदान शिविर। इस शिविर का उद्देश्य रक्त की कमी से जूझ रहे मरीजों की मदद करना और समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाना है। पिछले वर्ष, 2024 में आयोजित इस शिविर में 130 यूनिट रक्त संग्रह किया गया था, जिसे संस्था ने एक बड़ी उपलब्धि के रूप में देखा। इस बार संस्था ने 175 यूनिट रक्त संग्रह का लक्ष्य निर्धारित किया है, जो अब तक का सबसे बड़ा लक्ष्य होगा। इस कार्यक्रम के संयोजक के रूप में अध्यक्ष करण जायसवाल और सहसंयोजक के रूप में रोहित बजाज को नियुक्त किया गया है। दोनों ने रक्तदान के महत्व को रेखांकित करते हुए सभी नागरिकों से इस शिविर में भाग लेने की अपील की है। इसके अलावा, 23 फरवरी 2025 को हजारीबाग में एक व्यापक मेडिकल कैंप का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें रांची के मेडिक्योर हॉस्पिटल का विशेष सहयोग रहेगा। इस कैंप में मुफ्त स्वास्थ्य जांच, डॉक्टरों द्वारा परामर्श, और जरूरतमंदों को मुफ्त दवाइयां दी जाएंगी।संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने अपने संबोधन में कहा कि संस्था का उद्देश्य केवल कार्यक्रमों का आयोजन करना नहीं है, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाना है। रक्तदान जीवन बचाने का कार्य करता है और यह हमारे समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी सदस्यों से आग्रह किया कि वे पूरी लगन और मेहनत से इस साल के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहयोग करें।

विभावि परिसर में भारतीय पारंपरिक खेल मल्लखंभ का आयोजन

संवाददाता

हजारीबाग। गणतंत्र दिवस के अवसर पर 24 जनवरी 2025 को फिट इंडिया कार्यक्रम के तहत विनोबा भावे विश्वविद्यालय में भारतीय पारंपरिक खेल मल्लखंभ का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन विवेकानंद सभागार में अपराह्न 01 बजे से शुरू होगा और यहां विद्यार्थियों को भारतीय परंपराओं से परिचित कराते हुए फिट रहने के प्रमाणित कौशल के बारे में जानकारी दी जाएगी। इस विशेष कार्यक्रम का नेतृत्व विश्व गुरु पद्मश्री उदय देशपांडे करेंगे, जो भारतीय खेलों को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाने के लिए प्रसिद्ध हैं। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को केवल शारीरिक फिटनेस ही नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और परंपराओं से भी अवगत कराया जाएगा। मल्लखंभ का इतिहास प्राचीन भारत से जुड़ा हुआ है और इसे शारीरिक और मानसिक संतुलन को सुदृढ़ करने के लिए एक अद्वितीय योग और व्यायाम प्रणाली के रूप में माना जाता है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० पवन कुमार पोद्दार ने इस आयोजन के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि मल्लखंभ न केवल शारीरिक सशक्तिकरण का एक माध्यम है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति की अनमोल धरोहर भी है। इस कार्यक्रम की जिम्मेदारी फिट इंडिया के नोडल पदाधिकारी और अर्थशास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ० उमेंद्र सिंह को सौंपी गई है। मल्लखंभ का प्रचलन मराठा साम्राज्य में हुआ था, जब इसे पहलवानों के शारीरिक क्षमता और लचीलापन को बढ़ाने के लिए प्रयोग किया जाता था। इस खेल में लकड़ी के खंभे या रस्सी पर योगासन और शारीरिक व्यायाम का अभ्यास किया जाता है, जो आज भी दुनिया भर में प्रचलित है। इस अवसर पर हुनरबाज-देश की शान टीवी शो के विजेता आकाश कुमार सिंह का प्रदर्शन भी होगा, जो इस खेल के प्रति युवा पीढ़ी को प्रेरित करेगा।

विष्णुगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में प्रखंडस्तरीय स्वास्थ्य मेला का आयोजन

बगोदर विधायक नागेन्द्र महतो ने कराई अपनी स्वास्थ्य जांच

संवाददाता

विष्णुगढ़। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र विष्णुगढ़ में मंगलवार को प्रखंडस्तरीय स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बगोदर विधायक नागेन्द्र महतो शामिल हुए। दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। विधायक ने अपने संबोधन में कहा कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का वास होता है, इसलिए लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना चाहिए और किसी भी प्रकार के रोग को छिपाना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि अब प्रत्येक प्रखंड में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, जांच और दवाएं उपलब्ध हैं। इसके अलावा, पंचायत में स्वास्थ्य सहिया कार्यरत हैं, जो लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और सहायता प्रदान करती हैं। सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। विधायक ने आगे बताया कि आज के समय में खानपान और दिनचर्या में भारी बदलाव आया है, जिससे स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। इसके बचाव के लिए शुद्ध, सात्विक भोजन, तनावरहित जीवन और योग को अपनाने की सलाह दी।स्वास्थ्य मेला में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ० अरूण कुमार सिंह ने सरकार द्वारा स्वास्थ्य विभाग में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं और उनके लाभों के बारे में जानकारी दी। इसके बाद, विधायक ने मेले में लगे विभिन्न स्वास्थ्य विभाग के स्टॉलों का निरीक्षण किया और खुद अपने मधुमेह एवं ब्लड प्रेशर की जांच कराई। उन्होंने योग स्टॉल पर सांकेतिक रूप से योग भी किया और लोगों से इसे अपनी दिनचर्या में अपनाने की अपील की। इस स्वास्थ्य मेले में मलेरिया, कुष्ठ, दंत विभाग, आयुष्मान पंजीकरण, एचआईवी, टीकाकरण, महिला एवं प्रसूति रोग, टीबी आदि की जांच और इलाज के लिए स्टॉल लगाए गए थे। इस कार्यक्रम में कोडरमा सांसद प्रतिनिधि भुवनेश्वर पटेल, हजारीबाग सांसद प्रतिनिधि सुखदेव रजवार, विधायक प्रतिनिधि अजय मंडल, प्रमुख जैबुन निशा, बीडीओ अखिलेश कुमार समेत कई अन्य लोग भी उपस्थित थे।

सोहराय पर्व के अवसर पर जरूरतमंदों के बीच वस्त्र वितरण

संवाददाता

विष्णुगढ़। प्रकृति पर्व सोहराय के मौके पर समाजसेवी हीरामन महतो द्वारा मंगलवार को अलखरी खुर्द टोला उखरबार में जरूरतमंद वृद्ध एवं विधवा माताओं के बीच साड़ी और स्वेटर का वितरण किया गया। इस अवसर पर महतो ने कहा कि सोहराय पर्व आदिवासी समुदाय का एक प्रमुख पर्व है, और इस पर्व पर उन्होंने निजी खर्च पर असहाय माताओं को नए वस्त्र वितरित कर उनकी खुशी में हिस्सा लिया। नई साड़ी और स्वेटर प्राप्त कर दर्जनों जरूरतमंदों ने समाजसेवी का आभार जताया और कहा कि ऐसे अवसरों पर समाज की सेवा करने से उन्हें अत्यधिक संतुष्टि मिलती है। इस अवसर पर मेहीलाल मांझी, मेघलाल मांझी, जीवलाल मांझी, मुन्नी देवी, पूजा देवी, बड़की देवी, सुरजमुनी देवी, लखन मुर्मू समेत कई अन्य लोग भी उपस्थित थे। महतो ने बताया कि इस प्रकार की सेवा से समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी पूरी होती है और उन्हें आंतरिक खुशी मिलती है।

मोहम्मद कलाम आजाद की श्रद्धांजलि सभा का आयोजन, हजारीबाग के कलाकारों ने दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

हजारीबाग। सांस्कृतिक विकास केंद्र संगीत महाविद्यालय के सभागार में मशहूर कव्वाल और गायक मरहूम मोहम्मद कलाम आजाद की श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर हजारीबाग के विभिन्न कलाकारों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और निर्गुण भजनों के माध्यम से संगीतपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरूआत दिवंगत आत्मा की शांति के लिए मौन प्रार्थना से की गई। इसके बाद महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा भजन प्रस्तुत किए गए, जिनमें प्रमुख रूप से निशु राज, प्रियांशी, आर्या सुमन और नेहा कुमारी द्वारा 'भजन भजमन राम चरण सुखदाई' की प्रस्तुति की गई।इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के केंद्र अधीक्षक अशोक सिन्हा ने स्वर्गीय कलाम साहब को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे कौमी एकता के एक जीवित उदाहरण थे। उनका संगीत विभिन्न धर्मों के बीच एकता की मिसाल था। वे कव्वाली, गजल और भजन गायकी में माहिर थे और अपने जीवन में सैकड़ों शिष्यों को प्रशिक्षित किया। इसके साथ ही वे स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय अवसरों पर भी सक्रिय रूप से भाग लेते थे।श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में बिजली विभाग हजारीबाग चतरा के अधीक्षण अभियंता अशोक उपाध्याय, प्रो. बी. के. झा, शहर के वरिष्ठ कलाकार मनोज सिन्हा, संस्कृति कर्मी प्रहलाद सिंह, आर्ट एंड कल्चरल ट्रस्ट के अध्यक्ष राम किशोर सावंत, सचिव प्रदीप पाठक और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन संतोष कुमार सुमन के 'हे राम' भजन के साथ हुआ।

कला हजारीबाग की शान, कलाकारों की पहचान

बहु-प्रतिभा के धनी कलाकार चंदन कुमार चौबे

प्रदीप पाठक

हजारीबाग। हजारीबाग शहर के बड़का गांव रोड, लक्ष्मी नारायण नगर में रहने वाले चंदन कुमार चौबे एक बहु-प्रतिभाशाली कलाकार हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत और समर्पण से संगीत और नाट्य मंचन में विशिष्ट पहचान बनाई है। गिटार वादन, हारमोनियम वादन, भोजपुरी गाने, फिल्मी गाने और नाट्य मंचन में उनका योगदान अत्यधिक सराहनीय है। चंदन कुमार चौबे का जन्म ग्राम करनई, जिला सिवान, बिहार में हुआ। बचपन में ही वे मंदिरों में भजन गाने जाते थे, जहां उनकी गायकी के प्रति रुचि विकसित हुई। मंदिरों में लोग कोरस करते थे, ड्रम बजाते थे और भजन गाते थे, जिससे उनका मन गायकी की ओर आकर्षित हुआ। जब वे स्कूल में थे, तब उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में गायकी से लोगों के दिलों में अपनी एक अलग पहचान बनाई। गायकी की शिक्षा उन्होंने अपने पहले गुरु संतोष चौबे से ली, जो गांव के प्रसिद्ध गायकों में से थे। हालांकि, चंदन कुमार के माता-पिता को उनके गायक बनने की इच्छा से बिल्कुल भी खुश नहीं थे, क्योंकि परिवार में संगीत और गायकी को लेकर कोई उत्साह नहीं था। बावजूद इसके, चंदन ने संगीत के क्षेत्र में अपने कदम बढ़ाए और उत्तर प्रदेश में अपनी इंटर की शिक्षा के दौरान संगीत और थिएटर में गहरी रुचि विकसित की। 2003 में, हजारीबाग के मारखम कॉलेज से बीए की पढ़ाई करते हुए चंदन कुमार ने नाट्य मंचन में भाग लिया और थिएटर की कला को समझने का अवसर पाया। वहीं उनकी मुलाकात मनोज कुमार गुप्ता से हुई, जिन्होंने उन्हें नाट्य मंचन की बारीकियां सिखाईं। इसके बाद वे हजारीबाग सम्राट संस्था से जुड़ गए, जहां के डायरेक्टर राकेश गौतम ने उन्हें कई मंचों पर नाटक प्रस्तुत करने का अवसर दिया। इन दोनों गुरुओं ने चंदन कुमार के अभिनय में निखार लाया और वे कॉलेज, यूनिवर्सिटी, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर नाटकों में अनेकों यादगार किरदार निभा चुके हैं। चंदन कुमार चौबे ने शास्त्रीय संगीत की शिक्षा स्वर्गीय राजन बाबू और राज किशोर प्रसाद से प्राप्त की। शास्त्रीय संगीत में गहरी रुचि होने के कारण उन्होंने प्रयाग संगीत संस्था से शास्त्रीय संगीत में सिक्स ईयर प्रभाकर की डिग्री प्राप्त की। इसके अलावा, उन्होंने हजारीबाग सांस्कृतिक विकास केंद्र से भी शास्त्रीय संगीत की शिक्षा ली और शास्त्रीय संगीत की बारीकियां समझी। 2008 से 2015 तक हजारीबाग जिला प्रशासन द्वारा आयोजित 15 अगस्त और 26 जनवरी के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उनकी लगातार प्रस्तुति रही। इसके अतिरिक्त, उनके द्वारा प्रस्तुत कई भोजपुरी भक्ति गीतों को भी काफी सराहा गया, जिसमें 'ए पुरवईया विन्ध्याचल तू चल जा' जैसे गीतों ने उन्हें एक नया मुकाम दिलाया। चंदन कुमार चौबे का योगदान सिर्फ गायकी तक सीमित नहीं रहा। 2018 से 2024 तक उनके शिष्यों ने भी जिला प्रशासन के कार्यक्रमों में अपनी प्रस्तुतियां दीं। 2023 में, हजारीबाग के बड़ा अखाड़ा में आयोजित राम उत्सव के कार्यक्रम में रामायण नाटक के मंचन में उन्होंने लक्ष्मण का किरदार निभाया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।

संत कोलंबा महाविद्यालय छात्रावास में सफाई अभियान का आयोजन

संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग के संत कोलंबा महाविद्यालय के मुख्य छात्रावास परिसर में विद्यार्थियों द्वारा साप्ताहिक स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। यह अभियान हमारा महाविद्यालय हमारा तीर्थ के ध्येय मंत्र के साथ शुरू किया गया। छात्रावास के वरिष्ठ विद्यार्थी संतोष हेंब्रम ने अभियान का नेतृत्व किया और कहा कि यह पहल केवल परिसर को स्वच्छ बनाने के लिए नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में शारीरिक श्रम के प्रति सम्मान, टीम वर्क की भावना, आपसी भाईचारे को मजबूत करने और सामूहिक नेतृत्व के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। हेंब्रम ने बताया कि इस प्रकार के अभियानों से विद्यार्थियों को एकजुट होने और अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक होने का अवसर मिलता है। इस अभियान में मुख्य रूप से छात्रावास के विद्यार्थी रंजन राम, मुकेश उरांव, अश्विन मरांडी, सुमित कुमार तुरी, सचिन जायसवाल, रितेश कुमार यादव और शिव कुमार महतो ने भी योगदान दिया। इस अवसर पर छात्रावास के पूर्व अधीक्षक डॉ. राज कुमार चौबे ने भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया और अभियान की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, बुधवार 22 जनवरी 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

शुरू होगी स्वीट कार्न व बेबी कार्न की खेती

पूर्वी चंपारण। कृषि विभाग ने जिला के किसानो के लिए बड़ी खुशखबरी लेकर आया है।विभाग जिले में स्वीट कार्न व बेबी कार्न की खेती शुरू करने जा रही है। इसके लिए किसानो को 50 प्रतिशत अनुदान पर बीज उपलब्ध कराया जायेगा। जिला कृषि पदाधिकारी मनीष कुमार सिंह ने बताया कि जिले में पहली बार स्वीट कॉर्न व बेवी कॉर्न की खेती कृषि विभाग कराने जा रहा है। बीज पर किसानों को पचास फीसदी अनुदान मिलेगा। उन्होंने कहा कि अनुदानित योजना के बीज किसानों के खेत में शत प्रतिशत लगवाने का निर्देश सभी बीईओ और संबंधित कर्मियो को दिया गया है। इसके साथ ही मुंगफली, उड़द, मूंग आदि की खेती भी विभाग कराने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने बताया कि विभाग के कर्मी किसानों का चयन कर ऑनलाइन आवेदन कराने का निर्देश दिया गया है। अनुदानित बीज किसानों को अंगूठा लगाने के बाद ही मुहैया कराया जायेगा।

चीनी लोड ट्रक धूं धूंकर जल उठा

अररिया। अररिया के जोकीहाट थाना क्षेत्र के चरघरिया बॉर्डर के समीप चीनी लोड ट्रक में बीती देर रात अचानक से आग लग गई,जिसके बाद ट्रक धूं धूंकर जल उठा। देर रात जब ट्रक में आग की लपटें गांव में नजर आने लगी तो ग्रामीणों ने थाना समेत अग्निशमन विभाग के अधिकारियों को सूचना दी गई,जिसके बाद अग्निशमन विभाग की टीम जोकीहाट समेत अररिया से पहुंचकर घंटों कड़ी मशक्कत के बाद ट्रक में लगे आग पर काबू पाया। चीनी लोड ट्रक अररिया से किशनगंज की ओर जा रही थी। ट्रक में अचानक आग लग गई और देखते-देखते चीनी लोड ट्रक धू-धू कर जलकर राख हो गया। आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है लेकिन ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि ट्रक के निचले हिस्से से शुरू हुई आग पूरे ट्रक को अपने चपेट में ले लिया। अग्निशमन दल द्वारा बड़ी कोशिश के बाद आग पर काबू पाया जा सका लेकिन तब तक चीनी लोड ट्रक जलकर राख हो चुका था।आग ली लपटें देख ग्रामीणों में अफरातफरी का माहौल पैदा हो गया और मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण भी जमा हो गए और अग्निशमन विभाग की टीम को आग पर काबू करवाने के प्रयास में मदद की।

चिन्मयकृष्ण की जमानत याचिका पर अगले सप्ताह सुनवाई

कोलकाता। संयुक्त सनातनी जागरण जोत के प्रवक्ता चिन्मयकृष्ण दास ने जमानत के लिए बांग्लादेश उच्च न्यायालय में आवेदन किये थे। चिन्मय के वकील ने कहा कि मामले की सुनवाई अगले सप्ताह होगी। इस मामले की सुनवाई अगले सोमवार को होने की संभावना है। बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने के आरोप में चिन्मय के खिलाफ राजद्रोह का मामला दर्ज किया गया था। बाद में पुलिस ने उसे ढाका अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले चटगांव मेट्रोपॉलिटन कोर्ट ने चिन्मय की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। उस समय न्यायालय भवन वस्तुतः युद्धक्षेत्र जैसा प्रतीत होने लगा।झड़प में एक वकील की भी मौत हो गई। इसके बाद भी अदालत ने चिन्मय की जमानत याचिका दो बार खारिज कर दी। किसी को भी उनकी ओर से बहस करने से रोकने के लिए, हिंदू वकीलों को अदालत कक्ष में प्रवेश करने से रोक दिया गया और उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई। चिन्मय के वकील ने सोमवार को कहा, हमने 12 जनवरी को हाईकोर्ट में जमानत के लिए आवेदन किया था। आज, सोमवार को, हमने इस मामले को अदालत में उठाया। अदालत ने कहा कि मामले की सुनवाई अगले सप्ताह सूची के अनुसार की जाएगी। चिन्मय की गिरफ्तारी के बाद से लगातार आरोप लग रहे हैं कि मुहम्मद यूनुस की कार्यवाहक सरकार ने उन्हें बिना किसी कारण के कैद कर रखा है। ऐसे में सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि हाईकोर्ट चिन्मय को जमानत देता है या नहीं।

दुआरे राशन में निम्नमान के सामान दिए जाने का आरोप

कोलकाता। दुआरे राशन में घटिया गुणवत्ता वाली वस्तुएं दिए जाने की शिकायतें। मयनागुड़ी के उल्लादाबरी इलाके में घटना को लेकर विरोध प्रदर्शन। घटना की खबर मिलते ही मयनागुड़ी थाने की पुलिस और खाद्य विभाग के इंस्पेक्टर राजेश पंडित घटनास्थल पर पहुंचे। शिकायत यह है कि राशन में दिए जा रहे आटे की गुणवत्ता बेहद खराब है। यहां तक आरोप लगाए गए हैं कि उबले चावल की जगह अताप चावल परोसा जा रहा है।

हमारा संविधान हमारे प्राचीन मूल्यों को प्रतिबिंबित करता है : राज्यपाल

पटना। अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के समापन सत्र में मंगलवार को बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि हमारा संविधान हमारे प्राचीन मूल्यों को प्रतिबिंबित करता है। पीठासीन पदाधिकारी सम्मेलन में लिए गए फैसले से हमारा लोकतंत्र और मजबूत होगा। राज्यपाल खान ने कहा कि राजनीति का मतलब त्याग, ज्ञान प्राप्त करना और संस्कारी होना है। सभी को अपने दिल में समाहित करने की क्षमता है। इस मौके पर पीठासीन पदाधिकारियों से उन्होंने कहा कि लोक कल्याण और लोक संग्रह के लिए आपको काम करना है ताकि हर व्यक्ति तक न्याय पहुंच सके और जो स्वार्थ के लिए काम करते हैं वे अज्ञानी हैं। भारत के संविधान के अंगीकरण की 75वीं वर्षगांठ पर भारतीय विधायी संस्थाओं के पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन ने सामूहिक रूप से भारतीय संविधान के प्रति अपनी संपूर्ण आस्था व्यक्त की तथा संकल्प लिया कि संविधान में निहित मूल्यों और आदर्शों के अनुरूप अपने अपने सदनों का कार्य संचालन करेंगे।भारतीय विधायी संस्थाओं के पीठासीन अधिकारियों ने पुनः सामूहिक रूप से संकल्प लिया कि विधायी संस्थाओं में बाधारहित व्यवस्थित चर्चा एवं परिचर्चा को सुनिश्चित करेंगे, ताकि विधायी एवं नीतिगत मुद्दों पर जनहित में श्रेष्ठ संवाद का वातावरण बन सके।

एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन में गरजे पांचों घटक दलों के प्रदेश अध्यक्ष, 'बनेगी एनडीए सरकार'

बिहार के विकास और एनडीए की मजबूती पर बोले डॉ० दिलीप जायसवाल : बनेगी फिर से एनडीए सरकार

संवाददाता

सीवान। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल सहित एनडीए घटक दलों के सभी प्रदेश अध्यक्षों ने सीवान में आयोजित एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन में हिस्सा लिया। सभी ने स्वर में स्वर मिलाते हुए कहा कि इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव में हम जीतेंगे और प्रदेश में फिर से एनडीए की सरकार बनेगी।

सीवान के गांधी मैदान में आयोजित विराट एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन का उद्घाटन भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ० दिलीप जायसवाल, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, लोजपा (आर) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी, हम के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह, रालोमो के प्रदेश अध्यक्ष मदन चौधरी ने संयुक्त रूप से किया। इस सम्मेलन में सभी घटक दल के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में जुटे। इस सम्मेलन के जरिए सभी घटक दलों के कार्यकर्ताओं ने एकजुटता दिखाते हुए बूथ स्तर तक इस गठबंधन को मजबूत बनाने का विश्वास अपने अध्यक्षों को दिया। इस संयुक्त कार्यकर्ता सम्मेलन में एनडीए के कई सांसद, विधायक और विधान पार्षद भी शामिल हुए। सम्मेलन में आए एनडीए कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी एक ऐसी पार्टी है जिसमें आंतरिक लोकतंत्र है, जो परिवारवाद और वंशवाद से दूर है और जिसकी बुनियाद सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, अंत्योदय और सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की विचारधारा है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अपने विचारों के प्रति समर्पित देश सेवा एवं गरीब कल्याण के लक्ष्य के साथ काम करने वाली पार्टी है। उन्होंने एनडीए कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज इसी गरीब कल्याण के लक्ष्य को लेकर केंद्र में नरेंद्र मोदी और प्रदेश में नीतीश कुमार की सरकार आगे बढ़ रही है।

उन्होंने दावा करते हुए कहा कि इस साल होने वाले चुनाव में भी एनडीए जीतेगी और नीतीश कुमार के नेतृत्व में फिर से एनडीए की सरकार बनेगी। भाजपा के अध्यक्ष डॉ० जायसवाल ने कहा कि नीतीश कुमार के विकास मॉडल की चर्चा आज देशभर में होती है।

इस साल होने वाले चुनावी रण में हम पांचों दल 'पांडव' की तरह असत्य के सहारे और भ्रम फैलाकर राजनीति करने वाले कौरवों को धाराशयी करेंगे। उन्होंने इशारों ही इशारों में राजद को निशाने पर लेते हुए कहा कि यह सीवान की धरती है। उन्होंने एक मुहावरे ' कुत्ते की मौत मरोगे ' का जिक्र करते हुए कहा कि जो अपराधी राजनीति में आना चाहते हैं, उनका नीतीश की सरकार में कोई स्थान नहीं है। वे कुत्ते की मौत मरेंगे। उन्होंने वैसे दलों को भी निशाने पर लिया जो अपराधियों को राजनीति में स्थान देते हैं। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार को नया आयाम दिया। उन्होंने लोगों को यह भरोसा दिया कि अगर सुशासन के साथ विकास की नीति को अपनाया जाए, किसी भी प्रदेश को विकास के रास्ते पर ले जाया जा सकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि राजद की सरकार ने बिहार को पिछड़ेपन, भ्रष्टाचार और गुण्डाराज की ओर धकेल दिया था और आज नीतीश ने बिहार में विकास की एक लंबी लकीर खींच दी है। उन्होंने कहा कि एनडीए विकास की प्रतीक है। लोजपा (रामविलास) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी ने कहा कि बिहार आज एनडीए के नेतृत्व में विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि राजद हो या कांग्रेस का शासनकाल, बिहार के लिए वह काला अध्याय है। एक ने इमरजेसी लगाने का पाप किया तो राजद ने नरसंहार और दंगे करवाने का महापाप किया।

लोकसभा अध्यक्ष ने अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन में कहा

देश की आजादी से लेकर अब तक की डिबेट का संकलन हिन्दी और अंग्रेजी में प्रकाशित होगा

एजेंसी

पटना। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को बिहार विधानसभा में अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन में कहा कि देश की आजादी से लेकर अब तक की डिबेट का संकलन हिन्दी और अंग्रेजी में प्रकाशित होगा। साथ ही 22 भारतीय भाषाओं में इसका अनुवाद भी होगा।

लोकसभा अध्यक्ष ने 85वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के दो दिवसीय सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) की मदद से साल 1947 से लोकर अबतक के डिबेट का संकलन हिन्दी और अंग्रेजी में प्रकाशित करेंगे। भविष्य में उनका 22 भारतीय भाषाओं में अनुवाद करेंगे। उन्होंने कहा कि जनता की भागीदारी बढ़ाकर विधायी संस्थाओं को मजबूत और प्रभावी बनाना है।

ओम बिरला ने कहा कि सम्मेलन में लिए गए निर्णय और संकल्प देश के लोकतंत्र को सशक्त करेंगे। साथ ही जनता के प्रति और जिम्मेदार बनाएंगे। इसी से जनता की अपेक्षाओं को पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि देश के सभी राजनीतिक दलों को विधायी निकायों की गरिमा बनाए रखने में सहयोग करना चाहिए। यह तभी संभव होगा जब

राजनीतिक दलों के पास अपने सांसदों के लिए आचार संहिता होगी।

सम्मेलन के समापन सत्र में बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश नारायण सिंह, बिहार के उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नंद किशोर यादव और बिहार विधान परिषद के अध्यक्ष अवधेश नारायण सिंह सहित अन्य लोग शामिल हुए।

दुआरे सरकार से पहले मुख्यमंत्री का संदेश

यदि आपसे किसी प्रकल्प के लिए पैसे मांगते हैं तो थाने में डायरी दर्ज कराएं

संवाददाता

कोलकाता। दुआरे सरकार 24 जनवरी को फिर से शुरू हो रही है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि सरकार के पास 37 परियोजनाएं हैं। यदि किसी ने परियोजना का लाभ के लिए आपको पैसे मांगते है तो थाने में जाकर उनके नाम से डायरी दर्ज कराएं। यदि पुलिस डायरी लेने को तैयार नहीं होती है तो सीधे मुख्यमंत्री से शिकायत करिये।

हाजारदुआरी के सामने स्थित विशाल महल लोगों को निःशुल्क सुविधाएं प्रदान करता है। इतिहास की साक्षी भागीरथी नदी हमारे बगल में बहती है। बंगाल के तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके ममता बनर्जी ने नवाब बहादुर इंस्टीट्यूशन के प्रांगण का दौरा किया, जो 200 वर्षों से चल रहा

एक स्कूल है। नवाब के जिले की तीनों लोकसभा सीटों पर कब्जा है। यही कारण है कि सोमवार को सेवा वितरण बैठक में ममता बनर्जी मुर्शिदाबाद के लिए कल्पतरु थीं। साथ ही, वह अपने घर पर शासन भी करती है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों को चेतावनी देते हुए कहा, किसी को भी लालच नहीं करना चाहिए। लोगों के लिए मौजूद रहें।

यदि आप तृणमूल केलिए काम करते हैं, तो आपको लोगों की सेवा करनी होगी। लोग याद रखेंगे। इसके बाद जनता को सलाह दी गई कि यदि उन्हें परियोजना के लिए पैसे मांगते है तो वे पुलिस के पास जाएं। बाद में विधायकों और सांसदों के साथ बंद कमरे में हुई बैठक में उन्होंने चेतावनी दी, किसी भी प्रकार की गुटबाजी या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मैं किसी को पीछे नहीं छोड़ूंगा। हमें विधानसभा की सभी सीटें जीतनी हैं। दूसरे शब्दों में, संदेश स्पष्ट है कि वह लोगों पर भरोसा करके आगे बढ़ने के लिए कृतसंकल्प हैं। कई दिनों के बाद एक लम्बी यात्रा। क्रमिक जिलों में सेवाएं प्रदान करना। लक्ष्य विकास है। यह कहा जा सकता है कि ममता की 2026 की यात्रा एक परिचित राह पर शुरू होने वाली है।

बेलगाम : तेज गति से सरकारी बस ने स्कूटर को मारी टक्कर, दुर्घटना में महिला की मौत, बच्चे को बचा गया

संवाददाता

कोलकाता। सुबह हुए सड़क हादसे को लेकर जादवपुर में तीव्र उत्तेजना। स्कूटर सवार लोग बेलगाम तेज गति से चलने वाली सरकारी बसों के शिकार हो गयी। बस की टक्कर से एक महिला यात्री की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति। उनकी चार साल की बेटी को बल के बल पर बचा लिया गया। सुबह करीब सात बजे हुई इस दुर्घटना से जादवपुर जैसे व्यस्त इलाके में तनाव पैदा हो गया है। यातायात बाधित हो गया। बाद में यातायात पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में किया। छोटे बच्चे को दुर्घटना स्थल से बचा लिया गया और जादवपुर पुलिस स्टेशन ले जाया गया। परिवार को सूचित किया गया। जादवपुर थाने पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, स्थानीय निवासी प्रसेनजीत मंडल मंगलवार सुबह करीब 6:45 बजे अपनी चार वर्षीय बेटी अंकिता और पत्नी देबश्री के साथ ढाकुरिया जा रहे थे। वे अपनी बेटी को ढाकुरिया स्थित बिनोदिनी गर्ल्स स्कूल छोड़ने जा रहे थे। यह दुर्घटना जादवपुर 8बी बस स्टैंड के पास घटी। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि जादवपुर-बेहाला चौराहे के लिए जाने वाली एस31 बस उस समय बस स्टैंड से निकली ही थी। लेकिन शुरूआत में उसकी गति इतनी तेज थी कि प्रसेनजीत बाबू का स्कूटर लगभग बस के नीचे चला गया।

उनकी पत्नी देवश्री की मौके पर ही मौत हो गई। स्कूटर चालक प्रसेनजीत गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें बाघाजतिन अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि, इतनी बड़ी दुर्घटना के बाद भी चार वर्षीय अंकिता को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। उसे जादवपुर थाने की पुलिस ले जाया गया है। स्थानीय निवासी सुबह हुई इस दुर्घटना के लिए सरकारी बस की तेज गति को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि एस31 बस स्टैंड से निकलने के बाद इतनी तेजी से गति पकड़ लेगी। कई लोगों का कहना है कि प्रतिस्पर्धा के कारण अक्सर निजी बस चालकों को सड़क दुर्घटनाओं के लिए दोषी ठहराया जाता है। लेकिन इस मामले में सरकारी बसों की गति पर अंकुश क्यों नहीं लगाया जा सका? परिवहन विभाग को भी इस पर आलोचना का सामना करना पड़ा है। सवाल यह उठता है कि क्या सड़क सुरक्षा संबंधी सभी प्रतिबंध और नियम केवल निजी बसों पर ही लागू होते हैं।

बासन्ती में छात्रा हत्या मामले में 2 गिरफ्तार

कोलकाता। दक्षिण 24 परगना के बासन्ती में एक छात्रा की हत्या के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दीपेन कयाल और बुद्धदेव सरदार नाम के दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का दावा है कि पूछताछ के दौरान उन्होंने अपना अपराध कबूल कर लिया है। मोबाइल फोन लोकेशन के आधार पर पता चला कि दोनों आरोपी घटनास्थल पर ही थे। प्रारंभिक तौर पर माना जा रहा है कि छात्रि की हत्या त्रिकोण प्रेम के कारण की गई।

सरकार ने संजय को फांसी देने की मांग को लेकर दायर की याचिका

डिवीजन बेंच ने मामला दर्ज करने की अनुमति दी

संवाददाता

कोलकाता। जैसा कहते हैं, वैसा ही करते हैं। सोमवार को आरजी कर मामले में फैसला आने के तुरंत बाद असंतोष व्यक्त करते हुए राज्य सरकार ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने का फैसला किया था। बिना समय बर्बाद किये राज्य सरकार ने मंगलवार की सुबह एक आवेदन के साथ कोलकाता उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया।

राज्य के महाधिवक्ता किशोर दत्ता ने हाईकोर्ट में अपील दायर कर दोषी संजय रॉय के लिए अधिकतम सजा यानी मौत की सजा की मांग की। सूत्रों के अनुसार, मामला दर्ज करने की अनुमति न्यायमूर्ति देबांग्शु बसाक और न्यायमूर्ति मोहम्मद शब्बार रशीदी की खंडपीठ ने दी है। सोमवार को सियालदह अदालत के न्यायाधीश आरजी कर के डॉक्टर से बलात्कार-हत्या मामले में दोषी संजय रॉय को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। न्यायाधीश अनिर्बान दास ने तर्क दिए कि यह घटना दुर्लभतम नहीं है। इसलिए, अधिकतम सजा नहीं दी गई। अधिकांश जनता की तरह राज्य प्रशासन के अधिकारी भी इस सजा से नाखुश हैं।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पहली प्रतिक्रिया थी, हमने पहले दिन से ही मृत्युदंड की मांग की थी। मैं अब भी ऐसा करता हूं। इस तरह के दरिंदे को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। अगर उसे फांसी पर लटका दिया जाए तो मैं अपने मन को सांत्वना दे सकूंगा। बाद में उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, आरजी कर कांड को अदालत ने इसे दुर्लभतम मामला नहीं माना।

जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और लॉ में भारत का पहला बीए प्रोग्राम शुरू किया

संवाददाता

कोलकाता। जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल (जेजीएलएस), ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी (जेजीयू), इंटरडिसिप्लिनरी शिक्षा में एक अग्रणी संस्थान, ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और लॉ में भारत का पहला बैचलर ऑफ आर्ट्स (बीए) प्रोगाम शुरू करके इतिहास रच दिया है। एआई और कानून में बी.ए. कार्यक्रम एक अग्रणी कार्यक्रम है जिसे प्रौद्योगिकी और कानूनी पेशे के बीच की खाई को पाटने के लिए डिजाइन किया गया है। यह

पाठ्यक्रम छात्रों को मुख्य कानूनी सिद्धांतों के साथ-साथ एआई प्रौद्योगिकियों की गहरी समझ से लैस करेगा। स्नातकों को प्रौद्योगिकी कानून, एआई नीति-निर्माण, अनुपालन और नैतिक शासन में करियर के लिए तैयार किया जाएगा। नए कार्यक्रम का शुभारंभ अकादमिक नवाचार और सामाजिक प्रभाव के लिए जेजीयू की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। इस अनूठे बी.ए. कार्यक्रम को शुरू करके, विश्वविद्यालय ने एआई क्रांति द्वारा प्रस्तुत चुनौतियों और अवसरों का समाधान करने के लिए कानूनी पेशेवरों को तैयार करने में खुद को अग्रणी के रूप में स्थापित किया है।

इस अग्रणी पाठ्यक्रम के शुभारंभ की घोषणा करते हुए, ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के फाउंडर वाईस चांसलर प्रोफेसर (डॉ.) सी. राज कुमार ने कहा, हमारे कार्यक्रम के शुभारंभ का उद्देश्य एआई और रोबोटिक्स के बीच गहन अंतसंबंधों का पता लगाना है। वैश्विक स्तर पर कानूनी क्षेत्र में एआई के पाँच प्रमुख निहितार्थ हैं। उन्नत कानूनी विश्लेषण को बढ़ावा देनाः एआई-संचालित उपकरण, जैसे कि पूवार्नुमानात्मक विश्लेषण, कानूनी पेशे को बदल रहे हैं। उदाहरण के लिए, संयुक्त राज्य अमेरिका में लेक्स मशीना जैसे उपकरण ऐतिहासिक डेटा के आधार पर केस के परिणामों की भविष्यवाणी करते हैं, जो वैश्विक कानूनी फर्मों और कानूनी तकनीक की प्रगति को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करते हैं। ये नवाचार उन्नत कानूनी विश्लेषण के माध्यम से न्याय के प्रशासन को बढ़ावा देने की आवश्यकता को उजागर करते हैं।

पालतू पशु प्रेमियों (पेट लवर्स) ने रतन टाटा को अनोखे अंदाज में दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

कोलकाता। एक हृदयस्पर्शी संकेत में, कोलकाता में पालतू पशु प्रेमी एक प्रसिद्ध परोपकारी और पशु कल्याण एडवोकेट रतन टाटा को श्रद्धांजलि देने के लिए एक साथ आए। यह श्रद्धांजलि बेलगाचिया पशु चिकित्सा अस्पताल ग्राउंड में आयोजित एक अग्रणी पालतू-मैत्रीपूर्ण मेले का हिस्सा थी।

एक अनोखा उत्सव

सरस्वती भंडार और आई कम्युनिकेशंस द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यक्रम में ज्ञानवर्धक चर्चाऐं, मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम और

मनोरंजन शामिल थे। मेले में पुस्तक प्रदर्शनी, हस्तशिल्प प्रदर्शन और संगीत और नृत्य प्रदर्शन वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित कई गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया। खाने-पीने के स्टॉल भी मौजूद थे, जो तरह-तरह के व्यंजन पेश कर रहे थे।

विशेषज्ञ अंतर्दृष्टि

इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एक चर्चा पैनल था जिसमें बोन्या बोस, अभिषेक दत्ता, रतुल शंकर और नीलांजन सहित प्रमुख हस्तियां शामिल थीं। पैनलिस्टों ने पशु कल्याण, पालतू-मैत्रीपूर्ण स्थानों की आवश्यकता और मानसिक कल्याण को बढ़ावा देने में पशु-सहायता थेरेपी (एएटी), इमोशनल सपोर्ट डॉग्स (ईएसडी), और कैनाइन-असिस्टेड थेरेपी (सीएटी) के लाभों पर अपने दृष्टिकोण साझा किए।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, बुधवार 22 जनवरी 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

गजराज के आतंक से विद्यालय भवन समेत लगभग एक दर्जन घर ध्वस्त

लातेहार। पलामू टाइगर रिजर्व के गारू पूर्वी क्षेत्र के गारू और सरयू सीमा क्षेत्र में हाथियों नें रविवार की रात में जमकर आतंक मचाया। उत्क्रमित मध्य विद्यालय समेत एक दर्जन ग्रामीणों के घर को ध्वस्त कर दिया। शंकर उरांव, जगमनिया देवी, संत्री देवी, चमन उरांव, लुसिया तिर्की आदि कई लोगों के घर तोड़कर अनाज चट कर गया। किसी प्रकार से ग्रामीणों नें खुद तथा परिवार की जान बचाई. गारू पूर्वी रेंजर उमेश कुमार दुबे नें बताया की, सम्बंधित बिट क्षेत्र के वनरक्षी द्वारा घटना स्थल का मुवायना कर लिया गया। चुकि कुछ भुक्तभोगी ग्रामीण का घर लातेहार वन प्रमंडल में है जिसकी प्रक्रिया वहीं से होगा. पीटीआर क्षेत्र में पड़ने वाले की मुआवजा की प्रक्रिया शुरू कर दिया गया है।

गढ़वा एसपी इनामी नक्सली के घर पहुंचे, सरेंडर करने के लिए किया प्रेरित

गढ़वा। पुलिस अधीक्षक दीपक पांडेय और अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान) सोमवार को जिले के डंडई थाना क्षेत्र के लवाही कला गांव में इनामी नक्सली भाकपा माओवादी के सब जोनल कमांडर राजू भुइयां के घर पहुंचे। उन्होंने नक्सली की पत्नी से मुलाकात की। उन्होंने इनामी नक्सली को सरेंडर करने के लिए प्रेरित किया।एसपी दोपहर में इनामी नक्सली के घर पहुंचे। उसकी पत्नी और मां से बातचीत की और उन्हें झारखंड सरकार की सरेंडर नीति की जानकारी दी। राजू भुइयां की पत्नी और मां ने आश्वासन दिया कि राजू को सरेंडर करने के लिए प्रेरित किया जायेगा और निकट भविष्य में उसे सरेंडर करवाया जायेगा।पुलिस अधीक्षक ने उसकी मां और पत्नी को सरेंडर नीति के लाभों के बारे में बताया और अगर उन्हें कोई जरूरत है या कोई समस्या है, तो इस संबंध में जानकारी ली और उनकी जरूरतों को पूरा करने और उनकी समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया।

भाजपा विधायक आलोक चौरसिया ने भाजपा नेता विनय चौबे को दी सांत्वना

मेदिनीनगर। भाजपा डाल्टनगंज विधानसभा विधायक आलोक कुमार चौरसिया एवं वरिष्ठ नेता श्याम नारायण दुबे ने सोमवार को मेराल प्रखंड के हासनदाग गांव में भाजपा नेता विनय कुमार चौबे से मिलकर सांत्वना व्यक्त की।गौरतलब है कि 6 दिन पूर्व विनय चौबे के 25 वर्षीय बड़े पुत्र पीयूष कुमार चौबे, जो एलएलबी के छात्र थे, का असमय निधन हो गया था। इस दुखद घटना की जानकारी मिलते ही विधायक आलोक चौरसिया पार्टी कार्यकताओं के साथ विनय चौबे के आवास पर पहुंचे और शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया। इस मौके पर ओम प्रकाश पाठक, डॉ. दिलीप चौबे, पत्रकार बृजेश मिश्रा, आशीष पांडे, चंदन कश्यप, धर्मेंद्र सिंह, विनय पांडे, संवेदक मिथिलेश तिवारी, अनिल कुमार पांडे, अमलेश दुबे और सुदर्शन चौबे सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे। समय में भाजपा परिवार विनय चौबे और उनके परिवार के साथ खड़ा है।

समाजसेवी सुरेंद्र प्रजापति ने किया रक्तदान

पलामू : पलामू जिले के पांकी प्रखंड अंतर्गत नौडीहा पंचायत के बालूडीह निवासी समाजसेवी सुरेंद्र प्रजापति ने मानवीयता की एक अनूठी मिसाल पेश की है। बता दें कि सुरेंद्र प्रजापति ने पत्रकार की बहन की जान बचाने के लिए अपना रक्तदान किया। यह घटना तब घटी जब पत्रकार की बहन को अचानक गंभीर स्वास्थ्य संकट का सामना करना पड़ा और उसे तत्काल ब्लड की आवश्यकता थी। पत्रकार की बहन को रक्त की आवश्यकता होने पर सुरेंद्र प्रजापति ने बिना किसी देरी के रक्तदान करने का निर्णय लिया। इस नेक कार्य के लिए उन्होंने अस्पताल में जाकर रक्त दान किया, जिससे महिला की जान बचाई जा सकी। उनका यह कार्य क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है। सुरेंद्र प्रजापति की इस साहसिक और प्रेरणादायक कार्रवाई ने यह सिद्ध कर दिया कि इंसानियत और परोपकार की भावना ही सबसे महत्वपूर्ण है।इस घटना के बाद पत्रकार ने सुरेंद्र प्रजापति का धन्यवाद किया और कहा कि समाज में आज भी ऐसे लोग हैं जो दूसरों की मदद करने के लिए हर समय तैयार रहते हैं। उन्होंने कहा सुरेंद्र भाई ने मेरी बहन की जान बचाई, मैं उनका आभारी हूं। उनका यह कदम हम सबके लिए प्रेरणा का स्रोत है। समाजसेवी सुरेंद्र प्रजापति की इस दयालुता और मानवता की भावना ने यह स्पष्ट कर दिया कि समाज में बदलाव लाने के लिए छोटे-छोटे कदम बहुत महत्वपूर्ण होते हैं।

अज्ञात वाहन के धक्के से एक व्यक्ति की मौत

संवाददाता

मेदिनीनगर। हरिहरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत कौवाखोह के समीप एनएच 98 पर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से सत्येन्द्र सिंह 50 वर्ष पिता धर्मदेव सिंह की घटना स्थल पर ही मौत हो गई । घटना रविवार की रात्रि करीब नौ बजे की है। मृतक नगर पंचायत क्षेत्र के भगत तेंदुआ गांव का निवासी था। मृतक मेहनत मजदूरी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। घटना के बाद स्वजनों का रो रो कर बुरा हाल है। मृतक के चाचा गुप्तेश्वर सिंह ने बताया कि सत्येंद्र कौवाखोह से पैदल घर आ रहा था। इसी बीच अज्ञात वाहन के चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। मृतक की पत्नी कुछ दिनों से मायके गई थी उसकी एक छोटी बच्ची है। मुखिया उमेश साव ने घटना पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि मृतक काफी मिलनसार स्वभाव के थे। घटना के बाद भगत तेंदुआ में शोक की लहर है।

चाचा ने भतीजा व भतीजी को पीट कर किया घायल

मेदिनीनगर। रेहला थाना क्षेत्र के कधवन गांव में चाचा ने अपने भतीजा और भतीजी को पीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायलों में नीरज कुमार उम्र 15 वर्ष और छोटी कुमारी उम्र 8 वर्ष का नाम शामिल है। इस संबंध में घायल बच्चों की मां संगीता देवी ने बताया कि सोमवार की शाम हम घर पर नहीं थे। मेरे पति कन्हाई साव पांकी अपने रिश्तेदार के साथ विवाह शादी के मामले में गए थे। इसी बीच मौका का फायदा उठाकर किसी बात को लेकर मेरा देवर सुकन साव और गोतनी सरिता देवी मेरे दोनों पुत्र पुत्री को पीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों के माध्यम से पता चला कि हमारे दोनों पुत्र पुत्री को देवर और गौतमी पीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिए हैं। यह सुनने के बाद जब हम घर पहुंचे तो देखा कि दोनों बच्चों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए विश्रामपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां इलाज के बाद भी चिकित्सकों ने नीरज कुमार की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। अस्पताल में डॉक्टर अभय कुमार के देखरेख में घायल बच्चा का इलाज किया जा रहा है।जहां इलाज के बाद भी उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है।

मोबाइल के लिए युवती ने जहरीला पदार्थ का सेवन कर आत्महत्या की

संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले के पिपरा थाना क्षेत्र के खजुरिया गांव निवासी कामता भुइयां की पुत्री अंजली कुमारी उम्र 16 वर्ष अपना छोटा भाई से मोबाइल के लिए झगड़ा कर जहरीला पदार्थ का सेवन कर आत्महत्या कर ली। इस घटना के बारे में परिजनों ने बताया कि रविवार की रात अंजली कुमारी अपने छोटे भाई के साथ मोबाइल देख रही थी।
इसी बीच छोटा भाई अंजली से मोबाइल छीन कर अपने माता-पिता के पास सोने चल गया। इस बीच गुस्से में आकर अंजली कुमारी जहरीला पदार्थ का सेवन कर ली और आराम से घर में सो गई। रविवार की सुबह जब परिजन उसे उठाने गए तो देखा कि उसकी मृत्यु हो गई है। इसके बाद स्थानीय लोगों के द्वारा इस घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए मेदनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है। वही इस घटना के बाद से पुलिस घटना से संबंधित मामले की छानबीन में जुट गई है।
इस संबंध में पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी चंदन कुमार ने बताया कि अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौत हुई है। पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजनों को सौंप दिया गया है।

24 घंटे में 75 अपराधी गिरफ्तार

संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू पुलिस ने एक विशेष अभियान चलाकर गंभीर अपराध एवं अन्य अपराध के 75 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी को 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार किया गया है। पलामू के पूरे जोन में इस ऑपरेशन को चलाया गया। पलामू के जोनल आईजी सुनील भास्कर के निर्देश पर पलामू, गढ़वा और लातेहार में यह अभियान चलाया गया। गंभीर अपराध के 19 जबकि सामान्य अपराध के 51 समेत, 75 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पलामू में 25, गढ़वा में 29, जबकि लातेहार में 21 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इस दौरान पुलिस ने 122 वारंटों का निष्पादन किया है।
इसके साथ ही पुलिस ने अभियान चलाकर तीन कुर्की जब्ती की कार्रवाई भी की है। गंभीर अपराध के मामले में नौ आरोपियों के नाम को भी सत्यापन किया गया है। पलामू के जोनल आईजी सुनील भास्कर ने बताया कि पुलिस ने स्पेशल ड्राइव चलाया था। स्पेशल ड्राइव को लेकर पलामू, गढ़वा एवं लातेहार के अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए गए थे। आईजी ने बताया कि पुलिस अधिकारियों की टास्किंग की जा रही है और अधिक से अधिक वारंट का निष्पादन करने को कहा जा रहा है।
पुलिस फरार अपराधी एवं वारंटी के खिलाफ अभियान चला रही है और गिरफ्तार कर रही है। पलामू जोन में 78 थाना है जिन में सबसे अधिक 29 थाना पलामू में गढ़वा में 22 वहीं लातेहार में 17 थाना है. इस अभियान में सभी थाना को शामिल किया गया था। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ जल्द ही एक और बड़ा अभियान भी चलाएगी।

ग्रामीणों की समस्याओं का ऑन स्पॉट होगा समाधान

संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू नक्सल प्रभावित इलाके में मौजूद पिकेट की तस्वीर बदलने वाली है। पिकेट से नक्सल विरोधी अभियान का संचालन किया जाता है, लेकिन अब पिकेट से ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। पलामू के इलाके में 2007-08 से पिकेट की स्थापना की शुरूआत हुई थी। पिकेट से कई नक्सल विरोधी अभियान चलाये गये।
अप्रैल 2024 में केंद्र की सरकार ने पलामू को नक्सली मुक्त जिलों की सूची बाहर कर दिया है। यहां कई ऐसे पिकेट हैं जहां से जवानों को क्लोज भी किया गया है। अब पिकेट के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। कुछ दिनों पहले झारखंड सरकार के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर की नेतृत्व में पलामू के नक्सल प्रभावित इलाके में मौजूद चेतमा पिकेट में संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया था. इसी कार्यक्रम में पिकेट के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करने की योजना तैयार की गयी।
पिकेट में एक दिन का प्रशासनिक कार्य किया जाएगा, सुदूरवर्ती इलाके में अधिकारी एक दिन बैठेंगे और ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करेंगे- शशिरंजन, (डीसी पलामू)महीने में एक दिन पिकेट में लगेगा कैंप, ग्रामीणों की सुनी जाएगी समस्याएं पलामू के विभिन्न इलाकों में 17 पुलिस पिकेट मौजूद हैं। हर महीने में एक दिन स्पेशल कैंप का आयोजन किया जाएगा और ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। पिकेट में एक दिन अंचल अधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी के साथ प्रशासन का सारा तंत्र मौजूद रहेगा और ग्रामीणों की समस्याओं को सुना जाएगा. अधिकारी ऑन स्पॉट ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करेंगे।

डायन कुप्रथा और सामाजिक अंधविश्वास के खिलाफ चला जागरुकता अभियान

संवाददाता

मेदिनीनगर। किशुनपुर ओपी अंतर्गत डायन कुप्रथा को समाप्त करने और समाज में व्याप्त अंधविश्वास के प्रति जागरुकता बढ़ाने के लिए एक विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान में किशुनपुर के सामाजिक कार्यकर्ताओं और युवाओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। जागरुकता अभियान किशुनपुर के मुख्य स्थानों, किशुनपुर मध्य विद्यालय और किशुनपुर हाईस्कूल में आयोजित किया गया। इसमें बच्चों और स्थानीय समुदाय को डायन कुप्रथा जैसी घातक प्रथाओं के सामाजिक और कानूनी दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी गई।
कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को डायन प्रथा को खत्म करने के लिए बनाए गए सख्त कानूनों की जानकारी दी गई। उन्हें यह भी बताया गया कि ऐसी प्रथाओं से जुड़ी घटनाओं को रोकने और प्रभावित व्यक्तियों की सुरक्षा के लिए कानून का सहारा कैसे लिया जा सकता है। इस अभियान का उद्देश्य समाज को जागरूक बनाना और ऐसे कुप्रथाओं के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाने की प्रेरणा देना था।

पलामू के मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज में क्यों हो रहा है हंगामा ?

प्रिंसिपल और छात्र एक दूसरे पर लगा रहे हैं कई आरोप

संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले के मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल में प्रशासनिक छापेमारी के बाद हंगामा जारी है। प्रशासनिक छापेमारी में मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल से शराब की बोतलें समेत कई सामान बरामद किए गए। इसके बाद छात्रों ने जमकर हंगामा किया और प्रशासनिक टीम और प्राचार्य को बंधक बना लिया। छापेमारी के लगातार दूसरे दिन भी छात्रों ने मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य को बंधक बना लिया और नारेबाजी की है।
छात्र और प्राचार्य एक दूसरे पर कई गंभीर आरोप लगा रहे हैं। हालांकि सोमवार की देर शाम सीनियर डॉक्टर और प्राचार्य की मौजूदगी में छात्रों से बातचीत की गई और उन्हें समझाया भी गया। सीनियर डॉक्टर के हस्तक्षेप के बाद छात्र शांत भी हुए. इस बीच मेडिकल कॉलेज से बरामद शराब की बोतलें और आपत्तिजनक सामग्री के मामले में प्रशासनिक कार्रवाई भी जारी है। सदर एसडीएम सुलोचना मीणा ने कहा कि पूरे मामले में उच्चाधिकारी निर्णय लेंगे। मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के डॉ. पारस महतो ने कहा कि कॉलेज की स्थापना के बाद से बच्चों पर किसी का नियंत्रण नहीं रहा है। बच्चों ने अपना साम्राज्य खड़ा कर लिया है। बच्चे इसमें किसी का हस्तक्षेप नहीं चाहते हैं। उनका मनोबल ऊंचा है, बच्चों को संभालने के लिए पुलिस की ही जरूरत पड़ेगी।
उन पर लगे सभी आरोप झूठे हैं और कुछ डॉक्टर भी बच्चों का साथ दे रहे हैं। मेडिकल कॉलेज पर छापेमारी के मामले में छात्रों का कहना है कि प्रिंसिपल की अनुमति के बिना छापेमारी कैसे की गई। प्रिंसिपल के खिलाफ शिकायत की गई थी, जिसके बाद यह छापेमारी की गई।

बीडीएम पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आकर एक व्यक्ति घायल, गंभीर

संवाददाता

मेदिनीनगर। डालटनगंज रेलवे स्टेशन पर बीडीएम पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आकर एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल व्यक्ति की पहचान हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के लोटानिया गांव निवासी मकसूद अंसारी उम्र 45 वर्ष के रूप में की गई है। जानकारी के अनुशार मकसूद अंसारी कुछ दिन पहले मेदिनीनगर अपने पत्नी के आंख का इलाज करवाने शहर के सदीक चौक स्थित सोनाक्षी नेत्रालय में आया था। आंख का इलाज करवा कर वह अपने पत्नी के साथ घर हुसैनाबाद जा रहा था।
इसी बीच डालटनगंज रेलवे स्टेशन पर ट्रेन पकड़ने के क्रम में अचानक वह ट्रेन के नीचे आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। उसके बाद स्टेशन पर बैठे यात्रियों के द्वारा इस घटना की जानकारी आरपीएफ थाना की पुलिस को दी गई। घटना की जानकारी मिलने पर आरपीएफ थाना के पुलिस जवान महफूज खान और केएन उपाध्याय स्टेशन पर पहुंचकर घायल व्यक्ति मकसूद अंसारी को इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया। जहां इलाज के बाद भी चिकित्सको ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया है। वही घटना की जानकारी मिलने पर परिजन अस्पताल पहुंचकर घायल को इलाज के लिए रांची रिम्स ले जाने की तैयारी में जुट गए हैं।वही जानकारी मिलने पर मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल के पुलिस चौकी में तैनात एएसआई सुशीला कुमारी पुलिस जवान महेंद्र प्रसाद गुप्ता,विकाश कुमार और सहायक पुलिस के जवान मायावती कुमारी अस्पताल पहुंच कर मरीज से घटना के बारे में जानकारी ले रहे है।

भाजपा नेताओं ने सड़क निर्माण के लिए सांसद को सौंपा मांगपत्र

गढ़वा। कांडी प्रखंड के भाजपा किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष रामलाला दुबे और भाजपा कांडी मंडल महामंत्री शशिरंजन दुबे ने पलामू सांसद विष्णु दयाल राम से मुलाकात कर क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने मांग पत्र सौंपते हुए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत क्षेत्र की कई प्रमुख सड़कों के निर्माण की मांग की। मांग पत्र में मोखापी मेन रोड से कोवाड़ी, बलियारी पंचायत भवन से बरवाडीह, सोन नदी, सुंडिपुर, कसनप, महुली नाहर चौक, कांडी गढ़वा रोड, पथरिया पंचायत भवन, और अन्य इलाकों की सड़कों को मुख्य मार्गों से जोड़ने की आवश्यकता जताई गई। नेताओं ने कहा कि इन सड़कों के निर्माण से ग्रामीण इलाकों को मुख्य पथ से जोड़ा जा सकेगा, जिससे यातायात सुगम होगा। सांसद विष्णु दयाल राम ने आश्वासन दिया कि सभी सड़कों का निर्माण प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत कराया जाएगा।

कार्यक्रम वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट और परिवहन विभाग ने संयुक्त रूप से चलाया सड़क सुरक्षा

नीरज कुमार द्विवेदी ने प्रतिभागियों को किया पुरस्कार वितरण

शुभम बिहारी ने आर्ट टीचर आकांक्षा के साथ मिलकर रंगोली बना रहे बच्चों को गाइड किया और प्रथम, द्वितीय, और तृतीय स्थान का निर्णय लिया

संवाददाता

मेदिनीनगर। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा जागरुकता माह के अवसर पर जिला परिवहन विभाग और वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में स्थानीय गिरिवर स्कूल के मैदान में सड़क सुरक्षा से संबंधित रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विदित है कि वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट लगातार सड़क सरक्षा जागरुकता अभियान चलाती और इस अभियान का पलामू की जनता पर बड़ा ही सकारात्मक प्रभाव देखने को मिला है। इस टीम के कार्यों से प्रभावित होकर जिला परिवहन विभाग ने इनके सदस्यों के साथ मिलकर यह सफल आयोजन किया। बतौर मुख्य अतिथि ट्रैफिक प्रभारी शमाल अहमद मौजूद थे। शमाल अहमद, संस्था की सचिव शर्मिला वर्मा और गिरिवर स्कूल के प्राचार्य नीरज कुमार द्विवेदी ने मिलकर प्रतिभागियों के बाद पुरस्कार वितरण किया। वहीं टीम वरदान के मन्नत सिंह बग्गा,राखी सोनी, फरहा नाज, विवेक वर्मा और शुभम बिहारी ने आर्ट टीचर आकांक्षा के साथ मिलकर रंगोली बना रहे बच्चों को गाइड किया और प्रथम, द्वितीय, और तृतीय स्थान का निर्णय लिया। जिला परिवहन विभाग के अली इस कार्यक्रम में काफी सक्रिय रहे और इस अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान किया।

राजकीय कृत मध्य विद्यालय ओरिया में रसोइयों और प्रधानाध्यापिका के बीच विवाद

संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले के नीलाम्बर पीताम्बर पुर प्रखंड के ओरिया पंचायत स्थित राजकीय कृत मध्य विद्यालय ओरिया में रसोइयों और प्रधानाध्यापिका के बीच विवाद ने विद्यालय का माहौल गरमा दिया है। रसोइयों ने प्रधानाध्यापिका पर आरोप लगाया है कि वह उन्हें जबरदस्ती बाथरूम की सफाई करने के लिए मजबूर करती हैं। इसके विरोध पर उन्हें नौकरी से निकालने की धमकी दी जाती है। रसोइयों का आरोप हमारा काम खाना बनाना है, बाथरूम नहीं साफ करनारसोइयों में से एक ने बताया की हमारा काम सिर्फ खाना बनाना है, लेकिन प्रधानाध्यापिका हमें बाथरूम साफ करने के लिए कहती हैं। मना करने पर धमकी देती हैं कि विभाग में शिकायत कर हमें नौकरी से निकाल दिया जाएगा। हम चाहते हैं कि हमें सिर्फ हमारे काम करने दिया जाए।दूसरी ओर, प्रधानाध्यापिका ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया और रसोइयों पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा की रसोइया समय पर काम पर नहीं आती हैं। राशन और अन्य सामग्री की चोरी होती है, और खाना देर से तैयार होता है, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है। ऐसे में हमें अनुशासन बनाए रखने के लिए सख्ती करनी पड़ती है।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, बुधवार 22 जनवरी 2025 E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

मैनचेस्टर सिटी ने उज्बेकिस्तान के डिफेंडर खुसानोव के साथ अनुबंध पूरा किया

लंदन। मैनचेस्टर सिटी ने सोमवार को फ्रांसीसी टीम लेंस से सेंट्रल डिफेंडर अब्दुकोदिर खुसानोव के साथ अनुबंध की पुष्टि की है। इसके साथ ही खुसानोव प्रीमियर लीग में खेलने वाले उज्बेकिस्तान के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। 20 वर्षीय खिलाड़ी ने जून 2029 तक साढ़े चार साल के अनुबंध पर सहमति जताई है, और इंग्लिश क्लब को इसके लिए 33.6 मिलियन पाउंड (41.3 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का भुगतान करना पड़ा है, क्योंकि वे अपनी पहली टीम के दल को फिर से जीवंत करना चाहते हैं। यह बिक्री लेंस के लिए बहुत बड़ा लाभ है, जिन्होंने 18 महीने पहले बेलारूसी क्लब एनर्जेटिक-बीजीयू से उज्बेकिस्तान के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी को लगभग 90,000 यूरो (94,000 अमेरिकी डॉलर) में साइन किया था। खुसानोव ने पेप गार्डियोला द्वारा प्रशिक्षित क्लब के लिए साइन करने पर अपनी संतुष्टि व्यक्त की, क्लब की वेबसाइट के हवाले से उन्होंने कहा कि मैनचेस्टर सिटी की टीम दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों से भरी हुई है।

स्टेडियम में 10.50 करोड़ रुपये से बनेगा सिंथेटिक ट्रैक

महोबा। खेलों को बढ़ावा देने के लिए स्पोर्ट्स स्टेडियम में सिंथेटिक ट्रेक के निर्माण का खाका तैयार किया गया। शासन स्तर से सिंथेटिक ट्रैक के लिए 10.50 करोड रुपये का बजट का प्रस्ताव पास किया गया है। जिससे एथलेटिक्स खिलाड़ियों को आने वाले दिनों में ट्रैक का लाभ मिल सकेगा और सरकार की इस मुहिम से वीरभूमि के युवा खिलाड़ी भी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर जनपद का नाम रोशन कर सकेंगे। जिला उपक्रीड़ाअधिकारी ने बताया कि जनपद मुख्यालय स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम में 8 लाइन के 400 मीटर सिंथेटिक ट्रैक के निर्माण को शासन स्तर से मंजूरी मिल गई है। जिसके लिए 10.50 करोड रुपये के प्रस्ताव को हरी झंडी मिल गई है। बताया कि सभी प्रकार के मौसम में सिंथेटिक ट्रैक खिलाड़ियों के लिए उपयोगी साबित होता है।

रिचर्ड डॉसन बने ग्लैमरगन के अंतरिम मुख्य कोच

नई दिल्ली। ग्लैमरगन क्रिकेट क्लब ने रिचर्ड डॉसन को अपना अंतरिम मुख्य कोच नियुक्त किया है। यह कदम पिछले महीने पूर्व कोच ग्रांट ब्रैडबर्न के भेदभावपूर्ण व्यवहार के आरोपों के चलते इस्तीफा देने के बाद उठाया गया। डॉसन का कोचिंग करियर बेहतरीन अनुभवों से भरा है। उन्होंने ग्लूस्टरशायर के मुख्य कोच के रूप में छह वर्षों तक काम किया, जिसमें टीम को 2019 में डिवीजन वन में प्रमोशन दिलाने और 2020 के टी20 फाइनल में पहुंचाने में मदद की। इसके बाद उन्होंने इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के प्रदर्शन मार्ग में योगदान दिया और इंग्लैंड अंडर-19 टीम की देखरेख भी की। नियुक्ति पर डॉसन ने कहा मैं ग्लैमरगन के मुख्य कोच के रूप में नियुक्त होकर बेहद खुश हूं।

पॉल को हराकर एलेक्जेंडर ज्वेरेव ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में

मेलबर्न। जर्मनी के टेनिस खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने मंगलवार को अमेरिका के टॉमी पॉल को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली हैं। यह एक दशक में तीसरी बार है जब ज्वेरेव ने इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। ज्वेरेव ने तीन घंटे और 22 मिनट तक चले मुकाबले में अमेरिका के टॉमी पॉल पर 7-6, 7-6, 2-6, 6-1 से जीत दर्ज की। मैच के बाद ज्वेरेव ने स्वीकार किया ईमानदारी से कहूं तो, मुझे दो सेट लव से हारना चाहिए था। उसने उन दोनों सेटों में सर्विस की वह मुझसे बेहतर खेल रहा था।

भारत की संस्कृति और आतिथ्य ने अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों का दिल जीता

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत में पहली बार आयोजित किए गए खो खो विश्व कप का पहला संस्करण भारतीय पुरुष और महिला टीमों की जीत के साथ सफलतापूर्वक समाप्त हुआ। इस ऐतिहासिक आयोजन ने न केवल भारतीय खेल प्रेमियों को रोमांचित किया, बल्कि दुनिया भर से आए खिलाड़ियों और दर्शकों पर भी गहरी छाप छोड़ी। इस आयोजन के दौरान भारतीय संस्कृति, परंपरा, और आतिथ्य का जो अद्वितीय अनुभव प्रस्तुत किया गया, उसकी प्रशंसा विश्व स्तर पर हुई।

भव्य उद्घाटन समारोह में भारतीय संस्कृति की झलक

खो-खो विश्व कप की शुरुआत छह महाद्वीपों के 23 देशों के खिलाड़ियों और प्रतिनिधियों के स्वागत के साथ हुई। भारतीय परंपरा के अनुसार आयोजित इस भव्य उद्घाटन समारोह में सांस्कृतिक संगीत और नृत्य प्रदर्शन ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। भारतीय खो-खो महासंघ (केकेएफआई) और अंतरराष्ट्रीय खो-खो महासंघ (आईकेकेएफ) ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए पूरी मेहनत की। ईरान की टीम के खिलाड़ी आमिर घियासी ने भारत के अपने अनुभव साझा करते हुए कहा हम पहली बार भारत आए और हमें यहां शानदार समय बिताने का मौका मिला। भारतीय आतिथ्य अद्भुत था। हमें यहां हर संभव सुविधा दी गई, चाहे वह भोजन हो या आवास। हमने भारतीय संस्कृति का आनंद लिया और यह हमारे लिए एक अविस्मरणीय अनुभव रहा।

खिलाड़ियों के दिल में बसा भारतीय आतिथ्य

विदेशी खिलाड़ियों ने भारतीय आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि भारत ने उनके लिए विशेष भोजन और सुविधाओं की व्यवस्था की। खिलाड़ियों की सेहत और आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए डॉक्टर्स और फिजियोथेरेपिस्ट भी हर समय उपलब्ध रहे। न्यूजीलैंड की महिला टीम का हिस्सा रहीं मूल भारतीय खिलाड़ी अमनदीप कौर ने कहा भारतीय आतिथ्य और आयोजन के स्तर ने हमें चौंका दिया। टूनामेंट बेहद प्रतिस्पर्धी था, और अब हम भविष्य में और बेहतर तैयारी के लिए प्रेरित हैं।

भारतीय संस्कृति में रचा-बसा टूर्नामेंट

खिलाड़ियों को न केवल खेल में अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला, बल्कि भारतीय संस्कृति को करीब से जानने का भी अवसर मिला। ताजमहल की यात्रा से लेकर भारतीय स्ट्रीट फूड का आनंद उठाने तक, खिलाड़ियों ने हर अनुभव को भरपूर जिया।पेरू पुरुष टीम की कोच सिल्वाना पेट्रीसिया ने कहा आतिथ्य, भोजन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने हमें गहराई तक प्रभावित किया। भारतीय संगीत और नृत्य का आनंद लेना अद्भुत रहा। यहां हर चीज देखने लायक थी, और यह विश्व कप मेरे जीवन के सबसे अच्छे अनुभवों में से एक है।

आयोजन की सफलता पर आयोजकों की भूमिका

भारतीय खो-खो महासंघ और अंतरराष्ट्रीय खो-खो महासंघ के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल और महासचिव रोहित हल्दानिया के नेतृत्व में यह सुनिश्चित किया गया कि विदेशी खिलाड़ियों को हर तरह की सुविधा मिले। भारतीय खेल प्रशासन ने हर संभव प्रयास किया कि यह टूर्नामेंट खेल भावना के साथ-साथ भारतीय संस्कृति का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करे।

भारत की संस्कृति हमारी संस्कृति से पूरी तरह अलग है : लॉरा डोअरिंग

ब्राजील की पुरुष टीम की कोच लॉरा डोअरिंग ने भी भारत की प्रशंसा करते हुए कहा भारत की संस्कृति हमारी संस्कृति से पूरी तरह अलग है। यहां के लोग बेहद अच्छे हैं। मैंने यहां डांस मूव्स सीखे हैं और मैं उन्हें अपने साथ वापस ले जाना चाहती हूं।

खो-खो विश्व कप का भविष्य

इस आयोजन ने खो-खो को एक वैश्विक खेल के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। खिलाड़ियों, दर्शकों और आयोजकों की प्रशंसा से स्पष्ट है कि भारत ने न केवल टूर्नामेंट को सफल बनाया, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी संस्कृति और आतिथ्य का भी परचम लहराया। खो-खो विश्व कप 2025 सिर्फ एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक समृद्धि और खेल कौशल का उत्सव था। इस आयोजन ने साबित किया कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि देशों के बीच दोस्ती और एकता का माध्यम भी है। विदेशी खिलाड़ियों ने भारत में जो अनुभव किया, वह उनकी यादों में हमेशा बना रहेगा।

स्मृति मंधाना एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंचीं

● गार्डनर फिर से नंबर 1 ऑलराउंडर बनीं

दुबई। एजेंसी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की नवीनतम महिला एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में फायदा हुआ है। वह आयरलैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदीवसीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन करने के बाद आईसीसी महिला एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में एक स्थान के सुधार के साथ दूसरे पायदान पर पहुंच गई हैं। उनके 738 रेटिंग अंक है।

स्मृति मंधाना शीर्ष 10 में शामिल एकमात्र भारतीय हैं, हरमनप्रीत की अनुपस्थिति में स्मृति मंधाना ने कप्तानी की भूमिका निभाई थी

बाए हाथ की सलामी बल्लेबाज मंधाना शीर्ष 10 में शामिल एकमात्र भारतीय हैं। उन्होंने आयरलैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच में 135 रन की पारी खेली थी। तीन मैचों की इस श्रृंखला को भारत ने 3-0 से अपने नाम किया था। इस श्रृंखलामें हरमनप्रीत की अनुपस्थिति में स्मृति मंधाना ने कप्तानी की भूमिका निभाई थी।

वेस्टइंडीज महिला टीम की कप्तान हेली मैथ्यूज भी एकदीवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में लाभ पाने वालों में शामिल हैं। उन्हें चार अंकों का फायदा हुआ है और वह पांचवें स्थान पर पहुंच गई हैं। मैथ्यूज ने बांग्लादेश महिला टीम के खिलाफ तीन मैचों की एकदीवसीय श्रृंखला के पहले मैच में नाबाद 104 रन की मैच जिताऊ पारी खेली। इस पारी ने उन्हें चार स्थान ऊपर उठाकर करियर के सर्वश्रेष्ठ पांचवें स्थान पर पहुंचा दिया है। अन्य बल्लेबाजों में भारतीय महिला टीम की जेमिमा रोड्रिग्स (दो स्थान ऊपर 17वें स्थान पर) और ऋचा घोष (छह स्थान ऊपर 35वें स्थान पर), ऑस्ट्रेलिया की ताहलिया मैकग्राथ (छह स्थान ऊपर 23वें स्थान पर), बांग्लादेश की शर्मिन अख्तर (चार स्थान ऊपर 41वें स्थान पर) और आयरलैंड की ओर्ला प्रेंडरगास्ट (दो स्थान ऊपर 31वें स्थान पर) शामिल हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम की स्टार ऑलराउंडर एश्ले गार्डनर ने आईसीसी महिला एकदिवसीय खिलाड़ी रैंकिंग में आलराउंडरों की सूची में फिर से नंबर एक स्थान हासिल कर लिया है। गार्डनर ने बीते शुक्रवार को होबार्ट में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में मैच विजयी शतक लगाया था। उन्होंने मैच में 102 रन की पारी खेली, जिसने उन्हें करियर के सर्वश्रेष्ठ 469 रेटिंग अंक तक पहुंचने में मदद की, जिससे वह फिर से नंबर 1 स्थान पर पहुंच गईं, जो उन्होंने पहली बार अक्टूबर 2023 में हासिल किया था। इसके अलावा बल्लेबाजी में वह पांच स्थान के पायदे के साथ 10वें स्थान पर पहुंच गई हैं। इस प्रकार गार्डनर ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है।

नवीनतम साप्ताहिक अपडेट में ऑस्ट्रेलिया महिला टीम और इंग्लैंड महिला टीम के बीच एशेज श्रृंखला के अंतिम दो एकदिवसीय मैचों के साथ-साथ भारत और आयरलैंड के बीच एकदीवसीय श्रृंखला के तीसरे मैच तथा वेस्टइंडीज और बांग्लादेश के बीच तीन एकदीवयीस मैचों की श्रृंखला के पहले मैच के प्रदर्शन को शामिल किया गया है।

उदयपुर में होगी 19 वर्ष स्कूली छात्रा वर्ग की राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता

उदयपुर। राजस्थान के उदयपुर में पहली बार स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा 19 वर्ष छात्रा वर्ग की राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता 29 जनवरी से आयोजित की जाएगी। जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक शिक्षा लोकेश भारती ने बताया कि राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता 29 जनवरी से 3 फरवरी तक शहर के विभिन्न क्रिकेट खेल मैदानों पर खेली जाएगी। भारत के विभिन्न राज्यों से 19 वर्ष छात्रा वर्ग की क्रिकेट टीम में भाग लेंगी। इसके लिए जिला कलेक्टर अरविंद पोसवाल के निर्देशन में शहर के विभिन्न क्रिकेट खेल मैदानों की अग्रिम बुकिंग की जा चुकी है। राजकीय महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूल सुंदरवास में आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता के आयोजन एवं सफल संचालन के लिए पूर्व तैयारी के लिए शिक्षा विभाग द्वारा प्रतिनियुक्ति किए गए प्रधानाचार्य, अध्यापकों एवं शारीरिक शिक्षकों के साथ सोमवार को जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक मुख्यालय में आवश्यक बैठक की और अब तक हो चुकी तैयारी का जायजा लेकर जरूरी दिशा निर्देश प्रदान किए।

अक्षय पात्र के वार्षिक उत्सव 'अक्षय तरंग' में क्रिकेट और वॉलीबॉल में गौतमबुद्धनगर टीम ने मारी बाजी

नई दिल्ली। एजेंसी

अक्षय पात्र फाउंडेशन का वार्षिक उत्सव 'अक्षय तरंग' नई दिल्ली में सोमवार को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर कर्मचारियों के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्रिकेट, वॉलीबॉल, रस्साकसी, लेमन रेस और थ्री-लेग रेस जैसी प्रतियोगिताओं में कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एशियन मैराथन चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता डॉ. सुनीता गोदारा थीं। उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि फिटनेस और टीम वर्क किसी भी संगठन की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण हैं। विशेष अतिथि के तौर पर अखिल भारतीय धर्म समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष शुभेष शर्मन भी उपस्थित थे।

सोफी एक्लेस्टोन ने टीवी इंटरव्यू से किया इनकार : एलेक्स

नई दिल्ली। एजेंसी

इंग्लैंड की पूर्व विश्व कप विजेता स्पिनर एलेक्स हार्टले ने दावा किया है कि उन्हें राष्ट्रीय टीम द्वारा 'अनदेखा' किया जा रहा है। हार्टले का कहना है कि टीम की प्रमुख खिलाड़ी सोफी एक्लेस्टोन ने उनके साथ टीवी इंटरव्यू करने से इनकार कर दिया। यह विवाद हार्टले द्वारा इंग्लैंड की खिलाड़ियों की फिटनेस पर की गई आलोचना के बाद खड़ा हुआ है। हार्टले, जो पेशेवर क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद एक सफल प्रसारक और विश्लेषक के रूप में सक्रिय हैं, ने हाल ही में कहा था कि इंग्लैंड की टीम ने अक्टूबर में टी20 विश्व कप के दौरान खराब फिटनेस के कारण निराशाजनक प्रदर्शन किया था। उन्होंने दुबई में वेस्टइंडीज के खिलाफ हार को इंग्लैंड के कुछ खिलाड़ियों की फिटनेस के लिए जिम्मेदार ठहराया था। हालांकि, इंग्लैंड के कप्तान हीथर नाइट और कोच जॉन लुईस ने इस आरोप को खारिज करते हुए इसे टीम के प्रदर्शन का कारण मानने से इनकार किया था। सिडनी में सोमवार को खेले गए पहले टी20 मैच में इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया से 57 रन से हार का सामना करना पड़ा, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने एशेज सीरीज में 8-0 की बढ़त बना ली। इस हार के बाद हार्टले ने बीबीसी के टीएमएस पॉडकास्ट पर खुलासा किया कि इंग्लैंड की टीम अब उनसे कोई संवाद नहीं कर रही है। हार्टले ने कहा इंग्लैंड की टीम ने मुझे पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया है। मैंने केवल यह कहा था कि उनकी फिटनेस ऑस्ट्रेलिया के स्तर की नहीं है।

व्यापार

दूरसंचार क्षेत्र में वृद्धि के लिए प्रभावी स्पेक्ट्रम प्रबंधन महत्वपूर्ण : अनिल कुमार

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के अध्यक्ष अनिल कुमार लाहोटी ने कहा कि दूरसंचार क्षेत्र में नवाचार, सार्वभौमिक कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी स्पेक्ट्रम प्रबंधन रणनीति महत्वपूर्ण है। संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मंगलवार को जारी बयान में बताया कि ट्राई के अध्यक्ष अनिल कुमार लाहोटी ने एशिया प्रशांत दूरसंचार समुदाय (एपीटी) के महासचिव मसनोरी कोंडो की उपस्थिति में स्पेक्ट्रम पर दक्षिण एशियाई दूरसंचार विनियामक परिषद (एसएटीआरसी) कार्यशाला का उद्घाटन किया।

मंत्रालय के मुताबिक तीन दिवसीय कार्यशाला में एसएटीआरसी के सदस्य देशों के प्रतिनिधि, कार्य समूह के सदस्य, उद्योग विशेषज्ञ, कई सरकारी विभागों के प्रतिनिधि आदि भाग लेंगे। इस कार्यशाला का आयोजन एशिया प्रशांत दूरसंचार समुदाय की ओर से किया गया है, जिसकी मेजबानी भारतीय दूरसंचार विनियामक गोवा के होटल डबल ट्री बाय हिल्टन में कर रहा है।

इस कार्यशाला का उद्देश्य तेजी से विकसित हो रहे दूरसंचार परिदृश्य में प्रभावी स्पेक्ट्रम प्रबंधन के महत्व पर चर्चा करना है। स्पेक्ट्रम पर इस एसएटीआरसी कार्यशाला से प्रतिभागियों के बीच स्पेक्ट्रम प्रबंधन के प्रमुख मुद्दों के बारे में बेहतर समझ विकसित होने की उम्मीद है, जिससे एसएटीआरसी कार्य समूह के लिए कार्रवाई योग्य दिशा-निर्देश तैयार होंगे। इसके अतिरिक्त, कार्यशाला का उद्देश्य सदस्य देशों और उद्योग विशेषज्ञों के बीच सहकार्यता को बढ़ावा देना है, जिसके परिणामस्वरूप प्रभावी स्पेक्ट्रम उपयोग के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं और रणनीतियों का विकास होगा।

वैश्विक दबाव में ध्वस्त हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 1,695 अंक तक टूटा

नई दिल्ली। एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ब्रिक्स देशों पर टैरिफ लगाने के संबंध में दिए गए बयान, कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजे और विदेशी निवेशकों की जोरदार बिकवाली के कारण घरेलू शेयर बाजार बड़ी गिरावट का शिकार हो गया।

कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार में कुछ देर तेजी का रुख भी नजर आया, लेकिन पहले 20 मिनट के कारोबार के बाद ही बाजार में चौतरफा बिकवाली शुरू हो गई। हालांकि बीच-बीच में खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाकर बाजार को सहारा देने की कोशिश भी की, लेकिन बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि शेयर बाजार संभल नहीं सका। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.60 प्रतिशत और निफ्टी 1.37 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। कारोबार के दौरान बने बिकवाली के दबाव की वजह से सेंसेक्स ऊपरी स्तर से लगभग 1,700 अंक लुढ़क गया। इसी तरह निफ्टी ने भी दिन के ऊपरी स्तर से करीब 450 अंक का गोता लगाया। बाजार पर बने दबाव का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि 7 जून 2024 के बाद आज पहली बार निफ्टी 23 हजार अंक के स्तर से भी नीचे चला गया। हालांकि आखिरी वक्त में हुई खरीदारी के कारण निफ्टी दोबारा 23 हजार अंक के स्तर के ऊपर आने में सफल रहा।

भारत, बेल्जियम ने औषधि एवं कृषि उत्पादों में व्यापार बढ़ाने के तरीकों पर की चर्चा

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत और बेल्जियम ने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए फार्मा और कृषि उत्पादों जैसे क्षेत्रों में व्यापार मुद्दों को हल करने के लिए तंत्र स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और बेल्जियम के विदेश एवं विदेश व्यापार मंत्री बर्नार्ड क्विंटिन के बीच ब्रसेल्स में हुई बैठक के दौरान इन मुद्दों पर चर्चा की गई। इस बैठक में औषधि तथा कृषि उत्पादों के लिए अनुमोदन प्रक्रियाओं में नियामक बाधाओं पर भी चर्चा की गई। इसके साथ ही दोनों पक्षों ने निरंतर बातचीत के जरिए इन चुनौतियों से निपटने पर सहमति व्यक्त की। मंत्रालय ने कहा कि दोनों मंत्रियों ने इस बैठक के दौरान व्यापार मुद्दों के समाधान के लिए मजबूत तंत्र स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की। इन नेताओं ने यूरोपीय संघ-भारत मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) वार्ता की प्रगति पर भी चर्चा की। इसके साथ ही बातचीत को सुचारू बनाने तथा आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए व्यापार मुद्दों को प्राथमिकता देने के महत्व पर बल दिया गया। बैठक के निष्कर्ष के तौर पर भारत और बेल्जियम के बीच लोकतंत्र, कानून के शासन और स्वतंत्र न्यायपालिका के साझा मूल्यों पर आधारित दीर्घकालिक संबंधों को मजबूती मिली।

वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक इस बैठक में नवीकरणीय ऊर्जा, जीवन विज्ञान, बुनियादी ढांचे, डिजिटल प्रौद्योगिकियों और खाद्य उत्पादों जैसे उभरते क्षेत्रों को दोनों देशों के बीच सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों के रूप में रेखांकित किया गया। इसके अलावा बेल्जियम ने अपने व्यापार संबंधों में विविधता लाने के लिए भारत के साथ रणनीतिक साझेदार के रूप में जुड़ने के महत्व को स्वीकार किया।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, बुधवार 22 जनवरी 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

चुराचांदपुर में हथियार और विस्फोटक बरामद

चुराचांदपुर (मणिपुर)। चुराचांदपुर जिले के तोरबुंग स्थित पीके पार्क क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने एक बड़ी कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। बरामद सामग्रीं में एक 9 एमएम सब मशीन गन और मैगजीन, एक .303 राइफल और मैगजीन, एक स्मोक ग्रेनेड लॉन्चर, दो पिस्तौल और मैगजीन, एक सिंगल बैरल ब्रेच लोडेड गन, एक देशी मोर्टार (पॉम्पी), चार हैंड ग्रेनेड (बिना डेटोनेटर), चार स्मोक ग्रेनेड तथा पांच 9 एमएम गोलियां शामिल हैं। इस संबंध में चुराचांदपुर थाना र में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

टोल प्लाजा पर कार में लगी भीषण आग

वाराणसी। चौबेपुर थाना क्षेत्र के वाराणसी-गाजीपुर राजमार्ग पर स्थित कैथी टोल प्लाजा पर मंगलवार को एक कार में अचानक आग लग गई। आग ने देखते-ही देखते विकराल रूप लेकर टोल प्लाजा केबिन को भी अपने चपेट में ले लिया। कार सवारों ने किसी तरह अपनी जान बचाई। हादसे से वहां वाहन चालकों में अफरा-तफरी मच गई। वाहन चालक अपना वाहन लेकर सुरक्षित स्थान पर चले गए। सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। क्षेत्रीय लोगों और टोल कर्मियों के साथ पुलिस कर्मी भी आग बुझाने में जुट गए। इस दौरान वहां तमाशबीनों की भारी भीड़ जुटी रही। फिलहाल कार में आग लगने की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है।

बालोतरा में सड़क हादसे में दो युवकों की मौत

बालोतरा। बालोतरा के मेगा हाईवे पर सोमवार रात अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। हादसा आसाड़ा गांव के पास रात करीब 11:30 बजे हुआ। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान बालोतरा निवासी धमार्राम (36) पुत्र करनाराम और दिलीप (30) पुत्र हीरालाल के रूप में हुई है। दोनों युवक टेलरिंग का काम करते थे और दांखा गांव में ग्राहक को सिले हुए कपड़े देने के बाद लौट रहे थे। लौटते समय आसाड़ा गांव के पास अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

रीवा बायपास कार्य समयसीमा में करें पूर्ण : राजेन्द्र शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि रीवा-बायपास परियोजना क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके पूर्ण होने से न केवल शहर में यातायात का दबाव कम होगा, बल्कि क्षेत्रीय कनेक्टिविटी में भी सुधार होगा। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने मंगलवार को मंत्रालय भोपाल में रीवा-बायपास परियोजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करना सर्वोपरि है, ताकि आमजन को इस महत्वपूर्ण परियोजना का शीघ्र लाभ मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरे किए जाएं। बैठक में एमडी एमपीआरडीसी अविनाश लवानिया सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

फुटपाथ में अतिक्रमण और यातायात नियम उल्लंघन के मामले पर हाइकोर्ट सख्त

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में बिलासपुर शहर में फुटपाथ के अतिक्रमण और यातायात नियमों की अवहेलना मामले में जनहित याचिका दायर की गई है। मंगलवार को चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा और न्यायाधीश रविन्द्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन में सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई है। याचिकाकर्ता के वकील सैयद मजीद अली और अन्य ने अपना पक्ष रखा। अधिवक्ता शशांक ठाकुर ने शासन का पक्ष रखा है। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश रमेश कुमार सिन्हा ने शासन के अधिवक्ता को कहा शहर में व्यवस्थित रूप से कोई योजना नहीं है।

ट्रेन से कटकर युवक ने दी जान

फतेहाबाद। जिले के टोहाना क्षेत्र में एक युवक द्वारा ट्रेन के नीचे आकर अपनी जान देने का मामला सामने आया है। मंगलवार सुबह सूचना मिलते ही जाखल रेलवे पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए टोहाना के नागरिक अस्पताल में भिजवाया गया है। फिलहाल मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। रेलवे पुलिस पड़ताल में जुटी है। जीआरपी थाना जाखल के एएसआई सतीश कुमार ने बताया कि उन्हें टोहाना रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर से सूचना मिली थी कि कोई व्यक्ति रेलवे लाइन के ऊपर आकर लेट गया।

पुलिस मुठभेड़ के दौरान दो बदमाश गिरफ्तार

प्रतापगढ़। लालगंज कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार को पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान दो बदमाशों के पैर में गोली लगी और उन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। घायल अवस्था में दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि लालगंज कोतवाली क्षेत्र में उधरनपुर नाले के पास थाना लालगंज पुलिस व स्पेशल टीम से मुठभेड़ में दो अभियुक्तों के पैर में गोली लागी, जिनको पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारत में परिवर्तन लाएगी : प्रताप शुक्ल

● गत वर्षों में विश्वविद्यालय ने शिक्षा के क्षेत्र में मील का पत्थर स्थापित किए हैं

धर्मशाला। एजेंसी

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारत में परिवर्तन लाएगी। इस व्यापक नीति को एक साथ लागू नहीं किया जा सकता है किन्तु इसे क्रमबद्ध तरीके से लागू करने की आवश्यकता है। राज्यपाल मंगलवार को धर्मशाला में केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। भारतीय ज्ञान परम्परा के महत्व पर बल देते हुए उन्होंने केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा नया पाठ्यक्रम आरम्भ कर इसे आगे बढ़ाने के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि गत वर्षों में विश्वविद्यालय ने शिक्षा के क्षेत्र में मील पत्थर स्थापित किए हैं। उन्होंने विकसित भारत 2047 के लिए विश्वविद्यालय को शोधपूर्ण, गुणवत्ता युक्त शिक्षा केंद्र के रूप में अपनी पहचान बनाने के साथ ही वैश्विक आवश्यकताओं के अनुरूप अपने को तैयार करने पर जोर दिया।

इससे पूर्व, केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल ने राज्यपाल का स्वागत किया तथा उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने इस अवसर पर, विश्वविद्यालय की गतिविधियों का ब्योरा प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि यह समय आत्मनिरीक्षण का भी है कि आज से 14 साल पहले हमने जो विश्वविद्यालय के लिए लक्ष्य तय किए थे, उनको हासिल करने में हम कितने सफल हुए हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय आगामी अकादमिक सत्र से देहरा स्थित अपने कैंपस में कार्य शुरू करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नैक की ग्रेडिंग में विश्वविद्यालय को 'ए प्लस' स्थाना दिया गया है, जो हम सब के लिए गौरव की बात है। डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, पंजाब केन्द्रीय विश्वविद्यालय, भठिंडा के कुलपति प्रो. आर.पी. तिवारी, नैक के कार्यकारिणी सदस्य प्रो. नागेश ठाकुर, डॉ. वाई.एस. परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन के कुलपति प्रो. राजेश्वर सिंह चंदेल भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

राज्यपाल ने शिक्षकों और छात्रों को किया सम्मानित

शैक्षणिक संकाय सदस्यों में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक का पुरस्कार प्रो संजीत, प्रो. ओ.एस.के.एस शास्त्री, प्रो. बी.सी चौहान, डा. राकेश और डा. मनप्रीत अरोड़ा को सम्मनित किया गया। वहीं गैर शिक्षकेतर कर्मचारियों में अनुपम ठाकुर, राहुल, आपूर्ति अवस्थी, रोहित धीमान, हिंदभूषण कुटलैहड़िया और अजय कुमार को पुरस्कृत किया गया।

निकाय चुनाव में हर जगह भाजपा परचम लहराएगी : धामी

हरिद्वार। एजेंसी

उत्तराखंड निकाय चुनाव प्रचार के अंतिम दिन मंगलवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नगर निगम हरिद्वार से मेयर पद के भाजपा उम्मीदवार किरण जैसल के पक्ष में रोड शो किया। रोड शो के दौरान जगह-जगह लोगों ने मुख्यमंत्री धामी का स्वागत किया। तुलसी चौक से शुरू हुआ रोड शो वाल्मीकी चौक से होता हुआ हर की पैड़ी पर पहुंचकर संपन्न हुआ। धामी ने कहा कि उत्तराखंड में निकाय चुनाव में हर जगह भाजपा परचम लहराएगी और ट्रिपल इंजन की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि उनके मन में अब कोई भी संदेह नहीं है कि हरिद्वार में भाजपा उम्मीदवार की प्रचंड मतों से जीत होगी। उन्होंने कहा कि सतत विकास में पूरे देश की रेटिंग में सभी राज्यों में उत्तराखंड पहले पायदान पर आया है। बेरोजगारी दर में एक साल में चार फीसदी की कमी हुई है। इस दौरान धामी ने कांग्रेस पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मुद्दा विहीन है। कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं है। कांग्रेस झूठ की राजनीति करती है। भाजपा जो भी विकास कार्य करती है, उसमें कांग्रेस रोड़ा अटकाने का काम करती है। कॉरिडोर के जरिए हरिद्वार की सुंदरता और विरासत को बचाने का काम किया जाएगा न कि तोड़फोड़ करने का। मुख्यमंत्री के साथ रोड शो में हरिद्वार से लोकसभा सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं हरिद्वार विधायक मदन कौशिक, विधायक आदेश चौहान भी उपस्थित थे।

डोनाल्ड ट्रंप ने 6 जनवरी के कैपिटल दंगों में शामिल 1500 लोगों को माफी दी

वाशिंगटन। एजेंसी

अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सोमवार को शपथ लेने के बाद सबसे पहले अपने ओवल ऑफिस पहुंचे। उन्होंने कठोर रुख अपनाते हुए पूर्ववर्ती बाइडन प्रशासन के 78 फैसलों को रद कर दिया। कई कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका ऐतिहासिक पेरिस जलवायु समझौते से बाहर होगा। डोनाल्ड ट्रंप ने इस दौरान 6 जनवरी के कैपिटल दंगों में शामिल सभी लोगों को माफी दी।

ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकॉस्टिंग कारपोरेशन की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने 6 जनवरी के कैपिटल दंगों में शामिल सभी लोगों को माफ कर दिया है। उन्होंने जेल अधिकारियों को दंगों से संबंधित सभी कैदियों को तुरंत रिहा करने का आदेश दिया। राष्ट्रपति के रूप में ओवल कार्यालय दोबारा लौटते ही ट्रंप ने सबसे पहला कार्य विद्रोह में शामिल लगभग 1,500 लोगों को क्षमा करने के आदेश पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने 14 अन्य लोगों की सजा की अवधि भी कम कर दी। साथ ही इन लोगों को भी तत्काल रिहा करने का आदेश दिया। रिहा होने वालों में धुर दक्षिणपंथी प्राउड बॉयज और ओथ कीपर्स समूहों के नेता और सदस्य शामिल हैं।

सीबीएस न्यूज की खबर के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड टंप ने ऐतिहासिक पेरिस जलवायु समझौते से संयुक्त राज्य अमेरिका को निकालने की घोषणा की। खबर में कहा गया है कि इससे ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के दुनिया भर के प्रयासों को झटका लगना तय है।

ट्रंप ने देश की बागडोर संभालने के बाद घोषणा की कि अमेरिका पेरिस समझौते को छोड़ देगा। उन्होंने कहा कि पेरिस जलवायु समझौते पर अमेरिका को शामिल करने का फैसला अनुचित था। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र को अपने फैसले से अवगत कराते हुए एक पत्र पर भी हस्ताक्षर किए।

ट्रंप का बड़ा कार्ड, टिकटॉक पर फिलहाल प्रतिबंध खत्म, 75 दिन का विस्तार

वाशिंगटन। एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश की बागडोर संभालने के बाद सोमवार को पूर्ववर्ती बाइडेन प्रशासन के टिकटॉक पर लिए गए फैसले को 75 दिनों के लिए निष्क्रिय कर दिया। उन्होंने कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। इस आदेश का सीधा अर्थ है टिकटॉक ऐप के मालिक को कंपनी बेचने के लिए मजबूर करने वाला कानून लागू नहीं होगा। एनबीसी न्यूज के अनुसार, इस कानून पर अप्रैल में तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडेन ने हस्ताक्षर किए थे। इसमें कहा गया था कि टिकटॉक के मालिक, चीन की कंपनी बाइटडांस को संयुक्त राज्य अमेरिका में काम करने के लिए अपनी अधिकांश हिस्सेदारी बेचनी होगी। ट्रंप हस्ताक्षरित आदेश के सामने आने के बाद यूजर्स ने खुशी जताई है। ट्रंप ने कहा मैं अटॉर्नी जनरल को आदेश देता हूं कि इस आदेश की तारीख से 75 दिनों तक अधिनियम को

लागू करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की ओर से कोई कार्रवाई न करें, ताकि मेरे प्रशासन को टिकटॉक के संबंध में कार्रवाई का उचित तरीका निर्धारित करने का अवसर मिल सके।

उल्लेखनीय है कि संयुक्त राज्य अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अपने फैसले में बाइडेन प्रशासन के कानून को बरकरार रखा था। इसके बाद ट्रंप ने अपने उद्घाटन समारोह के प्रसारण में टिकटॉक को मदद देने का आश्वासन दिया। टिकटॉक ने इसके फौरन बाद सेवा फिर से शुरू करते हुए अमेरिकी यूजर्स को बधाई थी। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में टिकटॉक के 170 मिलियन यूजर हैं।

कराची विश्वविद्यालय ने स्टूडेंट्स के लिए ड्रेस कोड लागू किया

कराची। कराची विश्वविद्यालय ने स्टूडेंट्स के लिए नया ड्रेस कोड लागू किया है। विश्वविद्यालयों के दिशा-निदेशों में कहा गया है कि कैंपस में सम्मानजनक और विनम्र उपस्थिति के महत्व का ध्यान रखा जाए। कराची विश्वविद्यालय पाकिस्तान के सबसे बड़े विश्वविद्यालयों में से एक है। यहां 45,000 से अधिक विद्यार्थी नामांकित हैं। जियो न्यूज के अनुसार, स्टूडेंट्स ड्रेस कोड की अधिसूचना विश्वविद्यालय के अधिकारी डॉ. नोशीन रजा ने 14 जनवरी को जारी की। इसमें विद्यार्थियों को शालीन लिबास पहनने के लिए आगाह किया गया है। ऐसे परिधानों को पहनने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, जिन पर नजर पड़ने से जिनसे ध्यान भटके। मसलन स्टूडेंट्स के पारदर्शी, शॉर्ट्स, स्लीवलेस या टाइट-फिटिंग कपड़े पहनने पर रोक लगा दी गई। डॉ. नोशीन रजा ने कहा कि विश्वविद्यालय में नया शैक्षणिक वर्ष शुरू हो गया है। नए छात्रों को विश्वविद्यालय के ड्रेस कोड के बारे में जागरूक करने के लिए यह अधिसूचना जारी की गई है।

संदीप तिवारी ने किया मतगणना स्थल का निरीक्षण

गोपेश्वर। चमोली में निकाय चुनाव की मतगणना 25 जनवरी को राजकीय बालिका इंटर कॉलेज गोपेश्वर में होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप तिवारी एवं पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार ने मंगलवार को राजकीय बालिका इंटर कॉलेज गोपेश्वर में बनाए गए स्ट्रांग रूम और मतगणना कक्षों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मतगणना की सभी तैयारियों को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देशित किया कि मतगणना कक्षों में प्रकाश की उचित व्यवस्था की जाए। मतगणना कक्षों में मतगणना एजेंटों के लिए सुगमता से आवाजाही और मतगणना के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की जाए। मतगणना कक्षों में सुरक्षा जाली की ऊंचाई बढ़ाने के साथ ही सभी खिडकियों पर पर्दे लगाए जाए। उन्होंने कहा कि मतगणना केन्द्रों में एलईडी स्क्रीन, बैरिकेडिंग, सुरक्षा प्रबंध, सीसीटीवी कैमरे, मीडिया सेंटर इत्यादि की समुचित व्यवस्था करना सुनिश्चित करें।

विंटर कार्निवल में महिलाओं से हुआ अन्याय : धनेश्वरी

कुल्लू। एजेंसी

विंटर कार्निवल के आयोजन में मुख्यमंत्री के देरी से आने को लेकर प्रदेश महिला आयोग की पूर्व अध्यक्षा धनेश्वरी ठाकुर ने नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का रात 8 बजे कार्यक्रम में शामिल होना कुल्लू-मनाली के लोगों और महिलाओं का अपमान है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सुबह 7 बजे बुलाया गया और बिना चाय-पानी के जबरदस्ती बैठाकर रखा गया। उन्होंने इसे महिलाओं के साथ कैदी जैसा व्यवहार बताया। ठाकुर ने कहा कि विंटर कार्निवल की परंपरा के अनुसार मुख्यमंत्री सुबह 9 बजे झांकियों को हरी झंडी दिखाकर विदा करते थे और मनु रंगशाला में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारंभ करते थे। लेकिन इस बार रात 8 बजे दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम शुरू किया गया।

धनेश्वरी ठाकुर ने कहा कि अगर मौसम खराब होने के कारण हेलीकॉप्टर से आना संभव नहीं था तो मुख्यमंत्री सड़क मार्ग से आ सकते थे। उन्होंने महिलाओं को इतनी देर तक बैठाने की आलोचना करते हुए कहा कि जब महिलाएं जाने की जिद करने लगीं तो स्थानीय विधायक ने झांकियों को रवाना किया।

उन्होंने कहा कि झांकियों की देरी के कारण माल रोड पर भीड़ नदारद रही। भाजपा सरकार के समय विंटर कार्निवल को राष्ट्रीय स्तर का दर्जा दिया गया था लेकिन इस बार आयोजन में अव्यवस्थाएं देखने को मिलीं।

नशे और भ्रष्टाचार पर सरकार सख्त, विपक्ष की भूमिका दुर्भाग्यपूर्ण: नरेश

शिमला। एजेंसी

मुख्यमंत्री के प्रधान मीडिया सलाहकार नरेश चौहान ने प्रदेश में नशे की बढ़ती समस्या पर चिंता जताते हुए पूर्व जयराम सरकार और विपक्ष पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि हिमाचल के गांव-गांव तक नशा फैल चुका है, लेकिन पिछली सरकार ने इसे रोकने के लिए कोई गंभीर कदम नहीं उठाए। नरेश चौहान ने कहा कि वर्तमान सरकार नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है और इसे जड़ से खत्म करने के लिए कृतसंकल्प है।

नरेश चौहान ने कहा कि पूर्व जयराम सरकार के कार्यकाल में प्रदेश का समय खराब हुआ और नशा रोकने के लिए कोई गंभीरता नहीं दिखाई गई। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय शराब माफिया खुलेआम काम कर रहा

थालेकिन सरकार ने चुप्पी साधे रखी। प्रधान मीडिया सलाहकार ने कहा कि वर्तमान सरकार के दो साल के कार्यकाल में विपक्ष की भूमिका बेहद दुर्भाग्यपूर्ण रही है। विपक्ष केवल सरकार को गिराने और कोसने में लगा रहा।

केंद्र सरकार से किसी मदद को दिलाने में विपक्ष ने कोई भूमिका नहीं निभाई। उन्होंने विपक्ष पर गैर जिम्मेदाराना राजनीति करने का भी आरोप लगाया। ठियोग वाटर सप्लाई घोटाले पर बोलते हुए नरेश चौहान ने कहा कि सरकार की भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति स्पष्ट है।

मामला सामने आते ही तुरंत कार्रवाई की गई, जिससे प्रदेश भर में सरकार की मंशा का संदेश गया है। उन्होंने कहा कि सरकार भ्रष्टाचार को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं करेगी। आईजीएमसी अस्पताल में इंजेक्शन न मिलने से कैंसर रोगी की मौत के मामले पर नरेश चौहान ने कहा कि इस घटना पर आजीएमसी प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने अपना पक्ष स्पष्ट कर दिया है। रोगी को ढाई लाख रुपए की स्वास्थ्य सहायता दी गई थी। उन्होंने कहा कि विपक्ष इस मामले को गैर जिम्मेदाराना तरीके से राजनीतिक लाभ के लिए प्रचारित कर रहा है।

सनातन को चरम उत्कर्ष पर ले जाने का कार्य करेंगे योगी : चिदानंद

● संतों, महात्माओं और करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से सम्भव है

महाकुम्भ नगर। एजेंसी

महाकुम्भ की समस्त दिव्यता-भव्यता उसमें आने वाले संतों, महात्माओं और करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से सम्भव है। महाकुम्भ में आये परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश के अध्यक्ष और आध्यात्मिक गुरु चिदानंद सरस्वती का कहना है कि महाकुम्भ भारतीयता का महापर्व है। सनातन आस्था को मानने वालों का इससे बड़ा कोई महोत्सव नहीं है। महाकुम्भ कुछ का नहीं सबका महोत्सव है, जिस उत्साह और जोश में लोग महाकुम्भ में भाग लेने आ रहे हैं, संगम के सब तट आस्थावान लोगों से भरे हुए हैं। ऐसा नजारा पूरे विश्व में कहीं देखने को नहीं मिलता। ये सनातन के उत्कर्ष का महापर्व है और सनातन को उसके उच्चतम् शिखर पर ले जाने का कार्य करेंगे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

सनातन के उत्कर्ष को देख सभी आश्चर्यचकित

चिदानंद सरस्वती का कहना है कि जब मैंने संगम तट पर स्नान किया तो लोगों में भरे हुए उत्साह को देखकर पूरी तरह गौरवान्वित था। ऐसा दिव्य-भव्य, अद्भुत नजारा, देश-दुनिया के कोने-कोने से लोग आ कर पवित्र संगम में डुबकी लगा रहे हैं। सनातन के उत्कर्ष को देख कर सभी आश्चर्यचकित हैं। यहां तक कि सीमा पार पाकिस्तान, बंग्लादेश से लेकर बहरीन, अरब के लोग देख कर न केवल हैरान हो रहे हैं बल्कि कई तो खुद महाकुम्भ में शामिल होने आना चाह रहे हैं। लोगों को बांटने वाले देखें कि कैसे सभी जाति, पंत, भाषा बोलने वाले एक साथ संगम स्नान कर रहे हैं। महाकुम्भ सनातन की एकता का महापर्व है।

महाकुम्भ दे रहा सनातन एकता, सरसता का संदेश

परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष चिदानंद सरस्वती का कहना है कि वो 1971 से महाकुम्भ में सम्मिलित होते रहे हैं। लेकिन जैसी दिव्य और भव्य व्यवस्था प्रयागराज के इस महाकुम्भ में है ऐसी पहले कभी नहीं देखी। महाकुम्भ के इस महाआयोजन के लिए उन्होंने सीएम योगी आदित्यनाथ को साधुवाद दिया। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ का ऐसा भव्य आयोजन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अथक प्रयासों से ही सम्भव हुआ है। उन्होंने बताया कि इस अद्भुत आयोजन को देख कर सभी लोग आह्लादित और उत्साहित हैं। देश ही नहीं विश्व के कोने-कोने से आये भक्त और पर्यटक महाकुम्भ की आभा, यहां की आध्यात्मिक ऊर्जा को देख कर यहां बार-बार आना चाह रहे हैं। महाकुम्भ से सनातन की एकता, सरसता का जो संदेश विश्व में जा रहा है अन्यत्र सम्भव नहीं है।

अधूरे विकास कार्यों को जल्द किया जाएगा पूरा : श्याम सिंह

यमुनानगर। एजेंसी

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने मंगलवार को मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना के तहत एक करोड़ 44 लाख रुपये की लागत से बनने वाली सडक के निर्माण कार्य का शुभारम्भ किया। इस मौके पर हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने कहा कि यह सडक पश्चमी यमुना नहर से रादौर के खेड़ा मंदिर तक इंटरलॉकिंग टाइल्स से बनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि उन्होंने चुनाव के समय लोगों से साथ देने के लिए कहा था, जिस पर वे खरे उतरे हैं। अब उनकी जिम्मेदारी है कि विकास कार्यों में कोई कमी न रहे, इसके तहत विकास कार्यों का शुभारम्भ कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि नगरपालिका में खाली पड़े पदों पर जल्द ही नियुक्ति की जाएगी। वहीं उन्होंने कहा कि क्षेत्र में जो भी लंबित विकास कार्य हैं, उन पर भी जल्द काम शुरू किया जाएगा।

यदि किसी लड़की को संस्कृति, परंपरा और संस्कारों की जीती-जागती तस्वीर के रूप में देखना हो तो वे पल उसकी शादी के होते हैं। यही वे पल हैं, जो उसका रूप निखारते हैं। आज की दुल्हन वैस्टर्न और इंडियन लुक के बैलेंस में स्वयं को संवारना चाहती है। पारंपरिक साड़ी और लहंगे को हर बार नए अंदाज में प्रस्तुत कर उसकी इस ख्वाहिश को पूरा करते हैं डिजाइनर्स, यही कारण है कि आऊटफिट तैयार करते हुए दुल्हन के कांप्लैक्शन और फिगर का खास ख्याल रखा जाता है...

दुल्हन सजे वैस्टर्न और इंडियन लुक में

कांप्लैक्शन का ध्यान रखना जरूरी

यदि दुल्हन का रंग गोरा है तो कोई भी रंग बेधड़क पहना जा सकता है। इस मौके पर आप पिंक, फिरोजी, ग्रीन, रेड, सिल्वर या गोल्डन किसी भी कलर को चूज कर सकती हैं। यदि कांप्लैक्शन गेहुंए रंग का है तो आप पर रूबी, रैड, ऑरेंज, नेवी ब्ल्यू, फिरोजी और ब्ल्यू कलर ज्यादा अच्छे लगेंगे, गोल्ड बेस वर्क के साथ मैरून, मैट गोल्ड वर्क के साथ एमेराल्ड ग्रीन या कॉपर के शेड्स अच्छे लगते हैं। सांवली रंगत वालों को ब्राइट कलर में पीले, ऑरेंज, रैड एवं ब्ल्यू कलर्स में अपना आऊटफिट तैयार करवाना चाहिए।

बॉडी शेप

सिर्फ कम्प्लैक्शन के हिसाब से ही नहीं बल्कि बॉडी शेप के अनुसार भी लहंगे और साड़ी का चुनाव किया जाना बहुत जरूरी है तभी तो इस दिन आप सबसे अलग नजर आ पाएंगी। परफैक्ट शेप वाली लड़कियों पर हर तरह के स्टाइल का लहंगा जंचता है, इसलिए जो भी फैशन में हो आप बिना टैंशन के पहन सकती हैं। लहंगे के साथ स्ट्रेपी, वन शोल्डर, ऑफ -शोल्डर, डीप बैक में से जिस तरह की भी चोली आपको पसंद हो, बनवाएं। आप एम्ब्रायडरी फैशन के अनुरूप चुन सकती हैं अर्थात अपना आऊटफिट चुनने में आपको किसी प्रकार की टैंशन नहीं और चाइस में बहुत कुछ अवेलेबल है।

हैवी ब्रैस्ट वाली लड़कियों को लाइट वर्क वाली चोली का ही चुनाव करना चाहिए। यदि एम्ब्रायडरी का डिजाइन छोटा हो तो अच्छा लगेगा। यदि कमर के नीचे का हिस्सा हैवी है तो ए-लाइन लहंगा आप पर खूबसूरत लगेगा। फैब्रिक भी सॉफ्ट ही होना चाहिए। फुलकट वाला लहंगा आपको और भी हैवी लुक देगा। फुल स्लीव वाली भी आपकी फिगर को बैलेंस लुक देगी। पतली और लंबी लड़कियों पर कोई भी फैब्रिक अच्छा लगता है। लहंगे के साथ डीप नैक वाली छोटी चोली पहनें तथा दुपट्टा लंबा रखें। आप लंबे स्लीव और हाई नैक लाइन को इग्नोर करें। चौड़ी बॉडी वाली लड़कियों को क्रेप या जॉर्जेट अच्छा लुक देगा। स्लिम लुक के लिए डॉर्क शेड में डीप नैक वाली चोली लें। लहंगे का बार्डर पतला और एम्ब्रायडरी वर्टिकल डिजाइन में रखें, आप एलिगेंट नजर आएंगी।

सर्दी में भी बच्चे रहें सेहतमंद

सर्दी के मौसम में जितनी देखभाल आप खुद की करते हैं उससे कहीं ज्यादा ख्याल अपने बच्चों का भी रखते हैं लेकिन लाख देखभाल करने के बावजूद इस मौसम में बच्चों को सर्दी-जुकाम, बुखार जैसी समस्याएं हो ही जाती हैं चूंकि बच्चे अपनी समस्या सही तरीके से बता नहीं पाते और उपचार के दौरान उनसे परहेज कराना भी बड़ा मुश्किल काम होता है, इसलिए बच्चों की खराब सेहत एक बड़ी टैंशन के रूप में सामने आती है। ऐसे में बेहतर तरीका तो यही है कि इस मौसम की नजाकत को समझते हुए बच्चों को सीजनल बीमारियों से बचाने का प्रयास किया जाए।

बरतें सावधानी

दरअसल, सर्दी के मौसम में बच्चों को सर्दी-जुकाम, लंबे समय तक खांसी, इन्फ्लुएंजा, वायरल, फ्लू, अस्थमा, ब्रोंकाइटिस जैसी बीमारियों की आशंका अधिक होती है लेकिन ठंड के मौसम में केवल थोड़ी सी सावधानी बरत कर ही आप अपने बच्चों को कई बीमारियों से दूर रख सकती हैं। हालांकि आम तौर पर बच्चे दवाएं लेने में आनाकानी करते हैं ऐसे में आप बच्चों को सर्दी-जुकाम की शुरूआत होते ही घरों में अदरक-तुलसी आदि का सेवन कराएं। यदि बच्चे को बुखार नहीं है और उसके ऊपरी रैस्पिरेट्री हिस्से सर्दी से प्रभावित हैं तो ये घरेलू उपचार काफी हद तक उसके लिए फायदेमंद साबित होते हैं लेकिन अगर बच्चे को तीन दिन से अधिक समय तक बुखार और जुकाम हो या फिर 4-5 दिन बिना बुखार के सर्दी टिकी रहे तो अच्छे डॉक्टर से जांच कराने में देर कतई नहीं करें।

इनका भी रखें ध्यान

- नए ट्रेंड में फिटेड और खूबसूरत कट के लहंगों का फैशन है। फिश कट लहंगा और फिटेड चोली के साथ ए-लाइन घाघरा भी खूब पसंद किए जा रहे हैं।
- दुल्हन के लिए बनारसी एवं सिल्क की गोल्डन और सिल्वर वर्क के साथ साड़ियां ही पहली पसंद में शामिल रहती हैं। हालांकि हैवी वर्क के साथ शिफॉन, क्रेप और जॉर्जेट की साड़ियों का चलन भी बढ़ा है।
- साड़ी एवं लहंगा दोनों में मिरर, गोटा एवं पर्ल वर्क इन फैशन है। एंटीक गोल्ड, क्रिस्टल वर्क ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। कुंदन वर्क एवं सितारा वर्क के साथ बैड वर्क, क्लासिक वर्क तथा कंटैंपरेरी वर्क का खूबसूरत कांबीनेशन भी बेहद पसंद किया जाता है।
- मोटी लड़कियों को साड़ी के अंदर स्ट्रेट कट या नॉन फ्लेयर्ड पेटीकोट यूज करना चाहिए। इससे आप थोड़ा स्लिम लगेंगी। आपको शिफॉन, क्रेप और जॉर्जेट की साड़ियां पहननी चाहिए।

मैचिंग ड्रैस से बनें परफैक्ट

नई-नई शादी हुई हो तो हसबैंड और वाइफ दोनों ही अलग लुक में नजर आना चाहते हैं। खास तौर से डिनर/लाइट पार्टीज, त्यौहारों एवं पारिवारिक समारोहों पर, ऐसे में मैचिंग ड्रैस एक परफैक्ट आप्शन नजर आता है जिसे आमतौर पर सैलीब्रिटीज कपल कैरी करते हैं। मौसम और समय के अनुसार आप रंग चुन सकते हैं या चाहें तो मैचिंग कंट्रास्ट भी कर सकते हैं। वास्तव में यह प्रेम को अभिव्यक्त करने के साथ ही रचनात्मकता और कुछ अलग करने की संतुष्टि भी प्रदान करता है।

ट्रैडिशनल लुक में सजें

इस रेंज में पत्नी के पास लहंगा, साड़ी, सलवार-सूट, गरारा और अनारकली जैसे कई विकल्प उपलब्ध हैं, तो पति भी उनके साथ कुर्ता-पायजामा, धोती-कुर्ता या शेरवानी जैसे ट्रैडिशनल परिधान चुन सकते हैं। यूं तो ट्रैडिशनल ड्रैसेज में केवल लाल, नारंगी, पीला रंग ही पसंद किया जाता था, परंतु अब आप रेडियम ग्रीन, ब्ल्यू या पर्पल, आइस ब्ल्यू, लीफ ग्रीन आदि से लेकर क्रीम और चॉकलेट कलर भी इस कैटेगरी में पसंद कर सकती हैं। अपने लहंगे, साड़ी या सलवार सूट की मैचिंग के हिसाब से पतिदेव के लिए उसी कलर में पाइपिंग, लाइनिंग या एम्ब्रायडरी वाला कुर्ता या शेरवानी चुनें।

यदि पतिदेव एक जैसे रंगों वाले परिधान नहीं चाहते तो आप उनके कुर्ते की नैक और स्लीव्स पर सेम कलर की हल्की एम्ब्रायडरी के साथ अपनी ड्रैस के कलर से मैचिंग चूड़ीदार पायजामा या धोती चुन लें या फिर उनके लिए मैचिंग स्टोल लें, इससे भी आप मैचिंग ड्रैस का लुत्फ उठा सकती हैं।

मॉडर्न - यह एक ऐसा ऑप्शन है जिसमें मैचिंग से किसी भी पति को एतराज नहीं हो सकता। यदि आप शानदार ईवनिंग गाऊन या फुल लैंथ ड्रैस पहन रही हैं तो उनके लिए थ्री पीस सूट, सामान्य सूट या फिर जींस के साथ अट्रैक्टिव एम्ब्रायडरी वाली शेरवानी निकालें। आप दोनों सब लोगों में अलग एवं आकर्षक नजर आएंगे। इसके अलावा पति के सूट या टाई से मैच करता आपका गाऊन भी एक अच्छा विकल्प है।

एक्सैसरीज - फुटवियर, वॉच, पर्स, बैग, क्लच, ब्रेसलेट, नैकलेस, बैल्ट, ईयररिंग्स या फिर बीडेड ज्यूलरी इत्यादि ढेर सारे ऑप्शन हैं जो आप दोनों एक-दूसरे के ड्रैसअप के लिहाज से मैच कर सकते हैं। यहां आप अपनी पूरी क्रिएटिविटी दिखा सकते हैं।

फैशन का अंदाज हमेशा बदलता रहता है। मौसम की नजाकत के हिसाब से ही फैशन बाजार में अपना स्थान बना पाता है। इस समय सर्दी अपने पूरे शबाब पर है, ऐसे में खूबसूरत ड्रैसेस के साथ स्टाइल बनाए रखने के लिए स्टाइलिश स्टोल्स इन हैं। इनसे ठंड से तो बचाव होगा ही बल्कि ड्रैसेस की खूबसूरती भी बरकरार रहेगी...

लुक कूल विद हॉट स्टोल

ठंड दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। बाहर निकलने से पहले ढेर सारे गर्म कपड़े, स्वैटर, जैकेट पहनने पड़ते हैं। लेकिन यह साल का बैस्ट फैशन टाइम भी होता है। सर्दी का मौसम फैशन के लिहाज से बहुत हॉट होता है। फैशन के दीवाने, सर्दी के इस मौसम में भी फैशनेबल दिखना चाहते हैं, पर साथ ही खुद को ठंड से बचाए रखना भी चाहते हैं। युवा इस कूल सीजन में खुद को हॉट बनाए रखने के लिए अपना फैशन स्टेटमेंट भी खूबसूरती के साथ चेंज करते हैं। इसलिए स्टाइलिश और डिफरेंट लुक के लिए उनकी पसंद होती है ऐसा विंटर वियर जिससे उनकी डिजाइनर ड्रैस पूरी तरह ढके नहीं और साथ ही उनका स्टाइल भी बरकरार रहे।

सर्दी से बचाव के साथ ही यदि इसमें फैशन के रंग भी शामिल हो जाएं तो क्या बात है। विंटर में ट्रैंडी और स्टाइलिश अंदाज में रहने के लिए स्टोल्स खूब पसंद किए जा रहे हैं। स्टोल्स की सबसे बड़ी खासियत यह है कि ये आपकी ड्रैस को नोटिसेबल फ्लेयर देते हैं। वूलन और सिल्क से बने ये स्टोल्स स्मार्ट और डिफरेंट लुक्स भी दे रहे हैं। विभिन्न रंगों में उपलब्ध होने के कारण लड़कियों में इसकी खरीदारी जोरों पर चल रही है। ड्राइव करते समय या सर्दी में अपने चेहरे को ठंडी हवा और बेजान होने से बचाने के लिए लड़कियां इन स्टोल्स को पहनना पसंद कर रही हैं।

स्टोल्स का स्टाइल

स्टोल यानी चौकोर कपड़े का एक ऐसा टुकड़ा, जो इंडियन दुपट्टे और स्कार्फ का ही एक रूप है। हर कोई स्टोल्स पहनना पसंद कर रहा है। हर उम्र और मिजाज के लोग इनका इस्तेमाल कर सकते हैं। स्टोल पहनने के कई तरीके हैं। आप अपने रंग-रूप और आउटफिट के हिसाब से स्टोल को कई तरीके से पहन सकती हैं। ज्यादातर महिलाएं इसे गले में हार की तरह दो बार घुमा कर डालती हैं और यह गले और गर्दन को पूरी तरह ढंक देता है। इन्हें गांठ बांधकर या फिर पिनअप करके भी पहना जा सकता है। लम्बे स्टोल को गले में कॉलर वाली शर्ट या स्वैटर के साथ डाल सकती हैं। जींस और शर्ट के साथ सिंपल पोल्का डॉट्स वाले स्टोल को गले में बांध सकती हैं और यदि आप थोड़ी बिंदास दिखना चाहती हैं तो इसे सिर पर भी बांध सकती हैं। कैजुअल दिखने के लिए आप स्टोल को गले में बिना गांठ बांधे भी डाल सकती हैं। पुरुष स्टोल को स्कार्फ की तरह इस्तेमाल करते हैं। पुरुषों के स्टोल्स यूनिसैक्स रंगों और फैब्रिक में आते हैं। इन्हें फॉर्मल और कैजुअल दोनों तरह की ड्रैसेस के साथ पहन सकते हैं। फॉर्मल वियर के साथ इसे नॉट लगाकर पहन सकते हैं, जिसके सिरे या तो वैस्ट तक लंबे हों या फिर आपके कोट की लंबाई के बराबर।

स्टाइलिश लुक

एक्सैसरीज में स्टोल्स का क्रेज बढ़ रहा है। यही वजह है कि युवतियां शॉल की बजाय स्टोल्स पहनना ज्यादा पसंद करती हैं। अगर इनका चयन अपनी पर्सनैलिटी के हिसाब से किया जाए, तो कॉलेज जाना हो या फिर किसी पार्टी में स्टोल्स आपको बहुत डैशिंग लुक देते हैं। स्टोल्स इंडियन व वैस्टर्न दोनों तरह की ड्रैसेज पर फबते हैं। जींस, टॉप, कैप्री व स्कर्ट्स पर ये स्टोल्स कूल लुक देते हैं। इसे आप सलवार सूट के साथ भी कैरी कर सकती हैं। अगर आप इन्हें जींस के साथ मैच करके पहनना चाहती हैं, तो पतला फोल्ड बनाकर मफलर लुक में कैरी कर सकती हैं। स्कर्ट पर पतला फोल्ड करके इसके दोनों सिरे आगे की तरफ लेकर डाल सकती हैं।

सॉफ्ट एंड कंफर्टेबल

माना जाता है कि सर्दियों में गले को बचाना, उसे ढंक कर रखना बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि हमारे शरीर की कई नाजुक नसें गले से जुड़ी होती हैं इसलिए सर्दियों में गले को बचाना जरूरी है। स्टोल्स को गले में मफलर की ही तरह लपेटा जाता है। सर्दियों में आमतौर पर लंबे स्टोल कैरी किए जाते हैं, जिन्हें गले में डालकर गर्दन, कान और चेहरे को ठंड से बचाया जा सकता है। इस तरह ये आपको एक स्टाइलिश फैशनेबल लुक तो देते ही हैं, साथ ही आपका ठंड से बचाव भी करते हैं। स्टोल्स मफलर से ज्यादा हल्के, काफी गर्म और बेहद सॉफ्ट फैब्रिक में होते हैं। इसलिए ये बेहद कंफर्टेबल होते हैं और सर्दी से बचाव करने में बेजोड़।

मैचिंग एंड कंट्रास्ट

स्टोल्स के इतने लोकप्रिय होने का एक कारण यह भी है कि ये बहुत ही किफायती होते हैं, इनमें रंगों की बड़ी वैरायटी मिल जाती है और डिजाइंस की भरमार रहती है। इसके चलते यंगस्टर्स अपनी ड्रैसेस के साथ मैचिंग रंगों वाले स्टोल्स खूब खरीदती हैं। कई लोग इन्हें अपनी ड्रैस के कलर के अपोजिट कंट्रास्ट रूप में भी डालना पसंद करती हैं। स्टोल यदि आपकी आउटफिट के साथ कॉन्ट्रास्ट में होगा तो ज्यादा हॉट लुक देगा। इसलिए यदि आप ब्लैक ड्रैस ट्राई कर रही हैं तो कलरफुल स्टोल आपको ज्यादा स्मार्ट और खूबसूरत लुक देगा।

सिल्क स्टोल्स हैं लाजवाब

सिल्क व वुलन मिक्स से बने स्टोल्स इन दिनों महिलाओं व युवतियों की पहली पसंद बने हुए हैं। इस सीजन में थोड़ा हटकर ट्राई करें। इस मौसम में फैब्रिक का सबसे ज्यादा महत्व है। सिल्की टच लिए स्टोल्स अपने रिच लुक के कारण ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। सिल्क स्टोल कई शेप्स, डिजाइन और कलर्स में आप खरीद सकती हैं। स्क्वेयर सिल्क स्टोल लड़कियां ज्यादा प्रेफर करती हैं क्योंकि यह औरों से अलग लुक देता है साथ ही इसे ज्यादा आसानी से कैरी किया जा सकता है। हालांकि कड़ाके की ठंड में वुलन स्टोल्स ही आपको गर्माहट देगा। कैजुअल लुक के लिए चैकी व प्लेन स्टोल्स खासतौर से युवतियों को पसंद आ रहे हैं। कॉटन के स्टोल में ब्राइट कलर्स जैसे गोल्डन, ब्लू, ब्राउन और रेड खास हैं। इन दिनों एनिमल प्रिंट और फ्लोरल प्रिंट वाले स्टोल ट्रेंड में हैं। एनिमल प्रिंट के स्टोल से बोल्डनेस भी झलकती है और खूबसूरती भी। फ्लोरल प्रिंट के स्टोल्स का अंदाज औरों से जुदा ही होता है। ये कैरी करने में तो अच्छे लगते ही हैं, साथ ही फेमिनिन लुक भी देते हैं। डिजाइनर्स स्टोल्स भी युवतियों को अट्रैक्ट कर रहे हैं, जिनमें कांथा वर्क, ब्रॉकेट की बॉर्डर्स फैशन में हैं। वुलन स्टोल प्योर वूल से बनाई जाती है और काफी गर्म होती है। इन्हें हर उम्र के लोग इस्तेमाल कर सकते हैं। कश्मीरी स्टोल को कॉटन व वूल को मिलाकर बनाया जाता है। यह युवाओं के लिए खास है। पश्मीना स्टोल सबसे सॉफ्ट व हल्की होती है। लाइट वेट होने की वजह से इसे यंगस्टर्स पसंद करते हैं। रॉ सिल्क स्टोल हाथ से बनाए जाते हैं। फैदर स्टोल बेहद फैंसी होती है। हैंडलूम स्टोल हाथ से बनती हैं, जो अलग लुक वाली व डिजाइनर होती है। ऑफ कॉरिस्ट सिल्क स्टोल में सिल्की सॉफ्टनेस और वूल की गर्माहट का मिश्रण होता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक निमिषा कुमारी द्वारा शिवा साईं पब्लिकेशन प्रा० लि० काठीटांड़, रातू रांची, झारखंड 835222 से मुद्रित व 364, को ऑपरेटिव कालोनी, बोकारो स्टील सिटी, बोकारो, 827003 से प्रकाशित।
प्रधान संपादक निमिषा कुमारी, प्रबंध संपादक विनय कुमार तिवारी* (*पी आर बी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) आर एन आई न०- JHA/HIN/ 2018/ 76658 फोन न०8340571405, 9955023741